राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 75
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 29 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दिल्ली के ऐतिहासिक कुदसिया बाग में शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जन्मदिवस पर प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

पेज 5 अग्निवीर भर्ती के नाम पर ठगी करने वाला सेना का जवान गिरफ्तार, गिरोह कर चुका 35 लाख की ठगी

पेज 7 दुनिया भर में अवैध पुलिस स्टेशन खोल रहा चीन, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देश भी दे रहे ड्रैगन का साथ!

यूपी : सड़क हादसे में 10 की मौत

33 घायल, लखीमपुर में यात्री बस और ट्रक की टक्कर

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक और एक प्राइवेट बस की ऐरा पुल पर आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। बस में ड्राइवर समेत करीब 65 लोग सवार थे। इनमें से 10 लोगों की मौत हो गई। 33 लोग घायल बताए जा रहे हैं। लखीमपुर खीरी के,छ्रूसंजय कुमार सिंह ने बताया कि गंभीर घायलों को लखनऊ रेफर किया गया है। बाकी लोगों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

इस भीषण सड़क हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है और मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की है। साथ ही घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

टक्कर से बस की बॉडी पूरी तरह तहस-नहस हो गई। कई शव उसमें फंस गए। पुलिस ने रेस्क्यू कर शवों और यात्रियों को निकाला। बस धौरहरा

के इशानगर से लखनऊ आ रही थी, जबकि ट्रक पंजाब की तरफ से आ रहा था। हादसा एनएच -730 के ऐरा पुल पर हुआ। इसके बाद हाईवे के दोनों तरफ करीब 8 किमी लंबा जाम लग गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने डीएम और एसपी को मौके पर भेजा है।

तेज स्पीड से बस चला रहा था ड्राइवर, मना करने पर भी नहीं माना

बस में सवार एक यात्री ने बताया, बस 65 यात्रियों को लेकर बस धौरहरा से लखनऊ की ओर आ रही थी। ड्राइवर बहुत तेज स्पीड से बस चला रहा था। यात्रियों ने स्पीड कम करने को कहा, लेकिन ड्राइवर नहीं माना। यही वजह है कि ऐरा पुल पर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस में सवार 4 यात्रियों और ट्रक ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक के कंडक्टर की जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

मरने वालों में 4 युवक, एक महिला और एक बच्चा

हादसे में मारे गए 10 लोगों की पहचान हो गई है। हादसे की जानकारी मिलने पर धौरहरा के भाजपा विधायक विनोद शंकर अवस्थी जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल में मरीजों का ठीक से इलाज न किए जाने को लेकर विधायक की डीएम महेंद्र बहादुर सिंह और अस्पताल के ष्टरूह्र से बहस हो गई। विधायक ने बताया कि जिला अस्पताल में ठीक इंतजाम न होने के कारण यात्रियों के इलाज में देरी हुई।

मुख्यमंत्री ने दुख जताया, अफसरों को राहत के लिए भेजा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल भेजने और उनके समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं।

मृतकों के नाम

प्रशासन ने मृतकों में सभी की पहचान कर ली है। 8 लोग लखीमपुर के ही रहने वाले हैं। जबकि एक मृतक लखनऊ का रहने वाला है। एक की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

- आर्या निगम, उम्र 10 वर्ष पुत्री अंशु निगम
- मुन्नू मिश्रा, उम्र 16 वर्ष पुत्र मथुरा मिश्रा
- अजीमुन, उम्र 55 वर्ष पत्नी अकील अहमद
- कौशल किशोर उम्र 58 वर्ष पुत्र नवल किशोर
- सगीर अहमद उम्र 35 वर्ष, पुत्र सईद अहमद
- सुरेंद्र कुमार, उम्र 38 वर्ष पुत्र बदलू
- सरस्वती प्रसाद वर्मा पुत्र मंशादीन
- जितेंद्र उम्र 25 वर्ष पुत्र रामसरन
- जुबेरिया उम्र 05 वर्ष पुत्री मंशू
- अज्ञात

डिस्प्ले गैलरी का दौरा

विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने नई दिल्ली में पद्म और एसएनए पुरस्कार विजेताओं के साथ ई-नीलामी के लिए रखे गए प्रधानमंत्री के प्रतिष्ठित उपहारों और स्मृति चिन्हों की डिस्प्ले गैलरी का दौरा किया।

'भारत जोड़ो यात्रा' 21वें दिन पहुंची नीलाम्बुर

नीलाम्बुर (केरल)। 'भारत जोड़ो यात्रा' 21वें दिन बुधवार को केरल के नीलाम्बुर पहुंची। यात्रा सुबह पंडिक्कड से आरंभ हुई और दोपहर के भोजन के लिए 12 किलोमीटर की दूरी तय कर वंडूर पहुंची। वंडूर के मशहूर केटी आडोटोरियम में यात्रियों ने दोपहर का भोजन किया। शाम की पाली में यात्रियों ने करीब साढे नौ किलोमीटर की दूरी तय की और विश्राम के लिए यहां पहुंचे और यहां अमाल कालेज में यात्रियों के रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है। इस बीच कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने नीलाम्बुर के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यहां उत्तर प्रदेश और बिहारसे बड़ी संख्या में प्रवासी काम करते हैं।

आर. वेंकटरमणि अटॉर्नी जनरल नियुक्त

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को वरिष्ठ वकील आर. वेंकटरमणि को देश का अगला अटॉर्नी जनरल नियुक्त करने की घोषणा की हैं। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से आज जारी एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई ?। अधिसूचना के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने श्री वेंकटरमणि को अटॉर्नी जनरल नियुक्त करने की मंजूरी दी है। श्री वेंकटरमणि की नियुक्ति (उनके कार्यभार ग्रहण करने से) अगले तीन वर्षों के लिए की गई है। मौजूदा अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल का कार्यकाल 30 सितंबर को समाप्त हो रहा है। वेंकटरमणि के एक अक्टूबर को पदभार ग्रहण करने की संभावना है। केंद्र सरकार ने श्री वेंकटरमणि से पहले वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी को अटॉर्नी जनरल बनाने का प्रस्ताव दिया था, जिसे उन्होंने पिछले दिनों ठुकरा दिया था। श्री रोहतगी ने प्रस्ताव अस्वीकार करने की पुष्टि की थी, लेकिन कारणों का उल्लेख नहीं किया है। विभिन्न संवैधानिक मामलों में केंद्र और राज्य सरकारों का प्रतिनिधित्व कर चुके श्री वेंकटरमणि को वकील के तौर पर 45 वर्षों से अधिक का अनुभव है। वह 2010 और 2013 में भारत के विधि आयोग के सदस्य रह चुके हैं। श्री वेंकटरमणि ने जुलाई 1977 में बार काउंसिल ऑफ तमिलनाडु में पंजीकरण कराया था। उन्होंने 1982 में शीर्ष अदालत में स्वतंत्र रूप प्रैक्टिस शुरू की और 1997 में यहां वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया था।

लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान नए सीडीएस बनाए गए

नयी दिल्ली। सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान (सेवानिवृत्त) को नया प्रमुख रक्षा अध्यक्ष यानी सीडीएस नियुक्त किया है।

लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान देश के दूसरे सीडीएस होंगे। उनकी नियुक्ति पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के स्थान पर की गई है। जनरल रावत की दिसंबर 2021 में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। उनकी मौत के बाद से ही यह पद खाली पड़ा था।

लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान सैन्य मामलों के विभाग के सचिव का कार्य भी देखेंगे और उनकी नियुक्ति

कार्यभार संभालने के दिन से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

उन्होंने सेना में करीब 40 वर्ष के कैरियर के दौरान विभिन्न कमान, स्टाफ और महत्वपूर्ण नियुक्तियों पर कार्य किया है। उन्हें विशेष रूप से जम्मू कश्मीर तथा पूर्वोत्तर में आतंकवाद तथा उग्रवाद रोधी अभियानों का अच्छा खासा अनुभव है। अट्ठारह मई 1961 को जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान को 1981 में सेना की 11 गोरखा राइफल में कमीशन मिला था। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला और भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून के छात्र रहे लेफ्टिनेंट जनरल चौहान को वर्ष 2019 में पूर्वी कमान का प्रमुख नियुक्त किया गया था। मई 2021 में सेवानिवृत्त होने तक उन्होंने इस जिम्मेदारी का निर्वहन किया।

लेफ्टिनेंट जनरल चौहान को उल्लेखनीय एवं विशिष्ट सेवा के लिए परम विशिष्ट सेवा पदक, उत्तम युद्ध सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, सेना पदक और विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।

पीएफआई पर सरकार का बड़ा ऐक्शन, लगाया 5 साल का प्रतिबंध

सहयोगी संगठनों पर भी शिकंजा, टेरर लिंक को लेकर यह कार्रवाई की गई

नई दिल्ली। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर सरकार ने बड़ा ऐक्शन लिया है। लगातार छापेमारी के बाद अब गृह मंत्रालय ने पीएफआई और उसके सहयोगी संगठनों पर पांच साल का बैन लगा दिया है। टेरर लिंक को लेकर यह कार्रवाई की गई है। कई राज्यों ने केंद्र सरकार से पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। बता दें कि ईडी और एनआईए के पहले राउंड की छापेमारी में 106 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। वहीं दूसरे राउंड की छापेमारी में 247 लोगों को अरेस्ट किया गया।

गृह मंत्रालय का कहना है कि टेरर लिंक के सबूत मिलने और एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई है। पीएफआई से जुड़े संगठनों पर भी

बैन लगाया गया है। इनमें कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया, रिहैब इंडिया फाउंडेशन, ऑल इंडिया इमाम काउंसिल और अन्य कई संगठन शामिल हैं। बताते चलें कि पहले राउंड में 11 राज्यों में छापेमारी हुई थी और उसके बाद पीएफआई से जुड़े लोगों ने हंगामा भी किया था। वहीं दूसरे राउंड में 8 राज्यों मे रेड डाली गई। दिल्ली के जामिया नगर में धारा 144 लगा दी गई थी।

गृह मंत्रालय की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि पीएफआई कई आपराधिक और आतंकी मामलों में शामिल रहा है जो संवैधानिक प्राधिकार का अनादर करता है।

बाह्य स्त्रोतों से धन और वैचारिक समर्थन की वजह से यह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बन गया है। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि, कॉलेज प्रोफेसर का हाथ काटना, अन्य धर्मों को मानने वाले लोगों पर हमला करना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे मामलों की पुष्टि हुई है।

क्या हैं प्रतिबंध के मायने

प्रतिबंध के मायने ये हैं कि इस संगठन से जुड़े किसी भी शख्स पर कार्रवाई की जा सकती है। देश में जिस तरह की गतिविधि पीएफआई चला रहा था उसपर रोक लगाई जाएगी। एजेंसियों ने पांच एफआईआर दर्ज की हैं और उसमें यूएपीए लगाया गया है। इसके अलावा पीएफआई से जुड़े संगठनों पर भी कार्रवाई की जा सकेगी। विदेशी फंड को पीएफआई जिस तरह से लीगल बताने की कोशिश करता था, उसपर भी शिकंजा कसा जाएगा।

देश ही नहीं विदेश में भी भारत विरोधी गतिविधि

पीएफआई केवल देश में ही नहीं बल्कि खाड़ी देशों में भी भारत के खिलाफ अजेंडा चलाता था। पीएफआई एक अखबार चलाता था जिसका नाम तेजस गल्फ डेली है। इस अखबार के जरिए वह खाड़ी देशों में भारत विरोधी अजेंडा चलाता है। इसके अलावा अखबार के जरिए वह विदेशी फंडिंग को लीगल बनाने का भी काम करता था। पीएफआई अबूधाबी के एक रेस्तरां के जरिए भी हवाला के माध्यम से फंडिंग प्राप्त करता था। विदेशी फंडिंग के बल पर वह देश में कट्टरपंथ को हवा देने का काम कर रहा था।

अयोध्या को मिला लता चौक, 40 फीट ऊंची वीणा लगी

पीएम मोदी बोले- राम मंदिर निर्माण से खुश थीं दीदी, उनके स्वरों ने दुनिया को जोड़ा

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में सरयू के किनारे नयाघाट चौराहा अब लता मंगेशकर चौराहा के नाम से जाना जाएगा। सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के नाम पर बने स्मृति चौक का लोकार्पण बुधवार को ष्टरूयोगी ने किया। उनके साथ केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी भी मौजूद रहे। लता मंगेशकर के भतीजे और बहू भी रहे। पीएम नरेंद्र मोदी अपना वीडियो संदेश दिया। उन्होंने कहा कि लता दीदी सरस्वती की साधिका थीं। उनके स्वरों ने दुनिया को जोड़ा। मोदी ने कहा कि लता दीदी

राम मंदिर निर्माण से खुश थीं। सीएम योगी ने कहा कि राम के प्रति जिसने जो कुछ भी किया है, उसकी कृतज्ञता की शुरुआत लता चौक से हो गई है। तुलसीदास, वाल्मीकि के नाम पर भी चौराहे बनेंगे। विकास हमारी प्राथमिकता है। पूरे विश्व से अयोध्या सीधे जुड़ेगी। अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन रहा है। सावन में काशी में एक करोड़ भक्त आए। शारदा और लक्ष्मी की कृपा अयोध्या पर बरसने वाली है। अयोध्या शोध संस्थान की पत्रिका के 10 अंकों का विमोचन सीएम योगी ने किया। लता मंगेशकर की आज 93वीं जयंती है। लोकार्पण से पहले लता जी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद लता के भतीजे आदिनाथ मंगेशकर और बहू कृष्णा मंगेशकर का स्वागत किया गया। लता के गाए भजनों की प्रस्तुति महाराष्ट्र की गायिका सावनी रविंद्र ने दी।

30 दिन में करीब 8.50 करोड़ रुपए लगे

लता मंगेशकर चौक के कंस्ट्रक्शन को दिखाने के लिए एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई जाएगी। इसको 30 दिन में करीब 8.50 करोड़ की लागत से बनाया गया है। अयोध्या शोध संस्थान से प्रकाशित ग्लोबल इंसाइक्लोपीडिया ऑफ रामायण के 11 पुस्तकों का विमोचन भी हुआ।

अंकिता के परिवार को मुआवजा देने पर कुमार विश्वास खफा

पूछा- जनता के पैसे से मदद क्यों, आरोपी की संपत्ति नीलाम करनी चाहिए

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंकिता भंडारी के परिजनों को 25 लाख रुपए का सरकारी मुआवजा देने का ऐलान किया है। इस पर कवि और आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता कुमार विश्वास ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि राजनीतिक परिवारों के लड़कों के कुकर्मों के लिए जनता के पैसों से मुआवजा क्यों दिया जा रहा है। आरोपी पुलकित आर्य की संपत्ति नीलाम कर

परिवार को मदद देनी चाहिए। कुमार विश्वास ने ट्विटर पर लिखा, सत्ता के अहंकार में डूबे उस नीच दुर्योधन के कुकर्मों का मुआवजा टैक्स पेयर के पैसे से क्यों दिया जा रहा है। उस नराधम के रिसॉर्ट और सम्पत्तियों की नीलामी करके इस बिटिया के परिजनों को सारा धन दिया जाए। पॉलिटिकल परिवार के संरक्षण में पले बेलगाम लड़के अनाचार करें और भरे जनता?

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने ऐलान किया है कि अंकिता के परिवार को 25 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। इसके साथ ही अंकिता मर्डर केस की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में की जाएगी। कांग्रेस ने बुधवार को देहरादून के गांधी पार्क में धरना देकर अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग की है। उनका कहना है कि एसआईटी मामले की जांच कर रही है, लेकिन उन्हें जांच पर भरोसा नहीं है। 19 साल की अंकिता भंडारी की 19 सितंबर को हत्या कर दी गई थी।

''विश्वास ने ट्विटर पर लिखा, सत्ता के अहंकार में डूबे उस नीच दुर्योधन के कुकर्मों का मुआवजा टैक्स पेयर के पैसे से क्यों दिया जा रहा है। उस नराधम के रिसॉर्ट और सम्पत्तियों की नीलामी करके इस बिटिया के परिजनों को सारा धन दिया जाए''

नोटिस

दीवार गिरने से चार मजदूरों की हुई थी मौत, पूछताछ के लिए जाएगा बुलाया

प्राधिकरण के पांच अधिकारियों को पुलिस का नोटिस

नोएडा। दीवार गिरने से चार मजदूरों की मौत के मामले में नोएडा पुलिस ने प्राधिकरण के पांच अधिकारियों को सीआरपीसी 91 का नोटिस भेजा है। इस नोटिस के बाद वह कभी भी इन पांचों को या किसी को भी पूछताछ के लिए बुला सकती है।

इनमें प्राधिकरण के डीजीएम, मैनेजर, जेई और 2 सुपरवाइजर शामिल है। ये सभी प्राधिकरण के सर्किल-2 के है। अगर अधिकारी नोटिस पर नहीं पहुंचते तो कार्रवाई का भी प्रावधान भी है।

दरअसल, जलवायु विहार सोसाइटी में नाली बनाने के दौरान

पेरीफेरल दीवार गिर गई थी। इसके मलबे में दबकर चार मजदूरों की मौत हो गई थी। इस मामले की जांच नोएडा प्राधिकरण, पुलिस और जिला प्रशासन कर रहा है।

हाल ही में पुलिस ने प्राधिकरण के डीजीएम श्री पाल भाटी को कोतवाली सेक्टर-20 बुलाया था। जिसका प्राधिकरण अधिकारियों ने थाने में एकत्र होकर विरोध किया था।

प्राधिकरण की पहले स्तर की जांच में ठेकेदार दोषी

प्राधिकरण ने पहले स्तर की जांच में ठेकेदार को दोषी बताया है। क्योंकि साइट पर काम के दौरान ठेकेदार ने मजदूरों को सुरक्षा उपकरण मुहैया नहीं कराए थे।

साथ ही मजदूरों के कहने पर कि दीवार गिर सकती है मजदूरों पर दबाव बनाकर काम जारी रखवाया गया। वहीं प्राधिकरण के अवर अभियंता की गलती भी सामने आई है। जेई को मौके पर जाकर निरीक्षण करना चाहिए।

एसीईओ मानवेंद्र सिंह ने बताया कि जांच रिपोर्ट निर्धारित समय में पूरी कर सीईओ को सौंप दी जाएगी। वहीं थर्ड पार्टी से यदि कोई व्यू लेना होगा तो लिया जाएगा। प्राधिकरण ने बताया कि जांच में देखा गया कि यहां पर मैन्यूवल काम होना चाहिए था या नहीं। कार्य के लिए जो एस्टीमेट तैयार किया गया था वह मैन्युअल वर्क के लिए था या फिर काम मशीनरी से किया जा सकता था।

इस मामले में पुलिस ने ठेकेदार सुंदर यादव और गुल मोहम्मद को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि अभी एमडी कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक अनुज यादव फरार है। पुलिस की कई टीमें उसकी गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

कोविड-19 : देश भर में कोरोना संक्रमित लोगों की सेहत में हुआ सुधार

नयी दिल्ली। देश में कोविड-19 के मामले दिनोंदिन कम हो रहे हैं।पिछले 24 घंटें में कोरोना वायरस से 4,972 लोगों को मुक्ति मिली है और देश भर में अब तक कुल 4,40,09,525 लोगों की सेहत में सुधार हो चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 217.96 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं और पिछले 24 घंटे में कोविड-19 सक्रिय मामलों के आंकड़ों में 1379 की कमी आई है, जिससे अब संक्रिय मरीजों का आंकड़ा घटकर 40979 रह गया और दैनिक संक्रमण दर 1.12 प्रतिशत है। सक्रिय मामलों की दर 0.10 प्रतिशत है और मृत्यु दर 1.19

फीसदी पर बरकरार है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना महामारी संक्रमण से ग्रसित 3,615 नये मरीजों की पुष्टि हुई है, जिससे अब संक्रमित मरीजों का कुल आंकड़ा बढ़कर 4,45,79,088 हो गया। इसी अवधि में देश में संक्रमितों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 98.72 प्रतिशत हो गयी है। पिछले 24 घंटों में कोरोना महामारी से 14 मरीजों की मौत हो गयी जिससे देश भर में अब मृतकों की संख्या 528584 हो गई है। पिछले 24 घंटों में 3,23,293 कोविड परीक्षण किए गये हैं। जिसके बाद कुल परीक्षणों की संख्या 89.44 करोड़ से अधिक हो चुकी हैं।पिछले 24 घंटों में सात राज्यों और तीन केन्द्र शासित प्रदेश में कोराना के मामलों में बढ़ोतरी हुई है और अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके मामलों में कमी देखी गयी है। पिछले 24 घंटे में राष्ट्रीय राजधानी में 14 मामले बढ़े हैं, जिससे संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 386 हो गया है। इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 1976232 पर स्थिर बनी रही। इसी अवधि में मृतकों का आंकड़ा 26501 पर बरकरार है।

शार्ट न्यूज

त्रिपुरा में आठ महीने में 2968 युवतियां लापता

अगरतला । त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने विधानसभा में मानसून सत्र के दौरान कहा कि इस वर्ष जनवरी और फरवरी के बीच कम उम्र की 263 किशोरियों सहित कम से कम 2968 युवतियों के लापता के मामले दर्ज हैं। साहा ने कांग्रेस विधायक सुदीप रॉयबर्मन और खोवाई के माकपा विधायक निर्मल बिस्वास के एक सवाल के जवाब में कहा कि कुल लापता लोगों में से पुलिस ने आठ महीने में 2524 महिलाओं को बरामद किया, जिनमें 242 नाबालिग शामिल हैं, और शेष किशोरियों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि लापता युवतियों के परिवारों ने थाने में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। बहरहाल, त्रिपुरा पुलिस को राज्य भर में मॉब लिंचिंग की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। यहां के लोगों का कहना है कि राज्य में चोरों और डकैती के अलावा नशीले पदार्थों, नशीली दवाओं का एक गिरोह है जो युवतियों का अपना शिकार बना रहे हैं। अपने जवाब में उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस ने लापता होने और अपहरण की घटनाओं के सिलसिले में 254 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है।

रजिस्ट्रार कानूनगो 10 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड सतर्कता अधिष्ठान की नैनीताल सेक्टर की टीम ने बुधवार को अल्मोड़ा के सल्ट तहसील के रजिस्ट्रार कानूनगो अब्दुल हबीब खान को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई अमल में लायी जा रही है। पुलिस अधीक्षक प्रह्लाद नारायण मीणा के अनुसार हल्द्वानी रानीबाग के चौहानपाटा निवासी हिमांशु जोशी की ओर से हेल्पलाइन 1064 के साथ ही हल्द्वानी एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराते हुए कहा गया कि उसने सल्ट तहसील के जिहाड़ गाँव में भूमि खरीदी है लेकिन सल्ट तहसील में तैनात रजिस्ट्रार कानूनगो अब्दुल हबीब खान दाखिल खारिज के नाम पर उससे दस हजार रूपये रिश्वत की मांग कर रहा है। इस मामले की गोपनीय जांच करायी के बाद पुलिस उपाधीक्षक दीपशिखा अग्रवाल के पर्यवेक्षण में एक ट्रेप टीम का गठन किया गया। टीम ने आरोपी को आज दस हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत अभियोग पंजीकृत कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही अन्य अधिकारियों की संलिप्तता की जांच भी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक मीणा की ओर से ट्रेप टीम को 5000 रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की गयी है। यहां बता दें कि सतर्कता विभाग की ओर से कुछ समय पहले हल्द्वानी व रुद्रपुर में बड़ी कार्यवाही करते हुए कानूनगो व चकबंदी अधिकारी के पेशकार को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया था।

तेलंगाना मे भारी बारिश के आसार

हैदराबाद। तेलंगाना के कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरीयल, जगित्याल, पेड्डापल्ली, और जयशंकर भूपालपल्ली मे अगले 24 घंटे मे भारी बारिश होने के आसार हैं, मौसम विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि अन्य स्थान जहाँ पर बारिश के अनुमान हैं, उनमे तेलंगाना के मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यपेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव, सिड्डीपेट, यादाद्री भुवनगिरी, रेंगारेड्डी, मेडक, कामारेड्डी, महबूबनगर, नगरकुरनूल, वानापर्थी, नारायणपेट, जोगुलम्बा गडवाल जिले शामिल हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान तेलंगाना में दक्षिण पश्चिम मौसम सामान्य ही रहा है।

अंकिता कांड : परिजनों को 25 लाख की सहायता, फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी सुनवाई

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि दिवंगत अंकिता भंडारी के परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। अधिकारियों को इसके लिये निर्देश दिये गये हैं। इस बयान के तुरंत बाद धनराशि संबंधित आदेश निर्गत भी कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अंकिता के परिवार के साथ है और उनकी हर प्रकार से सहायता करेगी। मामले की एसआईटी जांच की जा रही है। पूर्ण निष्पक्ष तरीके से जल्द से जल्द जांच पूरी की जाएगी। मामले से संबंधित हर तथ्य को जुटाते हुए पुख्ता तरीके से रिपोर्ट तैयार कर अपराधियों को सख्त से सख्त सजा दिलाना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपराधियों को ऐसी सजा दिलाई जाएगी जो आगे के लिए भी नजीर बने। पीड़ित परिवार को त्वरित न्याय मिल सके, इसके लिये फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई के लिए न्यायालय से अनुरोध किया गया है।

एनटीपीसी ने देश को दिया स्वच्छता का संदेश

हैदराबाद। राष्ट्रीय तापविद्युत निगम (एनटीपीसी) के दक्षिण क्षेत्रीय मुख्यालय (एसआरएचक्यू) ने बुधवार को तेलंगाना के ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की मदद से ऐतिहासिक 'चारमीनार' में 'स्वच्छता के लिए संयुक्त भारत अभियान' का आयोजन किया। चारमीनार और उसके आसपास स्वच्छता बनाए रखने के मकसद से चारमीनार में 'स्वच्छता के लिए संयुक्त भारत' अभियान के तहत वॉकथॉन, स्वच्छता अभियान के अलावा स्वच्छता की शपथ ली गयी। शपथ लेने वालों में एनटीपीसी, जीएचएमसी के कर्मियों अलावा बड़ी तादाद में स्थानीय लोगों ने शिरकत की। इस मौके पर एनटीपीसी के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) मणिकांत ने चारमीनार के सौंदर्यीकरण और विकास कार्यों में एनटीपीसी की मदद के लिये लोगों से सहयोग की अपील की और बाद में लोगों को हिन्दी में स्वच्छता की शपथ भी दिलायी।

गोपालगढ़ प्रकरण में वांछित आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर के गोपालगढ में वर्ष 2011 में घटित बहुचर्चित सांप्रदायिक दंगे के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने सीबीआई नई दिल्ली को सुपुर्द किया है। पुलिस अधीक्षक श्यामसिंह ने बताया कि साईबर अपराध यूनिट डीग के हेड कांस्टेबल वीरेन्द्र सिह की सूचना पर गोपालगढ़ कांड के सीबीआई नई दिल्ली के मामले में वाछित चल रहे आरोपी शौकत मेव उम्र (58) निवासी लाडमका को दस्तयाब किया गया एवं सीबीआई नई दिल्ली के सबं इस्पेंक्टर देवेन्द्र मीणा मय जाप्ता को सपुर्द किया गया। गौरतलब है कि 14 सितंबर 2011 को भरतपुर के गोपालगढ़ कस्बे में सांप्रदायिक दंगे हुए थे जिसमें करीब 10 लोगों की मौत हुई थी। इस मामले में सीबीआई ने जाहिदा खान (वर्तमान राज्यमंत्री) और तत्कालीन विधायक अनीता सिंह सहित 64 लोगो के खिलाफ मामला दर्ज किया था और इन सभी आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र भी पेश किया था।

अप्रधान खनीजो के 609 हैक्टेयर के 95 प्लॉट नीलामी के लिए तैयार

जयपुर। राजस्थान में खान विभाग द्वारा अप्रधान खनिजों (माइनर मिनरल) के नीलामी के लिए इस साल अब तक 609.66 हैक्टेयर क्षेत्रफल के 95 प्लॉट तैयार किए जा चुके हैं। इसके साथ ही 197.17 हैक्टेयर क्षेत्रफल के 116 प्लॉटों की सफल नीलामी की जा चुकी है। विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ.सुबोध अग्रवाल ने आज सचिवालय में विभाग के अधिकारियों से वीसी के माध्यम से समीक्षा के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने फील्ड के भूविज्ञानियों और माइनिंग इंजीनियरों से परस्पर समन्वय बनाते हुए सभी संभावित बिन्दुओं का अध्ययन कर ऑक्शन के लिए नए प्लॉट तैयार करने के निर्देश दिए हैं ताकि माइनिंग प्लाटों की सफल नीलामी के साथ ही प्रतिस्पर्धात्मक राजस्व प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि अवैध खनन पर प्रभावी रोक के लिए वैध खनन को बढ़ावा देना होगा और इसके लिए अधिक से अधिक प्लॉट तैयार करने के साथ ही नीलामी प्रक्रिया में तेजी लानी होगी। उन्होंने बताया कि माइनर मेजर के इन ब्लॉकों में सर्वाधिक 46 भरतपुर, 25 भीलवाड़ा, 9 राजसमंद, 5-5 उदयपुर एवं बीकानेर, 3 जोधपुर और 2 जयपुर में तैयार किए गए हैं। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि माइंस विभाग की खनन पट्टों की नीलामी अब प्रीमियम दरों पर होने लगी है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि राज्य के 193 आरसीसी ईआरसीसी ठेकों में से 130 ठेकों की सफल नीलामी हो चुक हैं और इनसे 1840 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त होगा।

पीएफआई पर अब डिजिटल स्ट्राइक

बंद होंगी सभी वेबसाइट और सोशल मीडिया अकाउंट्स

नई दिल्ली। कथित रूप से आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता के चलते 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) व उससे संबद्ध कई अन्य संगठनों पर पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया है। इस कड़े प्रतिबंध के बाद सरकार अब PFI व इससे जुड़े अन्य संगठनों पर डिजिटल स्ट्राइक कर रही है। मामले से परिचित लोगों ने कहा कि केंद्र ने इन संगठनों की वेबसाइटों और सोशल मीडिया अकाउंट को ब्लॉक करने के लिए एक टेकडाउन ऑर्डर जारी किया है। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि पीएफआई जैसे संगठन अपनी गतिविधियों का प्रचार न कर सकें।

सरकारी आदेश के तहत पीएफआई की आधिकारिक वेबसाइट, इसके ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम अकाउंट, यूट्यूब चैनल और अन्य सभी ऑनलाइन उपस्थिति को भी ब्लॉक किया जा रहा है। पीएफआई के अलावा, रिहैब इंडिया फाउंडेशन (आरआईएफ), कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई), अखिल भारतीय इमाम परिषद (एआईआईसी), नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन (एनसीएचआरओ), नेशनल वीमेन फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन और रिहैब फाउंडेशन (केरल) के भी सोशल मीडिया अकाउंट्स को स्थायी रूप से ब्लॉक किया जा रहा है और उनके द्वारा पोस्ट की गई सामग्री को हटाया जा रहा है।

खबर लिखे जाने तक, PFI, RIF, AIIC वेबसाइटों को पहले ही ब्लॉक कर दिया गया है। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अन्य केंद्रीय एजेंसियों के आदेश के बाद दूरसंचार विभाग मामले में तेजी से एक्शन ले रहा है। मामले से परिचित व्यक्ति ने कहा कि फेसबुक और ट्विटर सहित सोशल मीडिया कंपनियों को इन संगठनों के खातों या पीएफआई से संबंधित किसी भी सामग्री को हटाने के लिए लेटर भेजे जा रहे हैं।

एक 'गैरकानूनी संगठन' के रूप में, पीएफआई अब किसी भी आधिकारिक चैनल के माध्यम से कोई प्रेस बयान जारी नहीं कर पाएगा। इसके अलावा, मामले से परिचित एक दूसरे अधिकारी ने कहा कि पीएफआई, सीएफआई, आरआईएफ और अन्य सहयोगियों से जुड़े आधिकारिक व्हाट्सएप अकाउंट की भी निगरानी की जाएगी और किसी भी राष्ट्र विरोधी गतिविधि पर मुकदमा चलाया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि अगर पीएफआई या उसके किसी सहयोगी ने अपनी गतिविधियों के लिए कोई प्रॉक्सी सोशल मीडिया अकाउंट या वेबसाइट खोली है, तो उन्हें भी ब्लॉक किया जा सकता है।

सिन्हा ने कश्मीर में आईनॉक्स मल्टीप्लेक्स का किया उद्घाटन

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में पहली बार शोपियां और पुलवामा जिलों में एक-एक आईनॉक्स बहुउद्देशीय सिनेमा हॉल का उद्घाटन किया, जो तीन दशकों के बाद कश्मीर घाटी में सिनेमा संस्कृति के पुनरुद्धार का प्रतीक है।

कश्मीर में बड़ी तादाद में आतंकवादियों के खौफ के चलते यहां सिनेमा घरों को बंद कर दिया गया और यहां पर फिल्म फिल्माना का पहिया भी लगभग रुक ही गया था, जिससे फिल्म निर्माताओं और कलाकारों के सपनों, आशाओं और आंकाक्षाओं के फैले पंख सिमट गए थे लेकिन अब तीन दशकों के बाद घाटियों से आतंकवादियों का सफाया होने के बाद, कश्मीर का पहला मल्टीप्लेक्स तैयार है। सिन्हा ने उद्घाटन के अवसर पर कहा,नयी फिल्म नीति में स्थानीय युवाओं के लिए बहुत सारे रास्ते हैं और अगर वे छोटी फिल्में बनाएंगे तो उन्हें बहुत प्रोत्साहन मिलेगा और स्वरोजगार मिलेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म नीति का उद्देश्य इस क्षेत्र में फिल्म उद्योग के समूचे विकास को सुविधाजनक बनाना है, जिसमें फिल्म विकास परिषद की स्थापना और बंद सिनेमा हॉल के पुनरुद्धार के अलावा प्रतिभा पूल और सभी शूटिंग स्थलों के लिए वेबसाइट तक पहुंच प्रदान करना शामिल है।

उपराज्यपाल ने कहा कि अब कश्मीर में अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और यहां बड़े बैनरों को दोबारा फिल्म की शूटिंग करने का कई अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि सिनेमा विचारों को साझा करने का शक्तिशाली माध्यम है, जो सामाजिक मूल्यों और परिवर्तन को दर्शाता है। सिनेमा लोगों को एक साथ लाता है और लोगों के आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित करता है।

ओडिशा में एक करोड़ से अधिक के मादक पदार्थ जब्त

भुवनेश्वर। ओडिशा विशेष कार्यबल (एसटीएफ) की एक टीम ने पुलिस आयुक्तालय की मदद से भुवनेश्वर में जांच के दौरान एक ड्रग तस्कर को हिरासत में लिया और उसके कब्जे से एक करोड़ रुपये से अधिक की ब्राउन शुगर जब्त की।

एसटीएफ सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एसटीएफ सूत्रों ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर एसटीएफ की एक टीम ने आयुक्तालय पुलिस की मदद से मंगलवार को एयरफील्ड पुलिस स्टेशन, भुवनेश्वर के तहत सुंदरपाड़ा-जटनी रोड के किनारे छापेमारी की और एक मादक पदार्थ तस्कर को हिरासत में लिया। मादक पदार्थ तस्कर की पहचान भुवनेश्वर थाना क्षेत्र के निवासी के उमेश बेहरा के रूप हुई है।

उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान एक करोड़ रुपये से अधिक की प्रतिबंधित ब्राउन शुगर और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई।

आरोपी को हिरासत में लिया गया और उसे जिला एवं सत्र सह विशेष न्यायाधीश भुवनेश्वर की अदालत में भेजा गया।

इस संबंध में स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) 1985 की धारा 21(सी)/29 के तहत मामला दर्ज किया गया और आगे की जांच जारी है।

दिल्ली समेत तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों का होगा कायाकल्प

सरकार ने बताया 10 हजार करोड़ निवेश का प्लान

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को तीन बड़े फैसले लिए। इसमें रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प भी शामिल है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को जानकारी दी कि तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों - नई दिल्ली, अहमदाबाद और मुंबई के पुनर्विकास के लिए भारतीय रेलवे के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इस परियोजना में लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। इसके अतिरिक्त देश के 199 प्लेटफॉर्मों के कायाकल्प पर भी काम किया जा रहा है।

बुधवार को रेल मंत्री अश्विन वैष्णव ने जानकारी दी कि रेलवे स्टेशनों के एकीकृत को लेकर फैसले

लिए गए हैं। 199 रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प पर कार्य किया जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा कि इस महत्वकांक्षी परियोजना के तहत रेलवे स्टेशनों के प्लेटफार्म की जगह का विकास किया जाएगा। स्टेशन के लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इसमें 10 हजार करोड़ रुपये निवेश किया जाना है।

क्या है सरकार की प्लानिंग

केंद्र सरकार रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प की तरफ आगे बढ़ रही है। इसमें पहले चरण के तहत तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर फोकस किया गया है। जिसमें नई दिल्ली, अहमदाबाद और मुंबई रेलवे स्टेशन शामिल है। रेल मंत्री वैष्णव ने जानकारी दी कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में बसों, ऑटो और मेट्रो रेल सेवाओं के साथ ट्रेन सेवाओं को एकीकृत किया जाएगा।

वहीं, अहमदाबाद रेलवे स्टेशन का नया स्वरूप मोडेरा के सूर्य मंदिर से प्रेरित है। मुंबई के हेरिटेज भवन को छुआ नहीं जाएगा, लेकिन आसपास की इमारतों को फिर से विकसित किया जाएगा।

इसके पहले केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने घोषणा की कि केंद्रीय कैबिनेट ने अगले तीन महीनों के लिए पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) योजना का विस्तार करने का फैसला किया है। साथ ही केंद्र ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में भी 4 फीसदी की बढ़ोतरी की है।

यह वृद्धि सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। नवीनतम वृद्धि केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए 38 प्रतिशत के महंगाई भत्ते की राशि होगी।

राजस्व पुलिस व्यवस्था फिर निशाने पर, हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव से मांगा जवाब

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड में अंकिता हत्याकांड से प्रकाश में आयी राजस्व पुलिस (पटवारी) व्यवस्था एक बार फिर कठघरे में है और देहरादून की समाधान नामक गैर सरकारी संस्था ने इस पर सवाल उठाते हुए उच्च न्यायालय से राजस्व पुलिस व्यवस्था को खत्म करने और पहाड़ी क्षेत्रों को भी सिविल पुलिस के हवाले करने की मांग की है।

मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी की अगुवाई वाली पीठ ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर व्यक्तिगत रूप से तीन सप्ताह में जवाब देने को कहा है। अदालत की ओर से पूछा गया कि उच्च न्यायालय की ओर से वर्ष 2018 में दिये गये आदेश के अनुपालन के संबंध में क्या कदम उठाये गये हैं?

देहरादून जाखन स्थित गैर सरकारी संस्था की ओर से याचिका दायर कर कहा गया कि उच्च न्यायालय की ओर से 12 जनवरी 2018 को एक आदेश जारी कर प्रदेश में राजस्व पुलिस व्यवस्था को खत्म कर पूरी तरह से सिविल पुलिस व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिये थे। अदालत ने आदेश जारी होने की तिथि से छह माह के अंदर इसे लागू करने को कहा था।

याचिकाकर्ता की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि सरकार की ओर से इस मामले में कोई कदम नहीं उठाया गया है। राजस्व पुलिस को प्रदेश की राजस्व संबंधी कामकाम के साथ ही कानून व्यवस्था संभालने की भी जिम्मेदारी सौंपी गयी है। राजस्व पुलिस सिविल पुलिस की तरह उचित रूप से प्रशिक्षित नहीं होती है और न ही उसे आपराधिक व कानूनी जानकारी उपलब्ध करायी जाती है।

प्रदेश की कुल आबादी 10,86,292 है और इस आबादी पर मात्र 156 थाना मौजूद हैं। इसप्रकार 64,665 लोगों पर मात्र एक थाना उपलब्ध है। याचिकाकर्ता की ओर से राजस्व पुलिस पहाड़ी क्षेत्रों में कानून व्यवस्था संभालने में सक्षम नहीं है। ऋषिकेश के अंकिता हत्याकांड का हवाला देते हुए कहा गया कि घटना राजस्व पुलिस क्षेत्र में होने के चलते तत्काल उचित कार्यवाही नहीं हो पायी।

भगत सिंह के सपनों का भारत निर्माण करने की जरूरत

अमृतसर। पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ने शहीद भगत सिंह की 115वीं जयंती पर श्रद्धांजलि भेंट करते हुए कहा कि आज शहीद भगत सिंह के सपनों के भारत निर्माण की जरूरत है। इस अवसर पर उपायुक्त हरप्रीत सिंह सूदन, पुलिस आयुक्त अरुणपाल सिंह, सहित बड़ी संख्या में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि दी। सिंह ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि आज की मुख्य आवश्यकता शहीद-ए-आजम श्री भगत सिंह के पदचिन्हों पर चलकर उनके सपनों का भारत बनाना है, जिसमें एक समानतापूर्क समाज, भ्रष्टाचार मुक्त स्वतंत्र प्रशासन और उनके विचारों पर अमल करने से ही स्वस्थ भारत की स्थापना हो सकती है।

भारत जोड़ो यात्रा में भारी संख्या में लोग जुटे

मलप्पुरम (केरल)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा के 21 वें दिन बुधवार को यहां पांडिकड से भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और आम लोग जुटे। केरल में चल रही इस यात्रा का यह 18वां दिन है यह सुबह 10.30 बजे वंदूर में रुकेगी और शाम 5 बजे फिर से शुरू होकर शाम 7 बजे मलप्पुरम के नीलांबुर पहुंचेगी। मंगलवार शाम को एक जनसभा में बोलते हुए राहुल ने कहा, भारत की महिलाएं हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। लेकिन भाजपा द्वारा उनके साथ वस्तु जैसा व्यवहार किया जा रहा है। सबसे घृणित उदाहरण उत्तराखंड में अंकिता की हत्या है। भाजपा के मुख्यमंत्री ने सभी सबूतों को कुचल दिया। आरोपियों की रक्षा के लिए। हम भाजपा को महिलाओं के साथ दूसरे दर्जे के नागरिक के रूप में व्यवहार करने की अनुमति नहीं देंगे। राज्य में 19 दिनों में यात्रा एक अक्टूबर को कर्नाटक में शुरू होने से पहले, 450 किलोमीटर से अधिक की दूरी और सात जिलों मे होकर गुजरेगी। भारत जोड़ो यात्रा पांच महीने की है जो कन्याकुमारी से श्रीनगर तक 3,500 किलोमीटर से अधिक लंबी पैदल यात्रा है। यह सामाजिक ध्रुवीकरण, आर्थिक असमानताओं और राजनीतिक केंद्रीकरण को उजागर करने के उद्देश्य से पार्टी के राष्ट्रीय जन संपर्क कार्यक्रम का हिस्सा है।

कनाडा के लखबीर लंडा गैंग का गैंगस्टर बिहार से गिरफ़्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने कनाडा स्थित गैंगस्टर लखबीर सिंह उर्फ लंडा गिरोह के एक गुर्गे को बिहार से हत्या, हत्या की कोशिश, हमला करने और लूटपाट से सम्बन्धित कई घृणित अपराधों में शामिल होने के आरोप में गिरफ़्तार किया है।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने यह जानकारी बुधवार को यहाँ दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किये गए गैंगस्टर की पहचान अमृतसर के करन मलिक उर्फ करन मान के तौर पर हुई है जो एसआई की कार के नीचे आईईडी लगाने के मामले में मुख्य दोषी और कनाडा स्थित गैंगस्टर लखबीर लंडा के साथी युवराज सबरवाल उर्फ यश का करीबी बताया जाता है। करन मलिक का पुराना अपराधिक रिकार्ड है और वह पंजाब पुलिस को वांछित है।

यादव ने बताया कि गैंगस्टर करन मलिक के बिहार के ज़िला जमुई में किसी जगह पनाह लेने की सूचना मिलने के बाद, पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) की टीम ने केंद्रीय एजेंसियों और बिहार पुलिस के साथ सांझा आपरेशन में तलाशी शुरू की और बिहार के ज़िला जमुई के दरीमा गांव में आरोपी को काबू करने में सफल रही।

उन्होंने बताया कि दोषी करन मलिक ने अपने साथियों के साथ मिल कर जुलाई 2021 में एक लड़ाई के दौरान करन नाम के व्यक्ति का कत्ल कर दिया था।

छत्तीसगढ़ में अब तक लम्पी स्कीन रोग का कोई भी मामला नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पशु लम्पी स्किन रोग का अब तक कोई भी मामला सामने नहीं आया है। एलएसडी प्रभारी डॉ शर्तिया ने आज यहां बताया कि राज्य में 8.20 लाख पशु टीकाकरण के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 3.67 लाख पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है।उन्होने बताया कि कई राज्यों में पशुओं में लम्पी स्कीन रोग का मामला आते ही छत्तीसगढ़ में पशुओं को इस रोग से बचाने के लिए एहतियात के तौर पर आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए गए थे। छत्तीसगढ़ के 18 जिलों की सीमाए अन्य राज्यों से जुड़ी हुई है,जहां से बीमार पशुओं के आवागमन पर रोक लगाने लिए 85 सीमावर्ती ग्रामों में चेक पोस्ट स्थापित कर निगरानी रखी जा रही है।

कांग्रेस व भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू : मान

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सदन में विश्वास प्रस्ताव लाना इस कारण ज़रूरी था क्योंकि कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं तथा दोनों पार्टियों ने राज्य की चुनी हुई सरकार को तोड़ने के लिए हाथ मिलाया है।

विश्वास प्रस्ताव पेश करते हुये सदन के नेता ने कहा कि भाजपा देश भर में पिछले दरवाजे से अपनी सरकारें बनाने के लिए दल-बदल विरोधी कानून का इस्तेमाल नये हथियार के तौर पर कर रही है और बदकिस्मती से कांग्रेस इसकी हिमायत कर रही है जो भाजपा से सबसे ज्यादा पीड़ित रही है।

मान ने कहा कि भाजपा ने विधायकों को लुभा कर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और अन्य राज्यों में चुनी हुई सरकारें भंग की हैं। दिल्ली में तीन बार सरकार भंग करने की कोशिशें की गई और अब पंजाब में पैसों से विधायकों को खरीदने की कोशिशें हो रही हैं। भाजपा राज्य में सत्ता हासिल की मृग तृष्णा के पीछे भाग रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लीडरशिप ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू की है लेकिन इस यात्रा के दौरान गुजरात और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों को जानबूझ कर दूर रखा गया है जिससे मतदान में भाजपा को लाभ दिया जा सके। आम आदमी पार्टी ने राजनीति में लोक भलाई का नया एजेंडा स्थापित किया है। यह आम आदमी पार्टी का प्रभाव है कि जो नेता लोगों को बाँटते थे वे अब स्कूलों, कालेजों और अस्पतालों के उद्घाटन करते नज़र आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अब भाजपा में दल-बदलू राज कर रहे हैं और पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने अब औपचारिक तौर पर भाजपा का पल्ला पकड़ लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी पर निशाना साधते हुये उन्होंने कहा कि यह पहली दफ़ा हुआ है कि मतदान में हार के बाद किसी पार्टी का मुख्यमंत्री का चेहरा ही गायब हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी के कार्यकाल में हुई अनियमितताओं के कारण ही वह अब गायब हैं।

मोदी ने इटली चुनाव में जीत पर मेलोनी को दी बधाई, मेलोनी ने सहयोग का दिया भरोसा

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इटली के आम चुनावों में फ्रेटेली डीइटालिया पार्टी की विजय पर इस पार्टी की नेता जियोर्जिया मेलोनी को बधाई दी है। सुश्री मेलोनी ने श्री मोदी को आश्वासन दिया है कि वह अंतरार्ष्ट्रीय स्तर पर उनकी सरकार के साथ सहयोग के लिए तैयार हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, इटली के आम चुनावों में अपनी पार्टी ञ्चफ्रेटेली डी%इटालिया को जीत दिलाने के लिए ञ्चजियोर्जिया मेलोनी को बधाई। अपने संबंधों को मजबूत

करने के लिए हम साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। इसके जवाब में इटली की नेता ने ट्वीटर पर कहा,बहुत धन्यवादञ्चनरेंद्र मोदी! अंतरराष्ट्रीय स्थिरता और अन्य सभी वैश्विक चुनौतियों पर आपके और आपकी सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

इस जीत के साथ जियोर्जिया मेलोनी इटली की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं।

उनकी सरकार द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वहां की पहली दक्षिणपंथी सरकार होगी। उनकी पार्टी को लगभग 25 प्रतिशत वोट मिले हैं।

जॉर्जिया मेलोनी के पिता ने उनके जन्म के बाद ही उनकी मां को छोड़ दिया था और उनका लालन पालन उनकी मां ने अकेले किया। राजनीति में सुश्री मेलोनी का औपचारिक प्रवेश 21 साल की उम्र में हुआ, जब उन्होंने अपना पहला स्थानीय चुनाव जीता। वह 15 साल की उम्र में बदनाम फासीवादी तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी के समर्थकों द्वारा बनाए गए इतालवी सामाजिक आंदोलन (एमएसआई) में शामिल हो गई थीं।एमएसआई का 1990 के दशक के मध्य में पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी द्वारा बनाए गए एक मुख्यधारा के रूढ़िवादी समूह के साथ विलय कर दिया गया। वर्ष 2012 में, मेलोनी ने समूह छोड़ दिया और कुछ अन्य नेताओं के साथ अपनी नयी पार्टी शुरू की। वह अपनी पार्टी को अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी और ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी जैसा संगठन बताती हैं।

गहलोत ने बयाना में अण्डरपास निर्माण के लिए 11 करोड़ की मंजूरी दी

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भरतपुर जिले के बयाना में अण्डरपास निर्माण के लिए 11 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रावधान को मंजूरी दी है।

गहलोत ने साथ ही 22 लाख रुपए (दो प्रतिशत राशि) रेलवे को योजना एवं अनुमान शुल्क के रुप में दिए जाने की स्वीकृति भी दी। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद अण्डरपास निर्माण का कार्य जल्द शुरु होकर समय पर पूरा हो सकेगा। अण्डरपास निर्माण से बयाना नगरपालिका के साथ आस पास पास की 18 ग्राम पंचायतों एवं लगभग 60 गांवों के स्थानीय लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी तथा समय की बचत होगी।

उल्लेखनीय है कि श्री गहलोत ने वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में आरयूबी/अण्डरपास बनाने की घोषणा की थी। इसी घोषणा के क्रम में मुख्यमंत्री द्वारा यह स्वीकृति दी गई है।

प्रतिभा का पर्याय नहीं है अंग्रेजी: प्रो. जोशी

हिंदी पखवाड़े के अवसर पर भारतीय जन संचार संस्थान में संगोष्ठी का आयोजन

आनंद राय/गौरवशाली भारत

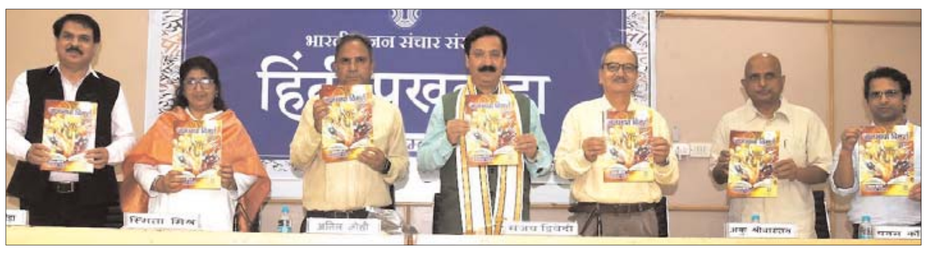

नई दिल्ली। भाषाओं के माध्यम से ही देश का विकास संभव है। आज भारत में अंग्रेजी को प्रतिभा का पर्याय मान लिया गया है। अगर हम ऐसे शीर्ष 20 देशों की बात करें, जिनका सकल घरेलू उत्पाद और विकास दर सबसे ज्यादा है, तो आपको जानकर हैरानी होगी कि इन 20 में से 16 देशों में अंग्रेजी नहीं, बल्कि उनकी मातृभाषा में पढ़ाई होती है। यह विचार केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के अध्यक्ष प्रो. अनिल जोशी ने हिंदी पखवाड़े के अवसर पर भारतीय जन संचार संस्थान द्वारा मीडिया की हिंदी और हिंदी का मीडिया विषय पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी ने की। इस अवसर पर नवोदय टाइम्स के संपादक श्री अकु श्रीवास्तव, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज की प्रोफेसर स्मिता मिश्र एवं पीजीडीएवी कॉलेज के प्रो. हरीश अरोड़ा भी उपस्थित रहे।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में विचार व्यक्त करते हुए प्रो. जोशी ने कहा कि एक दशक पहले देश में सर्वाधिक पढ़े जाने वाले अखबार अंग्रेजी के थे, लेकिन आज ये स्थान हिंदी को मिला हुआ है। देश में रोजगार का सबसे बड़ा क्षेत्र हिंदी मीडिया है। फिर आखिर हमें हिंदी मीडिया या मीडिया की हिंदी पर चर्चा करने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी मीडिया को मौलिक चिंतन की आवश्यकता है। हिंदी को रोजगार से जोड़ते हुए भाषा संबंधी रुकावट को पार करना आवश्यक है।

प्रो. जोशी के अनुसार एक वक्त था जब भारतीय भाषाओं में प्रतिस्पर्धा की भावना थी, लेकिन वर्तमान शिक्षा नीति इसे बदलने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज भी इंटरनेट पर अधिकांश जानकारी अंग्रेजी में ही उपलब्ध है। इस दिशा में अनुवाद बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है। हिंदी को राजभाषा, संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा और विश्व भाषा बनाने में अनुवाद का महत्वपूर्ण योगदान है।

माताएं और भाषाएं अपने बच्चों से सम्मानित होती हैं : प्रो. द्विवेदी

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी ने कहा कि माताएं और भाषाएं अपने बच्चों से सम्मानित होती हैं। भारत में जितनी भी भारतीय भाषाएं हैं, वे सभी राष्ट्र भाषाएं हैं, लेकिन हिंदी संपर्क भाषा और राजभाषा है।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष आईआईएमसी ने अपने पुस्तकालय का नाम पं. युगल किशोर शुक्ल के नाम पर रखा। यह हमारे लिए बड़े गर्व का विषय है कि हिंदी पत्रकारिता के प्रवर्तक पं. युगल किशोर शुक्ल के नाम पर यह देश का पहला स्मारक है। प्रो. द्विवेदी के अनुसार हिंदी और भारतीय भाषाओं का यह स्वर्णिम युग है। हिंदी सभी को साथ लेकर चलने वाली भाषा है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर में मातृभाषा का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

संस्कृति से ही बचेगी भाषा : श्रीवास्तव

संगोष्ठी को मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित करते हुए नवोदय टाइम्स के संपादक श्री अकु श्रीवास्तव ने कहा कि अगर हमें भाषा को बचाना है, तो पहले संस्कृति को बचाना होगा। बच्चों को भाषा के संस्कार देने होंगे। उन्होंने कहा कि मीडिया में हिंदी की चिंताएं अधिकतर क्षेत्रीय हैं। ये चिंता दिल्ली की ज्यादा है, लेकिन मध्य प्रदेश या राजस्थान की ये चिंता नहीं है। हम हिंदी के नए शब्द गढ़ना भूल रहे हैं, ये हमारी सबसे बड़ी चुनौती है। इसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

यूनीकोड के आने से हुई भाषाई क्रांति: प्रो. मिश्र

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज की प्रो. स्मिता मिश्र ने कहा कि मीडिया की हिंदी और हिंदी का मीडिया में जो एक चीज समान है, वह है भाषा। गणेश शंकर विद्यार्थी ने कहा था कि अगर देश आजाद हो भी जाए, तो भी भाषा गुलाम हो सकती है, लेकिन अगर भाषा आजाद रहेगी, तो देश कभी गुलाम नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि यूनीकोड के आने से हुई भाषाई क्रांति ने भाषा की दीवारों को तोड़ दिया है और उपभोक्ता को अपनी भाषा में कंटेंट बनाने की सुविधा उपलब्ध कराई है। पहले समाचार पत्र लेखकों से अप्रकाशित आलेख मांगते थे, लेकिन अब वही अखबार ब्लॉग या सोशल मीडिया पर प्रकाशित लेखों को प्रकाशित कर रहे हैं।

राष्ट्र की पहचान का प्रतिमान है भाषा : प्रो. अरोड़ा

पीजीडीएवी कॉलेज के प्रो. हरीश अरोड़ा ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की पहचान का प्रतिमान भाषा भी होती है। हिंदी को जानने वाले आज संपूर्ण विश्व में हैं।

भाषा सांस्कृतिक परिदृश्य से निकलकर सामने आती है। जब हम किसी भाषा को स्थिरता प्रदान कर देते हैं, तो वह जड़ हो जाती है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा में जिस तरह बदलाव होते चले आ रहे हैं, उसी तरह मीडिया में भी बदलाव हो रहे हैं। वर्तमान में सोशल मीडिया की भाषा प्रिंट और टीवी की भाषा से बिल्कुल अलग है, लेकिन इसने हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन संस्थान के डीन अकादमिक प्रो. (डॉ.) गोविंद सिंह ने किया। मंच संचालन डॉ. पवन कौंडल ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रतिभा शर्मा ने दिया। संगोष्ठी में भारतीय जन संचार संस्थान के प्राध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

दिल्ली के ऐतिहासिक कुदसिया बाग में शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जन्मदिवस पर प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

भगत सिंह के जीवन से सीखने और राष्ट्र के लिए उनके प्रयासों के महत्व को गहराई से समझने के लिए इस प्रदर्शनी को जरुर देखने आए लोग

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बुधवार को शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर कश्मीरी गेट स्थित दिल्ली की प्राचीन ऐतिहासिक धरोहर कुदसिया बाग़ में कला, संस्कृति व भाषा विभाग द्वारा आयोजित शहीद भगत सिंह जी के जीवन वृतांत पर आधारित 'मेकिंग ऑफ़ ए रेवोलुशनरी' नामक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस मौके पर श्री सिसोदिया ने कहा कि भगत सिंह का पूरा जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। चाहे उनका बाल्यकाल हो, उनकी स्कूल-कॉलेज के दिनों की क्रांतिकारी गतिविधिया हो या फिर देश की आजादी के लिए हँसते-हँसते फांसी के फंदे से झूल जाना। वह हर वृतांत हमें देशभक्ति के भाव से भर देता है और देश के लिए कुछ कर गुजरने की प्रेरणा देता है। सिसोदिया ने कहा कि 23 साल की छोटी उम्र में आज जब युवा नौकरी ढूंढने, करियर बनाने को लेकर सोच रहे होते है उस दौर में शहीद भगत सिंह के क्रांतिकारी प्रयासों और देश के लिए बलिदान ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को दिशा और गति प्रदान की। यही कारण है कि आज वे सभी व्यक्ति जिनके अंदर देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा है, भगत सिंह उन सभी के प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि लोगों को भगत सिंह के जीवन से सीखने और राष्ट्र के लिए उनके प्रयासों के महत्व को गहराई से समझने में मदद करने के लिए इस अगले एक महीने के लिए इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि लोग अपने दोस्तों-परिवार के साथ यहां आए और न केवल इस प्रदर्शनी को देखे व भगत सिंह जी की जीवन से सीख ले बल्कि दिल्ली के इतिहास धरोहर कुदसिया बाग़ में भी घुमने का लुत्फ़ उठाये।

इस प्रदर्शनी में भगत सिंह के जन्म वर्ष 1907 से लेकर 1931 में उनकी मृत्यु तक के जीवन, इतिहास और घटनाओं को चार भागों में प्रदर्शित किया गया। पहले भाग में सरदार भगत सिंह के जन्म व उससे जुड़े स्थान, उनके परिवार, उनके विद्यालय आदि के बारे में अवगत कराया गया है। दूसरे भाग में भगत सिंह के क्रांतिकारी विचारों के आरंभ के बारे में दर्शाया गया है कि किस प्रकार बचपन से ही भगत सिंह ब्रिटिश राज के अत्याचारों के खिलाफ अपने दिल में बदले की भावना के बीज बो रहे थे। तीसरे भाग में दिल्ली की केन्द्रीय विधान सभा अर्थात् आज के संसद भवन में 8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह द्वारा फेंके गए बम और उससे संबंधित दस्तावेजों को प्रदर्शित किया गया है। अंतिम भाग में भगत सिंह और उनके साथी राजगुरु तथा सुखदेव के हृदयविदारक फांसी के दृश्य को दर्शाते हुए शहीद भगत सिंह के त्याग, बलिदान और समर्पण व देश पर मर मिटने के जज्बे को सलामी दी गई है। प्रदर्शनी के निरंतरता में एक नुक्कड़ नाटक भी दिखाया गया जब भगत सिंह जेल में थे तब कैसे वे एक सफाई कर्मचारी को सभी जात-पात के बंधनों को तोड़कर अपनी बेबे के समान प्यार और सम्मान देते थे।

यह नि:शुल्क प्रदर्शनी जन सामान्य के 28 सितम्बर 2022 से 27 अक्टूबर 2022 समय सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक खुली हुई है। सरदार से शहीद बनने की इस कहानी को अभिलेखों और तकनीक के माध्यम से जिस प्रकार बारादरी की दीवारों पर उकेरा गया है वह देखने लायक है।

गुजरात और हिमाचल प्रदेश के सफाई कर्मचारियों को गुमराह कर रहे केजरीवाल

नई दिल्ली। पूर्व विधायक, उपाध्यक्ष DPCC जयकिशन ने यहां जारी एक ब्यान में कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली के सफाई कर्मचारियों को गुमराह करके सत्ता हथियाने के बाद अब गुजरात और हिमाचल प्रदेश के सफाई कर्मचारियों को गुमराह करके सत्ता में आने का ख्वाब कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिल्ली के सफाई कर्मचारियों की अवहेलना करके गुजरात के सफाई कर्मचारियों को अपने घर पर बुलाकर खाना खिलाने के विरोध में दिल्ली के सफाई कर्मचारी अपने नेताओं के साथ आज खाना खाने व अपना 3 माह का वेतन लेने के लिए आज मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचें । उन्होंने देश व दिल्ली के सफाई कर्मचारियों से अपील की कि वे झूठे मुख्यमंत्री केजरीवाल के बहकावे में ना आए ये ऐसे सीएम हैं जिन्होंने हमेशा दलितों का शोषण किया है । उन्होंने कहा कि जब दलित महिलाओं के साथ अन्याय बलात्कार हो रहे थे चाहे वो हाथरस कांड, दिल्ली कैंट, त्रिलोकपुरी, सुल्तानपुरी, आदि में हो तो केजरीवाल किसी के घर नहीं पहुंचे और ना ही किसी को आर्थिक मदद की इससे पता चलता है कि केजरीवाल केवल सत्ता में आने के लिए दलितों सफाई कर्मचारियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में रहते हुए भी केजरीवाल ने दिल्ली के सफाई कर्मचारियों का गला घोट रखा ये कर्मचारी दिल्ली नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, सीवर विभाग, के हो या सिंचाई विभाग के हो यही हाल दिल्ली नगर निगम में भाजपा का है उन्होंने कहा कि जितनी दुर्गति दिल्ली में केजरीवाल ने सफाई कर्मचारियों की की है वहीं साजिश गुजरात के सफाई कर्मचारियों के खिलाफ रच रहा है कभी उन्हें अपने घर पर बुलाकर भोजन करवा रहा हैं कभी उनके घर जा रहा हैं। श्री जयकिशन ने कहा कि केजरीवाल ने सफाई कर्मचारी की कॉविड के दौरान मृत्यु होने पर एक करोड की आर्थिक मदद करने की घोषणा करने के बावजूद 40 से 45 सफाई कर्मचारियों की मृत्यु की हुई किसी भी कर्मचारी के परिवार को एक रूपये की भी आर्थिक मदद नहीं की ।

शार्ट न्यूज

एनएचपीसी द्वारा 'वन महोत्सव 2022' के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

फरीदाबाद। एनएचपीसी द्वारा 'वन महोत्सव 2022' का आयोजन फरीदाबाद में दिनांक 28.09.2022 को किया गया है। इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ श्री आर.पी. गोयल, निदेशक (वित्त), श्री बिश्वजीत बासु, निदेशक (परियोजनाएं), डॉ. तृप्ता ठाकुर, महानिदेशक (राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान) एवं एनएचपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण कर के किया गया। साथ में, एनएचपीसी के स्वतंत्र निदेशकगण डॉ उदय सखाराम निर्गुडकर, प्रो. (डॉ) अमित कंसल, प्रो. (डॉ) रश्मि शर्मा रावल, श्री जीजी जोसफ द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रजातियों यथा सागवान, नीम, गुलमोहर के कुल 100 पौधे एनएचपीसी व एनपीटीआई कार्यालय परिसर के गेट के निकट लगाए गए।

स्वाभिमान देश के (संगठन) द्वारा 'स्वाभिमान सेना' का गठन

नई दिल्ली। बदरपुर विधानसभा क्षेत्र में बढ़ रही महिलाओं तथा बहन बेटियों के प्रति बढ़ रही आपराधिक घटनाओं से क्षुब्ध होकर स्वाभिमान देश का संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बिधूड़ी ने शहीद-ए - आजम भगत सिंह की जयंती पर तथा नवरात्रि के पावन अवसर पर बहन बेटी की सुरक्षा का संकल्प लेते हुए स्वाभिमान सेना का गठन किया स्वाभिमान सेना स्वाभिमान देश के संगठन का एक अंग है जो बहन बेटियों की सुरक्षा के लिए संकल्पबध है । इस सेना के सभी साथी स्कूलों की छुट्टी के समय असामाजिक तत्वों को प्रशासन के साथ मिलकर रोकने का प्रयत्न करेंगे और बहन बेटियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करेंगे। आज इसकी शुरुआत मोड बंद स्कूल से की गई सभी बहनों ने सेना के सभी साथियों को तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह बिधूड़ी जी को रक्षा सूत्र बांधकर अपनी सुरक्षा का संकल्प दिया।

दिल्ली में यमुना के जलस्तर में गिरावट, पर अब भी खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली। हरियाणा द्वारा यमुनानगर में हथिनीकुंड बैराज से पानी का बहाव किए जाने के साथ ही दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान 206 मीटर से भी ऊपर जाने के बाद अब घटने लगा है । अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि अगले दो से तीन दिन में यमुना का जलस्तर और कम होगा क्योंकि दिल्ली तथा नदी के जल संचय क्षेत्र में ज्यादा बारिश नहीं हो रही है। दिल्ली में मंगलवार को यमुना में बाढ़ आ गई थी जिसके कारण निचले इलाकों में रहने वाले लगभग साढ़े छह हजार लोगों को निकालने के साथ ही पुराने यमुना पुल पर रेल यातायात निलंबित करना पड़ा था। नदी में सुबह सात बजे पानी का स्तर 206.59 मीटर तक बढ़ गया था जो कि खतरे के निशान (205.33 मीटर) से अधिक था और अगस्त 2019 के बाद से अब तक का सबसे ऊंचा स्तर था। नदी में पानी का स्तर सुबह आठ बजे घटकर 206.58 मीटर रह गया। इसके बाद अपराह्न तीन बजे यमुना के जलस्तर में और गिरावट आई तथा वह घटकर 206.41 मीटर पर आ गया। केंद्रीय जल आयोग द्वारा जारी एक पूर्वानुमान में कहा गया है कि रात नौ बजे तक जल स्तर गिरकर 206.05 मीटर तक जाने का अनुमान है।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने शहीद भगत सिंह के जन्म दिवस पर ब्लड डोनेशन कैंप की शुरूआत की

दिल्ली में 73 जगहों पर लगे कैंप, लोगों में दिखा उत्साह

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने शहीद भगत सिंह के जन्म दिवस पर आज ब्लड डोनेशन कैंप की शुरूआत की। इस अवसर पर दिल्ली में 73 जगहों पर रक्तदान शिविर लगाए गए, जहां लोगों में भारी उत्साह देखा गया। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि शहीद भगत सिंह 23 साल की उम्र में फांसी पर लटक गए। तब से लेकर आज तक उन्होंने युवाओं को खूब प्रेरित किया। हम लोगों ने पहली बार ब्लड डोनेशन कैंप से शहीद भगत सिंह का जन्म दिवस मनाने की शुरूआत की है। हम लोगों को इस तरह का कैंपेने चलाना चाहिए जिससे कि लगातार पूरे साल लोग रक्तदान के लिए प्रेरित होते रहें। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर हमने अगले पांच साल में शिक्षा व स्वास्थ्य को अच्छा कर दिया, तो नेताओं की जरूरत नहीं पड़ेगी। लोग ही अपने देश को बहुत आगे ले जाएंगे। दिल्ली में पांच साल में स्कूल और अस्पताल ठीक हो गए, तो देश भर में भी ठीक हो सकते हैं। हम सब 130 करोड़ भारतीयों को एक साथ मिलकर भगत सिंह के सपनों का भारत बनाना है और भारत को दुनिया का नंबर-1 देश बनाना है।

दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में आज शहीद भगत सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने दीप जलाकर इसकी विधिवत शुरुआत की। इस अवसर पर दिल्ली सरकार की तरफ से पूरी दिल्ली में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। स्टेट ब्लड सेल की सीमा कपूर ने ब्लड डोनेशन कैंप अभियान का संक्षिप्त परिचय दिया। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल के साथ उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, विधायक आतिशी, स्वास्थ्य सचिव अमित सिंगला समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

ब्लड डोनेशन पुण्य का काम भी है और देशभक्ति भी है : अरविंद केजरीवाल

सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जन्म दिवस की देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि एलएनजेपी की पूरी टीम को कोरोना काल के दौरान बेहद शानदार काम किया। कई सारे ऐसे क्षेत्र हैं, जिसमें एलएनजेपी अस्पताल दिल्ली ही नहीं, पूरे देश में नंबर वन था। कोरोना काल के दौरान एलएनजेपी ने प्रेग्नेंसी भी सबसे ज्यादा हैंडल की थी। साथ ही, डॉयलसिस की जरूरत पड़ने पर उसका भी इंतजाम किया। कोरोना के दौरान सभी डॉक्टर, नर्सेंज और पैरामेडिक्स स्टॉफ ने अपनी जान दांव पर लगाकर शानदार काम किया। उन्होंने कहा कि आज हम लोग शहीद भगत सिंह का जन्म दिवस मना रहे हैं। उनका जीवन बहुत प्रेरणादायी है। मात्र 23 साल की उम्र में वो फांसी पर लटक गए। तब से लेकर आज तक उन्होंने इस देश के युवाओं को खूब प्रेरित किया। जब हम शहीद भगत सिंह की शहादत के बारे में पढ़ते और सुनते हैं, तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। ब्लड डोनेशन पुण्य का काम भी है और देशभक्ति भी है। हम लोगों ने पहली बार ब्लड डोनेशन कैंप से शहीद भगत सिंह का जन्म दिवस मनाने की शुरूआत की है। पूरी दिल्ली में करीब 73 जगहों पर ब्लड डोनेशन कैंप लगाए गए हैं। यह एक शुरूआत है। अगले साल इसको और भव्य तरीके से किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद के अध्यक्ष शैलेन्द्र मिश्र ने सौंपा मंत्री कैलाश चौधरी को ज्ञापन

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद के अध्यक्ष शैलेन्द्र मिश्र ने भारत सरकार में कृषि राज्य एवं किसान कल्याण मंत्रालय में मंत्री कैलाश चौधरी से मुलाकात कर बैठक किया एवं ज्ञापन दिया जिसमे बिहार के मिथिला क्षेत्र जिला मधुबनी ,दरभंगा ,सीतामढ़ी ,सुपौल ,मधेपुरा ,पूर्णिया सहरसा ,समस्तीपुर को सुखा घोषित किये जाने की मांग की। ज्ञापन में जानकारी दी गयी कि सम्बंधित क्षेत्रों में फसल कुछ भी नहीं है। इसके अलावा ज्ञापन में मधुबनी जिला के झंझारपुर एवं दरभंगा में कृषि विशवविदयलय बनाने की मांग की गई एवं अध्यक्ष जी ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि के दायरे में देश का प्रत्येक किसान आ चुका है। लेकिन इसका लाभ अभी तक मिथिला के क्षेत्र मधुबनी दरभंगा में और कई जिले है उनको नही मिला है, इसको जल्द लागू किये जाने एवं जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण घरों में पीने का शुद्ध पानी पाइप द्वारा दिए जाने हेतु वार्तालाप हुई। इस कार्य को मिथिला के सभी जिला में चालू किया जाने एवं मिथिला के मधुबनी के झंझारपुर में डी. ए.पीएवं यूरिया खाद का सरकारी गोदाम खोली जाने के बारे में भी चर्चा हुई। मंत्री जी ने सभी मांगो को संज्ञान में लिया और जल्द से जल्द कार्यवाय करने का आश्वाशन दिया।

गलगोटिया में विद्यार्थियों के योगा सैशन से हुई पॉलिटैक्निक के नये-सत्र की शुरुआत

नोएडा। गलगोटिया विश्वविद्यालय के पॉलिटैक्निक विभाग के नये-सत्र 2022-23 की शुरुआत विद्यार्थियों के योगा सैशन से की गयी। पॉलिटैक्निक के प्रिंसिपल मोहित गहरवार ने कहा कि निरोगी और स्वस्थ जीवन जीने के लिये योग एक महाविद्या है। देश की युवा पीढ़ी को विशेष रूप से विद्यार्थियों को अपने जीवन में योगा को अवश्य अपनाना चाहिए। ग्रेटर नौएडा की प्रसिद्ध संस्थान के योग गुरू प्रवीन गुप्ता जी ने विद्यार्थियों को योग की महान विधाओं के बारे में बारीकी से बताया और योग आसनों को विद्यार्थियों से करवाया। कार्यक्रम के संयोजक भगवत प्रशाद शर्मा ने कहा कि आज की भगा दौड और तनाव भरी ज़िंदगी में योगा एक महाऔषिधि है। इसलिए ही आज पूरे विश्व ने योग को अपनाया है। योग गुरू प्रवीन गुप्ता जी को सभी फ़ैकल्टी मैम्बर और विद्यार्थियों ने गुलदस्ता देकर और दुपट्टा पहना कर सम्मानित किया। इस अवसर पर डा0 मीनाक्षी मैम, देवेश शर्मा, राजीव शर्मा, रासशिद खान, सिद्धार्थ सर, राजबाला मैम, सौनम मैम, नूतन गुसाँई, प्रीति सिंह सुशील कुमार नासिर इकबाल पंकज श्रीवास्तव, गौत्तम सर, बी0 एम0 सर, रामलखन सर, अमित महाजन, नरेश सर, सुरेंद्र सर, अनुज सर विशेष रूप से मौजूद रहे।

डीयू विधि संकाय एवं NALSA के सहयोग से सम्मेलन का आयोजन 29 से

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल रहेंगे उपस्थित

नई दिल्ली, 28 सितंबर। दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा भारतीय सर्वोच्च न्यायालय की राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण के सहयोग से एक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कानूनी प्रणाली और शिक्षा का भारतीयकरण विषय पर होने वाले इस सम्मेलन का आयोजन 29 और 30 सितंबर को दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस रीगल लॉज के कन्वेंशन हॉल में किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल सम्मानित अतिथि होंगे। सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता समारोह के विशिष्ट अतिथि होंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह करेंगे। इस दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र 29 सितंबर को शाम 5:00 बजे आयोजित होगा।

कार्यक्रम के दूसरे दिन 30 सितंबर को, ऑनलाइन तकनीकी सत्र होंगे जिनमें जनता की जरूरतों को पूरा करने वाली अत्यधिक समावेशी कानूनी प्रणाली की दिशा में एक प्रणालीगत परिवर्तन को चिह्नित करने के प्रयासों पर विचार-विमर्श होगा।

कानूनी और नौकरशाही से जुड़ी सम्मानित हस्तियां जैसे कि जस्टिस राजेंद्र मेनन (अध्यक्ष, सशस्त्र बल न्यायाधिकरण, पूर्व मुख्य न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय), एनएचआरसी सदस्य एवं जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एम.एम. कुमार, सामाजिक विचारक अतुल कोठारी, पद्म भूषण प्रोफेसर वेद पी. नंदा, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जॉन इवांस और डेनवर विश्वविद्यालय, यूएसए के कानून के प्रोफेसर थॉम्पसन जी. मार्श, राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के न्यायिक सदस्य जस्टिस करुणा नंद बाजपेयी, अनंत लॉ के पार्टनर राहुल गोयल, हरीश साल्वे और डॉ. राजीव मणि आदि तकनीकी सत्रों में भाग लेंगे तथा कमजोर व वंचित समूहों के मुद्दों, भाषाई बाधाओं, न्याय वितरण को कुशल बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के एकीकरण, भारतीय कानूनी शिक्षा में सुधार आदि पर प्रकाश डालेंगे।

भगत सिंह के शैक्षणिक पक्ष से भी प्रेरणा लें विद्यार्थी: प्रो. योगेश सिंह

डीयू कुलपति ने वॉइस रीगल लॉज के तहखाने में भगत सिंह को किए श्रद्धा सुमन अर्पित

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि भगत सिंह के क्रांतिकारी पक्ष पर बहुत लेखन और चर्चा हुई, लेकिन उनके शिक्षा के पक्ष को बहुत ही कम उकेरा गया है। विद्यार्थियों के लिए उनके शैक्षणिक पक्ष पर भी ध्यान देना व उससे प्रेरणा लेना बहुत जरूरी है। कुलपति बुधवार को शहीद भगत सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर, विश्वविद्यालय के वॉइस रीगल लॉज के तहखाने में बनी भगत सिंह की कोठरी में, शहीद भगत सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के बाद चर्चा के दौरान बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि भगत सिंह हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, पंजाबी, बंगला और आयरिश भाषाओं के अच्छे ज्ञाता होने के साथ-साथ अच्छे वक्ता, अच्छे पाठक और अच्छे लेखक भी थे। विभिन्न अखबारों में लेखन के साथ ही उन्होने 'अकाली' और 'कीर्ति' नामक दो अखबारों का सम्पादन भी किया। जेल में रहते हुए भी उनका अध्ययन लगातार जारी रहा। इस दौरान उनके द्वारा लिखे गए लेख और परिवार को लिखे गए पत्र उनकी लेखन प्रतिभा व विचारों के दर्पण हैं। उन्होने बताया कि भगत सिंह की प्राथमिक शिक्षा गांव के प्राइमरी स्कूल में हुई। प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात 1916-17 में उन्होने लाहौर के डी. ए. वी स्कूल में दाखिला लिया, लेकिन 1920 के महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन से प्रभावित होकर 1921 में भगत सिंह ने स्कूल छोड़ दिया। हालांकि उन्होने अपनी आगामी पढ़ाई दुबारा से शुरू करने के लिए लाहौर के नेशनल कॉलेज में प्रवेश लिया। 1923 में उन्होने एफ.ए. परीक्षा पास की। उसके पश्चात वह इसी कालेज से बीए कर रहे थे कि उनके परिवार द्वारा शादी का दबाव बनाए जाने पर वह लाहौर से कानपुर भाग गए। सन 1924 में उन्होंने कानपुर में दैनिक समाचार पत्र प्रताप के संचालक गणेश शंकर विद्यार्थी से भेंट की।

संपादकीय

मुस्लिमों को समझ आ चुका है कि समाजवादी पार्टी को सिर्फ उनके वोट चाहिए

मुसलमान नेताओं की नाराजगी समाजवादी पार्टी के लिए खतरे की घंटी नजर आ रही है। विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद कई मुस्लिम नेताओं ने अखिलेश पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ दी थी। एक के बाद एक सपा के मुस्लिम नेताओं के तीखे बयान सामने आ रहे हैं।

राजनीति के मैदान में लगातार भारतीय जनता पार्टी से पटखनी खा रहे समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सफलता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए नई राह पकड़ ली है। इन दिनों अखिलेश काफी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। एक तरफ तो वह सड़क पर संघर्ष करते दिखाई दे रहे हैं तो दूसरी ओर सपा के पुराने और नाराज साथियों को भी मनाने में लगे हैं। राजनीति के कुछ जानकार इस बदलाव को मुलायम की राजनैतिक शैली से जोड़ कर देख रहे हैं। नेताजी के नाम से विख्यात मुलायम हमेशा अपनी सियासत का तानाबाना सड़क पर संघर्ष करते हुए तैयार करते थे तो अपने वफादारों को कभी नाराज या अनदेखा नहीं करते थे। यही नेताजी की सियासी पूंजी हुआ करती थी, लेकिन जबसे समाजवादी पार्टी में अखिलेश युग का प्रारम्भ हुआ तब से समाजवादी पार्टी की सियासत ड्राइंग रूम तक में सिमट कर रह गई थी। अखिलेश हाँ में हाँ मिलाने वाले चटुकारों से घिरे रहते हैं। सपा के संघर्ष के दिनों के नेताओं को यह अच्छा नहीं लगता था, लेकिन उनकी कहीं सुनी नहीं जाती थी, ऐसे में कई नेताओं ने समाजवादी पार्टी से किनारा कर लिया तो कुछ अपने घरों में सिमट गए।

खासकर मुसलमान नेताओं की नाराजगी समाजवादी पार्टी के लिए खतरे की घंटी नजर आ रही थी। विधान सभा चुनाव खत्म होने के बाद कई मुस्लिम नेताओं ने अखिलेश पर अनदेखी का आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ दी थी। एक के बाद एक सपा के मुस्लिम नेताओं के तीखे बयान सामने आ रहे हैं। कई मुस्लिम नेता पार्टी से इस्तीफा दे चुके हैं। आजम खान के मीडिया प्रभारी से लेकर सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क तक अखिलेश के खिलाफ अपनी भड़ास निकाल रहे थे। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क ने अपनी ही पार्टी पर हमला बोला। उन्होंने मीडिया से कहा कि भाजपा के कार्यों से वह संतुष्ट नहीं हैं। भाजपा सरकार मुसलमानों के हित में काम नहीं कर रही है। भाजपा को छोड़िए समाजवादी पार्टी ही मुसलमानों के हितों में काम नहीं कर रही। रालोद प्रदेश अध्यक्ष रहे डॉ. मसूद ने चुनाव नतीजे आने के कुछ दिनों बाद ही अपना इस्तीफा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेज दिया। इसमें उन्होंने रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी के साथ सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा था। अखिलेश को तानाशाह तक कह दिया था। सपा पर टिकट बेचने का आरोप भी लगाया था। सहारनपुर के सपा नेता सिकंदर अली ने पार्टी छोड़ दी। पार्टी छोड़ते हुए सिकंदर ने कहा कि हमने दो दशक तक सपा में काम किया है। सपा अध्यक्ष कायर की तरह पीठ दिखाने का काम कर रहे हैं। मुस्लिमों की उपेक्षा की जा रही है।

सुल्तानपुर के नगर अध्यक्ष कासिम राईन ने भी अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को मुसलमानों पर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने में कोई रुचि नहीं है। सपा सरकार में दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री रहे इरशाद खान ने 16 अप्रैल को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर मुसलमानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। इरशाद ने कहा कि मुसलमान हमेशा से समाजवादी पार्टी के साथ रहा है लेकिन उसे सत्ता और संगठन में भागीदारी नहीं मिल पाई। पार्टी छोड़ने वाले ज्यादातर नेताओं का कहना था कि चुनाव में मुस्लिमों ने एकजुट होकर समाजवादी पार्टी के लिए वोट किया, लेकिन सपा के यादव वोटर्स ही पूरी तरह से उनके साथ नहीं आए। इसके चलते चुनाव में हार मिली। इसके बाद भी मुस्लिमों से जुड़े मुद्दों पर अखिलेश का नहीं बोलना नाराजगी को बढ़ा रहा है। कभी समाजवादी पार्टी के सुपर श्री नेताओं में गिने जाने वाले आजम खां तक गुस्से में थे, लेकिन अखिलेश को तो मानो किसी की नाराजगी की परवाह ही नहीं थी। पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह भी अखिलेश यादव से नाराज चल रहे हैं।

पाकिस्तान को करोड़ों डॉलर की मदद देकर भारत के साथ खेल खेल रहा है अमेरिका

योगेंद्र योगी

अमेरिका यह भी बखूबी जानता है कि पाकिस्तान ही आतंकियों का पोषक रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित करते हुए पाकिस्तान से उसके खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है।

अमेरिका फर्स्ट की पॉलिसी के तहत अमेरिका अपने हितों की रक्षा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। अमेरिका को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि किसी दूसरे देश पर इससे क्या फर्क पड़ता है। बेशक अमेरिकी नीति से प्रभावित होने वाला देश उसके मित्रों की सूची में ही क्यों ना शामिल हो। कहने को अमेरिका भारत को अपना दोस्त बताता है। उसकी यह नीति दरअसल मुंह में राम बगल में छुरी वाली है। अमेरिका ने पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू जेट बेड़े के रखरखाव के लिए 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता की मंजूरी दी है। कहने को यह राशि आतंकवाद को रोकने के लिए दी गई है, जबकि अमेरिका इस बात को अच्छी तरह जानता है कि पाकिस्तान किसी और को नहीं बल्कि भारत को ही अपना दुश्मन नम्बर एक समझता है। यह निश्चित है कि युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान एफ-16 युद्धक विमान का उपयोग भारत के खिलाफ ही करेगा। पाकिस्तान यह बात साबित भी कर चुका है। पुलवामा हमले के बाद भारत की ओर से सीमा पार के आतंकी कैम्पों के खिलाफ की गई कार्रवाई पर जवाबी हमला करने के लिए पाकिस्तान ने एफ-16 का उपयोग किया था। मौजूदा सैन्य सहायता को लेकर भारत ने अमेरिका के समक्ष तगड़ा विरोध दर्ज कराया है। यह बात दीगर है कि भारत के इस विरोध के बावजूद अमेरिका अपना फैसला नहीं बदलेगा। यही अमेरिका की नीति रही है। इसी वजह से विरोध के बावजूद पाकिस्तान को मिलने वाली सैन्य सहायता के रद्द होने की संभावना क्षीण है। अमेरिका यह भी बखूबी जानता है कि पाकिस्तान ही आतंकियों का पोषक रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित करते हुए पाकिस्तान से उसके खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। गौरतलब है कि मसूद अजहर भारतीय संसद और पुलवामा हमले का मुख्य आरोपी है। वह पाकिस्तान में छिपे रह कर लंबे समय से भारत के खिलाफ आतंकी कार्रवाई को अंजाम दे रहा है। कश्मीर में पाकिस्तान की ओर से की जाने वाली आतंकी कार्रवाई इस बात का प्रमाण हैं। इसके बावजूद अमेरिका पाकिस्तान को सैन्य मदद देने को आमदा है। इससे साफ जाहिर है कि अमेरिका भारत के साथ जिस सहयोग की भावना का दंभ भरता है, वह खोखली है। सवाल जब अपने हितों का हो तो अमेरिका युद्ध छेड़ने, कमांडो कार्रवाई और ड्रोन हमले से भी नहीं चूकता। अफगानिस्तान और इराक में युद्ध, पाकिस्तान में ओसामा बिन लादेन और अफगानिस्तान में अल जवाहरी का मारा जाना इसका प्रमाण है। यह पहला मौका नहीं है जब अमेरिका ने मौकापरस्ती दिखाई हो। इससे पहले भी अमेरिका अपने आर्थिक हितों को साधने के लिए भारत के खिलाफ कदम उठाता रहा है। साल 1980 में पाकिस्तान को तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने पहली बार एफ-16 लड़ाकू विमान दिए थे। हालांकि भारत ने तब भी इन विमानों को दिए जाने पर गहरी नाराजगी जताई थी, पर अमेरिका ने इसे दरकिनार कर दिया। इससे अमेरिका को करोड़ों डालर की आय हो रही थी। यह बात भी दीगर है कि पाकिस्तान पहले से ही कंगाली के हालात से जूझ रहा है। पाकिस्तान में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई हुई है। इसके बावजूद भारत से दुश्मनी निकालने के लिए वह बर्बादी की हद तक जा सकता है। भले ही सैन्य सामग्री खरीदने के लिए उसे कर्जे पर कर्जा क्यों ना लेना पड़े। इस दुश्मनी की भावना की वजह से घरेलू हालात से निपटने की बजाए पाकिस्तान का सारा ध्यान भारत के नुकसान पर रहता है।

बेटी को इन स्वयंभू 'सांस्कृतिक राष्ट्रवादियों' से बचाने की ज़रुरत

निर्मल रानी

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की मुहिम के झंडाबरदारों द्वारा उत्तरांचल की एक और बेटी अंकिता भंडारी की हत्या कर दी गयी। 19 वर्षीय अंकिता ऋषिकेश के लक्ष्मण झूला थाना क्षेत्र और चीला के बीच स्थित वंतरा नामक एक रिज़ॉर्ट में बतौर रिसेप्शनिस्ट काम करती थी। इस रिज़ॉर्ट का स्वामित्व भाजपा नेता और पूर्व राज्यमंत्री विनोद आर्य के बेटे पुलकित आर्य का बताया जा रहा है। आरोप है कि अंकिता की हत्या रिज़ॉर्ट संचालक पुलकित आर्य और रिज़ॉर्ट मैनेजर सौरभ और उसके एक अन्य सहयोगी रिज़ॉर्ट कर्मी ने कर उसकी लाश नहर में फेंक दी। हत्यारों पर आरोप है कि वे बार बार अंकिता भंडारी को अपने व अपने रिज़ॉर्ट के अतिथियों के साथ %अनैतिक शारीरिक संबंध % बनाने के लिए मजबूर कर रहे थे। वे उसे वेश्यावृत्ति में धकेलना चाहते थे। परन्तु जब अंकिता ने इस काम से इंकार किया और रिज़ॉर्ट में चलने वाले इस धंधे की पोल खोलने की धमकी दी तो उसकी हत्या कर उसका शव ऋषिकेश-हरिद्वार मार्ग पर चीला शक्ति नहर में फेंक दिया गया। अंकिता के शव को बाद में पावर हाउस के पास नहर से बरामद किया गया। पारिवारिक व अंकिता के सहपाठी सूत्रों के अनुसार अंकिता बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई में काफ़ी तेज़ व चरित्रवान थी। 10वीं और 12वीं कक्षा में शानदार अंक हासिल करने के बाद उसने होटल मैनेजमेंट करने हेतु दाख़िला लिया था। अंकिता एक ग़रीब परिवार की लड़की होने के नाते अपना उज्जवल भविष्य बनाकर अपने परिवार का सहारा बनना चाहती थी। परन्तु वासना के दरिंदों और अनैतिक देह व्यापार की कमाई खाने के लालची सफ़ेद पोश स्वयंभू सांस्कृतिक राष्ट्रवादियों द्वारा उसकी हत्या कर दी गई.

अंकिता की हत्या के बाद कई चौंकाने वाले तथ्यों का ख़ुलासा हो रहा है जिनसे साफ़ पता चलता है कि आम भारतीय ग़रीब परिवार का प्रतिनिधित्व करने वाली अंकिता कितनी होनहार, चरित्रवान, पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को निभाने का जज़्बा रखने वाली तथा ग़रीबी में पालन पोषण होने के बावजूद अपने उज्जवल भविष्य का सपना देखने वाली सुशील युवती थी जबकि उसके हत्यारे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की शाखाओं में संस्कारित,सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की कथित तौर पर घुट्टी पीने वाले तथा उत्तराखंड सरकार में पूर्व मंत्री रहे व सत्ता में ऊँचे रसूख़ रखने वाले नेता का पुत्र जोकि स्वयं भाजपा नेता होने के बावजूद ऋषिकेश जैसी पवित्र व धार्मिक नगरी में हिन्दू धर्म में सबसे पवित्र मानी जाने वाली गंगा नदी के पावन तट पर एक ऐसा रिज़ॉर्ट चलाता था जहां आम ग्राहकों से लेकर विशिष्ट अतिथियों तक को शारीरिक संबंध बनाने के लिये लड़कियां परोसी जाती थीं।

गोया धर्म और संस्कृति की दुहाई देने वाले लोग गंगानगरी में भी जबरन चलाई जाने वाली वैश्यावृति की कमाई खाने जैसे अनैतिक,अमानवीय व ग़ैर क़ानूनी धंधे में संलिप्त थे। बहरहाल अंकिता की हत्या में पुलकित आर्य की संलिप्तता के बाद भाजपा नेता व पूर्व राज्यमंत्री विनोद आर्य व उनके बेटे पुलकित आर्य को भाजपा ने पार्टी से निष्कासित कर पार्टी को बदनामी से बचाने का वैसा ही प्रयास किया है जैसा कि पार्टी पहले भी करती रही है।

परन्तु पूर्व राज्यमंत्री विनोद आर्य की ढिटाई की भी तारीफ़ करनी पड़ेगी कि उन्होंने पार्टी के निष्कासन की बात से इंकार किया है और इस दुर्भायपूर्ण घटना में भी अपना राजनैतिक लाभ तलाशते हुए यह बयान दिया है कि पार्टी ने उन्हें निष्कासित नहीं किया है बल्कि उन्होंने स्वयं इसलिये त्यागपत्र दिया है ताकि इस घटना की जांच निष्पक्ष रूप से हो सके। निष्पक्ष जांच का ढोंग करने वाले इसी संस्कारी पूर्व मंत्री पर उत्तरकाशी के कई पत्रकारों ने आरोप लगाया है कि अंकिता के हत्यारे का पिता व पूर्व राज्यमंत्री विनोद आर्य कथित तौर पर उन पत्रकारों को फ़ोन पर धमका रहा है जिन्होंने इस ख़बर को उजागर किया और प्रमुखता से इसे रोज़ प्रकाशित कर रहे हैं। उत्तराखंड के कई पत्रकार संघों ने इस सम्बन्ध में राज्यपाल को ज्ञापन भी भेजा है। ज्ञापन में पत्रकार संघों ने धमकी देने वाले पर कड़ी क़ानूनी कार्रवाई व अपनी सुरक्षा की मांग की है। इस लोमहर्षक हत्याकाण्ड से विशेषकर उत्तराखंड सहित पूरे देश की जनता में भारी रोष व्याप्त है। कुछ प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय बीजेपी विधायक रेणु बिष्ट की गाड़ी पर भी हमला किया। देश के अनेक नगरों से अंकिता के समर्थन तथा हत्यारों के विरोध में रोषपूर्ण प्रदर्शन की ख़बरें आ रही हैं।

ग़ौर तलब है कि इन रोष प्रदर्शनों में नारी सम्मान के वह स्वयंभू रक्षक शामिल नहीं हैं जो झारखण्ड में कुछ दिनों पूर्व अंकिता नाम की ही एक अन्य लड़की की जघन्य हत्या के विरोध में सिर्फ़ इसलिये पहुंच जाते हैं क्योंकि हत्यारा धर्म विशेष से संबंधित था। और ऐसी जगहों पर पहुंच कर अपने आक्रामक भाषण देकर साम्प्रदायिकता का ज़हर घोलना ही इनका मुख्य मक़सद है।

आज अंकिता भंडारी की सिर्फ़ इसलिये हत्या कर दी गयी कि जिस्म फ़रोशी की कमाई खाने वालों की ग़लत बात मानने से एक ग़रीब चरित्रवान लड़की ने इंकार कर दिया ? आज बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारा बरदार मंत्री व नेता विशेषकर महिला मंत्री न जाने कहाँ अपना मुंह छुपाये बैठे हैं ? इस घटना में और भी कई तथ्यों पर से अभी पर्दा उठना बाक़ी है। जैसे कि किस विशिष्ट व्यक्ति का बिस्तर गर्म करने के लिये अंकिता को दस हज़ार रूपये की पेशकश की गयी थी ?और यह भी कि बिना जांच पड़ताल पूरी किये उस रिज़ॉर्ट को ज़मींदोज़ किये जाने का मक़सद कहीं रिज़ॉर्ट के काले करतूतों के सुबूत नष्ट करना तो नहीं था ?

सलाम है उस अंकिता पर जिसने अपनी एक मित्र को भेजे गये व्हाट्सएप संदेश में यह लिखा कि मैं ग़रीब हो सकती हूं, लेकिन मैं ख़ुद को 10,000 रुपये में नहीं बेचूंगी। और धिक्कार है ऐसे सफ़ेद पोश ढोंगियों पर जो धर्म,देश,संस्कृति और नारी सम्मान की झूठी व ढोंगपूर्ण बातें तो बड़े ही ज़ोर शोर से करते हैं परन्तु स्वयं वैश्यावृति जैसे काले धंधों में संलिप्त होकर इसी की कमाई खाते हैं ?

और अगर बलात्कार की शिकार लड़की किसी दूसरे धर्म की है तो इन बेशर्मों को हत्यारों व बलात्कारियों के समर्थन में खड़े होने में भी शर्म नहीं आती। बिल्क़ीस बानो व आसिफ़ा जैसे कई उदाहरण देखे जा सकते हैं। अंकिता हत्याकाण्ड से एक बार फिर यही सबक़ मिलता है कि बेटी बचाओ के इनके झांसे में आने की नहीं बल्कि बेटी तो इन स्वयंभू सांस्कृतिक राष्ट्रवादियों से ही बचाने की ज़रुरत है।

महामारी से स्कूली शिक्षा में क्या बदलाव आया

विजय गर्ग

जिन बच्चों का जन्म पांच वर्ष पहले हुआ था, वे कोरोना के कारण अब पांच साल की उम्र में स्कूल जा पा रहे हैं। जो पहले जा रहे थे, उनका भी दो वर्षों के दौरान स्कूल की दुनिया से संवाद टूट सा गया था। कोरोना ने सबसे ज्यादा नुकसान बच्चों और उनके संसार को पहुंचाया। वास्तव में मानसिक और शारीरिक रूप से उन्हें कोरोना के दौरान कितना नुकसान पहुंचा, इसका पता लगाया जाना अभी बाकी है। लेकिन इस बात पर लगभग सबकी राय एक है कि बच्चों के भावनात्मक संसार को कोरोना ने जितना नुकसान पहुंचाया है, उसकी भरपाई मुश्किल है। कोरोना काल के दो वर्ष शिक्षण से जुड़े लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण तो थे, लेकिन साथ-साथ अवसर भी थे।

उस अवधि में समाज ने जो एक नया प्रयोग देखा, उसकी बदौलत हम टेक्नॉलजी के ज्यादा करीब आ गए। इसके जरिए शिक्षक और छात्रों के बीच संवाद को फिर से जीवित करने का प्रयास हुआ। इस लिहाज से टेक्नॉलजी ने कोरोना के संकट में हमारी सहायता की।

दूसरे पहलू को देखें तो यह जरूर साफ हुआ है कि तकनीक से बच्चों के व्यवहार में नकारात्मक परिवर्तन भी हुआ है। महामारी के दौरान कुछ लोगों को लगने लगा था कि तकनीकीकरण शैक्षणिक संरचना को पूरी तरह से बदल देगा। इस समय बहुत सी कंपनियां शैक्षणिक उत्पादें लेकर आईं। उनका दावा था कि आने वाले समय में शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की और कुछ समय बाद स्कूलों की भी जरूरत नहीं रहेगी। अपनी बात को सच साबित करने के लिए उन्होंने बड़े-बड़े नामों के साथ विज्ञापन भी दिया। शुरुआती दिनों में उनके दावों से प्रभावित कुछ स्कूल और अभिभावक आकर्षित भी हुए। लेकिन पाठ्यसामग्री के अभाव और मानवीय संवेदनाओं की कमी ने जल्द ही अभिभावकों को इस भ्रम से दूर कर दिया। नतीजतन ये कंपनियां जितनी तेजी से फैल रही थीं, अब उतनी ही तेजी से संकुचित भी हो रही हैं। इसके दो कारण रहे।

पहला, परंपरागत शैक्षणिक संस्थान कोरोना के बाद फिर से खुल गए। दूसरा, इन कंपनियों के उत्पाद शैक्षणिक दृष्टि से पूर्ण नहीं थे। शिक्षाविद और अब तक के अनुभव बताते हैं कि शिक्षा में शैक्षणिक सामग्रियों का बहुत बड़ा योगदान है। यह शैक्षणिक सामग्री ही है, जिसने सुपर-30 को बिना विज्ञापन के ही पूरे विश्व में चर्चित कर दिया।

देश में शिक्षा के अभाव में मानवाधिकारों के उल्लंघन की सर्वाधिक बढ़ती घटनाएं

मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने की बढ़ती हुई आवश्यकता सीधा-सीधा शिक्षा तथा जागृति से जुड़ी हुई हैद्य इसके बिना न तो व्यक्तित्व का विकास संभव है और ना ही जीवन यापन की किसी भी पहलू की अंतर्निहित प्रक्रिया ही पूरी होती दिखाई दे रही हैद्य मानवाधिकार के अभाव में जनतंत्र और लोकतंत्र की कल्पना ही निरर्थक है। अंतरराष्ट्रीय संगठन ऑफ ह्यूमन राइट्स वॉच की लगभग 175 देशों में मानवाधिकार की स्थिति का जायजा लेने वाली रिपोर्ट में भारत के संदर्भ में कहा गया है कि यहां महिलाओं तथा बच्चों आदिवासियों के मानव अधिकार से जुड़ी समस्याएं बहुत ज्यादा विकट विकृत और विकराल है। मानवाधिकार के बारे में जानकारी सीधे-सीधे किसी भी देश की शिक्षा, संस्कृति से जुड़ा हुआ सवाल है। देश के बहुत बड़े भूभाग में जहां आदिवासी और उनकी महिलाएं तथा बच्चे निवास करते हैं, वहां शिक्षा के अभाव में मानवाधिकार की कल्पना भी करना एक दुष्कर कार्य है। मानवाधिकार का संदर्भ सीधा सीधा किसी भी देश के शैक्षिक स्तर से जुड़ा हुआ है। भारत देश में मानवाधिकार संरक्षण इसलिए भी काफी पिछड़ा है क्योंकि सभी जिलों में मानव अधिकार आयोग एवं मानवाधिकार संबंधी जागरूकता का ना होना है,और नागरिकों का शिक्षा के प्रति लगाओ ना होना ही है।

मानवाधिकार मूलभूत अधिकार हैं। मानवाधिकार के अंतर्गत जीवन जीने का अधिकार शिक्षा का अधिकार, जीविकोपार्जन का अधिकार ,वैचारिक स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, निजता का अधिकार, जैसे मूलभूत अधिकार शामिल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व के अधिकांश देशों में अधिकार संविधान द्वारा नागरिकों को प्रदान किए गए हैं।भारत में भी संविधान के भाग 3 के अनुच्छेद 14 से लेकर 35 तक नागरिकों को विभिन्न प्रकार के अधिकार दिए गए हैं। पूरे विश्व में मानवाधिकार को सुरक्षित सुरक्षित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमनेस्टी इंटरनेशनल एक संस्था है जिसका मुख्यालय ब्रिटेन के लंदन शहर में स्थित है।

वैसे तो मानवाधिकार की अवधारणा के इतिहास बहुत पुराना है। पर नवीन संदर्भों में इसकी अवधारणा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विकसित हुई है। वर्ष 1948 में संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को स्वीकृत किया था। मानव अधिकार का उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों में जैसे मनुस्मृति, हितोपदेश, पंचतंत्र, प्राचीन यूनानी दर्शन आदि में भी मिलता है। 1215 में इंग्लैंड में जारी किए गए मैग्नाकार्टा में नागरिक अधिकारों का विस्तृत उल्लेख तथा वर्णन है, पर उन अधिकारों को मानवाधिकार की संज्ञा नहीं दी जा सकती है।

बहुत महत्वपूर्ण 1789 में फ्रांस की क्रांति के बाद वहां की राष्ट्रीय सभा ने नागरिकों के अधिकारों की घोषणा की थी। फल स्वरूप विश्व में समानता उदारता बंधुत्व के विचारों को बल मिलना शुरू हुआ, 19वीं शताब्दी में ब्रिटेन एवं अमेरिका में दास प्रथा की समाप्ति के लिए कानून बने। बीसवीं शताब्दी के आते-आते मानव अधिकारों को लेकर कई विश्वयापी सामाजिक परिवर्तन हुए जिसके अंतर्गत बालश्रम का विरोध एवं विभिन्न देशों में महिलाओं को चुनाव में मतदान का अधिकार प्राप्त हुआ।

यात्राएं व यह मुद्दा भी यही सिद्ध करता है की हमारा समाज जैविक नाभिकीय युद्ध के हिसाब से रचित है

सुमिता धीमान

लेखिका विभिन्न समाचार पत्र पत्रिकाओं आदि के लेखन कायों में सक्रीय है।

पुराने समय में अपनी धार्मिक आस्था, जिज्ञासा, खोजी प्रवृति के कारण, जरूरतें और उद्देश्यों के कारण इंसानो ने कई बड़ी बड़ी यात्राएँ की। ये बड़े-बड़े खोज अभियान तब किए जब technology ना के ही बराबर थी और सुविधाएँ भी कुछ खास नही होती थी। कोलम्बस, वास्को डा गामा, ह्वेनसांग, गुरु नानक देव जी आदि लोगों ने बहुत लम्बी-लम्बी यात्राएँ की हैं। समुंद्री यात्राओं के दौरान, खोज अभियानों मे कभी-कभी हफ्तों या फिर महीनो कोई तट दिखाई नही देता था। जहाजियों को लगातार विशाल, विकराल समुन्द्र मे सफर करना पड़ता था। सूखा राशन तो चलो ख़राब नही होता, माँसाहारी के लिए समुन्द्र एक खेत की तरह है। पर पानी, पानी का क्या ? कितना पानी वो लोग अपने साथ store कर ले जाते थे? तब Bisleri Bottles तो उपलब्ध नही होंगी। पीने का पानी कितने दिन सम्भाल कर रख सकते हैं ? वैसे भी नहाने धोने, कपडे धोने, बर्तन धोने, सफाई करने और खाना आदि बनाने में कितना पानी इस्तेमाल होता है।

चीनी यात्री ह्वेनसांग जो भारत आया था महात्मा बुद्ध और बौद्ध धरम की जानकारी हासिल करने के लिए। ffff , OMG क्या उन दिनो malls, super markets, five star hotels, Gucci, Armani ·showrooms, laundry etc रास्ते में उपलब्ध थे ? सुरक्षा के सब इंतजाम थे ? तन्हाई, अकेलापन, home sickness अपने आप में एक बहुत बड़ा अवसाद है। क्या तब वीरान, विशाल वियावान में Google Map, GPS की सुविधा थी ? गर्मी, सर्दी, बरसात, बर्फ़बारी, आंधी, तूफान, रेगिस्तान आदि क्या-क्या ह्वेनसांग ने रास्ते मे आते जाते नही देखा होगा ? ऐसे मे ह्वेनसांग भारत से ढेर सारी बौद्ध धर्म की और बौद्धि साहित्य की किताबे, कई और दूसरी किताबे कुल लगभग 600 + किताबें, अपना यात्रा विवरण (यहाँ यहाँ वो घूमा, ठहरा, तरह तरह की चीजें देखी, अनुभव, जगहो आदि के बारे मे लिखित विवरण) ले कर अकेला प्रकृति के साथ हँसते-खेलते कभी गर्मी, कभी सर्दी, कभी बारिश, कभी बर्फ़बारी, कभी पहाड़, कभी नाले, कभी रेगिस्तान, तो कभी तूफ़ान, आँधी तो कभी कोई हिंसक जंगली पशु आदि मे अपने सामान के साथ सही सलामत पैदल चीन वापिस पहुँच गया। Really tooooo much। यहाँ लोगों को आराम से घर बैठे सुबह या शाम की चाय ना मिले तो सिर दुखने लगता है। बिना पंखे के गर्मी/लू लग जाती है और ष्ट में जुकाम, जोड़ों में दर्द शुरू हो जाता है।

ह्वेनसांग 630 ई के आस पास भारत आया था और भाषा, अगर भाषा का उचित ज्ञान ना हो तो स्थिति कुछ ऐसे ही हो जाती है जैसे Coloured LED 85 cm (दुनिया) without electric current। ह्वेनसांग अपनी लम्बी पैदल यात्रा के दौरान कई जगह रुका। यह गोबी रेगिस्तान से किर्घिस्तान, तोकमत, उज्बेकिस्तान, ताशकंद, फारस, समरकंद, पामीर पर्वत माला, अमुदरिया, तामेज़, कुण्डूज़, बलख, नवविहार, बामियान, शिबिर दर्रे,, गांधार, जलालाबाद से होते हुए भारत आया। तब globalization इतना प्रचलित नही था। बहुत हद तक bo&ism ही चलता था। हर जगह पर भाषा, संस्कृति, सोच, समझ अलग अलग होती है। ऐसे मे ह्वेनसांग थका मंदा, भूखा प्यासा, बिना नहाए धोए फ्रेश हुए क्या और कैसे बात करता था? अगर किसी से खाने पीने का पूछना होता, रास्ता या कोई जरुरी जानकारी हासिल करनी होती थी तो कैसे बात करता था ? Dialect or pronunciation के कारण तब एक ही भाषा मे 25 km के बाद बहुत अंतर आ जाता था। पंजाबी होने के बावजूद मैं हिंदी भाषा को कुछ ठीक ठाक पढ़, लिख, सुन और बोल लेती हूँ। पर भारत एक विशाल देश है। सो यहाँ बहुत ही विभिन्नता है। मैं कई UP MP बिहार के लोगों की हिंदी नही समझ पाती। हिंदुस्तानी होने के बावजूद मैं हर तरह की हिंदी की dialect और pronunciation नही समझ पाती तो ऐसे में एक चीनी ने कैसे काम चलाया होगा ? जो अलग अलग भाषा, इलाका, संस्कृति, रीती रिवाज, वहमो आदि में घूमा ! हर जगह की currency अलग अलग होती है। यह बोद्धि भिक्षुक इस परिस्थिति से कैसे गुजरा होगा ? यह सब तो हमारे राज कपूर जी की फिल्म Around the world in eight dollar से भी ज्यादा dramatic है।

गुरु नानक देव जी ने 24 सालों में 28 हजार किमी पैदल यात्रा की। इन उदासियों (यात्रा) के दौरान वह पंजाब, से हरियाणा, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, नेपाल, सिक्किम, भूटान, ढाका, असम, नागालैंड, त्रिपुरा, चटगाँव, बर्मा, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, पाकिस्तान, सिंध, समुंद्री तट के किनारे घूमते घूमते हुए गुजरात, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, श्रीलंका, आंध्राप्रदेश, कर्णाटक, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, सुमेर पर्वत का इलाका, लेह लद्दाख, कश्मीर, अफगानिस्तान, मुल्तान, सिंध, बलोचिस्तान, जैदा, मक्का, मदीना, बगदाद, ईरान, खुर्माबाद, इस्फाहन, करतारपुर आदि जगहों पर घूमे। यानि 365 दिनों में इन्होने कोई औसतन 1167 किमी का सफर तय किया। इस दौरान गुरु जी यहाँ यहाँ से भी गुजरे उस रियासत के राजा को ऊँच नीच, जात पात, अन्धविश्वास, पाखंड आदि को ले कर अपने विचारों से अवगत करवाया। और इन सब को खत्म कर सदभाव, समानता कायम करने पर जोर दिया। और तमाम सफर मे जगह जगह लोगों को भी प्रवचन दिया और कीर्तन किया।

तुम मेरी जिंदगी की आदत हो,

तुम मेरी जिंदगी की आदत हो,

तुम मेरी जिंदगी की आदत हो,
अब जिंदगी की इबादत हो।।

लोग फूल के बदले पत्थर फेकेंगे,
तेरे लिए मेरी यही शहादत हो।।

शिद्दत से रोज तेरे सपनों में आता हूं,
रूबरू नहीं आता तेरी शिकायत हो।।

बदन से महक बन हवा बहती है इधर,
शायद तेरी खुशबुओं की बगावत हो।।

सरेराह सूली पर चढ़ा दिया मुझे,
खुश हूँ,शायद इसमें तेरी इजाजत हो।।

आए ना आए मेरा खयाल जेहन में तेरे संजीव,
दुआ है, तेरी जिंदगी सही सलामत हो।।

शार्ट न्यूज

प्रतिबंधित पशु मांस के साथ 3 गिरफ्तार

अमेठी। अमेठी जिले में मोहनगंज क्षेत्र के मनीमनोहर नाला के निकट पुलिस ने बाइक सवार तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ में आए लोगों के पास से पुलिस ने प्रतिबंधित पशु मांस बरामद किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदिग्ध बाइक सवारों को दबोच लिया। पकड़ में आए लोगों की पहचान मूर्तज़ा खां पुत्र जुम्मन खां, तौहीद पुत्र कासिम निवासीगण मनी मनोहर, नौशाद पुत्र अलीशेर निवासी रमई के रूप में हुई। इनको ग्राम मनीमनोहर नाला के पास से समय सुबह 8 बजे दिन में गिरफ्तार किया गया है। पकड़ में आए अभियुक्तों के कब्जे से मोटरसाइकिल एवं बोरी में 50 किग्रा प्रतिबंधित पशु मांस, वध करने के उपकरण आदि बरामद हुआ। मोटरसाइकिल सीडी डिलक्स यूपी 44 डब्ल्यू 6897 के कागज मांगने पर दिखा न सके। पुलिस ने पकड़े गए अभियुक्तों को संबंधित धाराओं में जेल भेज दिया है।

बाराबंकी : सड़क हादसे में मासूम बच्ची समेत तीन की मौत, 34 घायल

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में बुधवार को सुबह लखनऊ अयोध्या राजमार्ग पर एक ट्रक और ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर में मासूम बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 34 लोग घायल हो गये। पुलिस के अनुसार आज तड़के लगभग तीन बजे रामसनेहीघाट थाना क्षेत्र में ही कोटवा के पास एक ट्रक ने ट्रैक्टर ट्राली में टक्कर मार दी। इसमें तीन लोगों की मौत हो गयी और 34 अन्य घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिये स्थानीय अस्पताल भेजा गया। इनमें से 6 घायलों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर भेजा गया है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामसनेही घाट थाना क्षेत्र के लंबौवा गांव निवासी रामकरन की पुत्री का मंगलवार को मुंडन और भाई दिवाकर का बरीक्षा कार्यक्रम था। इसमें शामिल होने के लिए रामकरन की ससुराल कटका थाना रामनगर से ट्रैक्टर ट्राली पर सवार होकर आए थे। आज प्रात: लगभग 3ः00 बजे ये लोग वापस कटका के लिए निकले थे। इस दौरान लखनऊ अयोध्या राजमार्ग पर रामसनेहीघाट थाना क्षेत्र में ही कोटवा के पास एक ट्रक ने ट्रैक्टर ट्राली में टक्कर मार दी। जिसके बाद ट्राली डिवाइडर पर पलटते हुए दूर तक घिसटते हुए चली गई। इस हादसे में रामकरन की सास मालती देवी(50), ननकू की पत्नी शांति देवी (35) और मनोज की पुत्री शुभी (5) की मौके पर मौत हो गई। हादसे में करीब 34 लोग घायल हुए हैं।

45 फीसदी तैयार हुआ राम मंदिर का गर्भगृह

अयोध्या। अयोध्या में राम जन्मभूमि परिसर में 20 फीट रेडियस में बन रहे राम मंदिर के गर्भगृह का कार्य करीब 45 फीसदी पूरा हो गया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने बुधवार को बन रहे मंदिर की ताजा तस्वीरें जारी की है। यह तस्वीरें ट्रस्ट चंपत राय ने अपने ट्विटर हैंडल से जारी है। महासचिव चंपत राय द्वारा जारी ताजा तस्वीरों में राम मंदिर सभ्यता का वृहद रूप देता दिखाई पड़ रहा है। निर्माण प्रगति की इन तस्वीरों में मंदिर पूर्णता की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। एक तस्वीर में रामलला के गर्भगृह की निर्माणाधीन दीवार नजर आ रही है। यह दीवार लाल बलुआ पत्थर की पूर्व में ढाली गई शिलाओं को संयोजित कर तैयार की जा रही है। इसकी नक्काशी और सधा संयोजन बताता है कि पूरी तरह तैयार होने पर राम मंदिर किस तरह आकर्षक होगा। गर्भगृह के पृष्ठ में शिलाओं के बीच लोहे का सांचा राम मंदिर के साथ बन रहे प्रदक्षिणा पथ और विशाल रिटेनिंग वाल सहित निर्माण की व्यापकता दिखाई दे रही है। एक अन्य तस्वीर में रामलला के गर्भगृह पर लगा लाल ध्वज अपनी लहर के साथ आस्था के शिखर पर लहराता दिखाई दे रहा है। एक अन्य चित्र ऊपर से लिया गया, जिसमें मंदिर के चबूतरे के ऊपर के हिस्से को दिखाया गया, जिसके ऊपर मजदूरों द्वारा किए जा रहे कार्य को दिखाया गया। चित्र में राम मंदिर निर्माण के का वृहद कार्य दिखाई दे रहा है।

इंडिया एक्सपो मार्ट को मिला राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार

मुरादाबाद। इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट को सर्वश्रेष्ठ स्टैंडअलोन कन्वेंशन सेंटर के लिए राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार 2018-19 से नवाजा गया है। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार समारोह 2022 में यह पुरस्कार ईपीसीएच के महानिदेशक और इंडिया एक्सपो मार्ट के अध्यक्ष राकेश कुमार ने प्राप्त किया। बता दें कि ईपीसीएच की ओर से आयोजित होने वाले फेयर्स में इंडिया एक्सपो मार्ट में एक ही छत के नीचे 100 से अधिक देशों के बायर्स जुटते हैं। मुरादाबाद से भी इन फेयर्स में करीब 2000 एक्सपोर्टर हिस्सा लेते हैं। फेयर्स स्टॉल्स में मुरादाबाद की हिस्सेदारी करीब 60 फीसदी है। नई दिल्ली में विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार 2022 समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मौजूदगी में यह पुरस्कार इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट के अध्यक्ष राकेश कुमार और सीईओ सुदीप सरकार ने प्राप्त किया। इस दौरान भारत सरकार के पर्यटन मंत्री जी कृष्णा रेड्डी, पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट, पर्यटन सचिव अरविंद सिंह भी मौजूद रहे। बता दें कि इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट देश के सबसे बड़े एकीकृत आयोजन स्थलों में सबसे बड़ा है। यहांअंतर्राष्ट्रीय बिजनेस मेलों, सम्मेलनों, प्रॉडक्ट लॉंच और प्रमोशन इवेंट्स होते हैं।

रैपिड रेल की डेढ़ किलोमीटर लंबी टनल तैयार

गाजियाबाद। भारत की पहली रीजनल रैपिड रेल के लिए दिल्ली के आनंद विहार से न्यू अशोक नगर की तरफ डेढ़ किलोमीटर लंबी टनल का निर्माण कर लिया गया है। 90 मीटर लंबी सुदर्शन मशीन को करीब तीन किलोमीटर लंबी टनल बनानी है, जिसमें से आधी बन चुकी है। नवंबर-2022 में गाजियाबाद में साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक रैपिड रेल का ट्रायल रन होना है। इसके लिए तैयारियां तेज चल रही हैं। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर 82 किलोमीटर लंबा है। इसका 14 किलोमीटर हिस्सा दिल्ली में है। दिल्ली में 4 स्टेशन जंगपुरा, सराय काले खां, न्यू अशोक नगर और आनंद विहार हैं। इसमें आनंद विहार अंडरग्राउंड स्टेशन है। आनंद विहार स्टेशन से न्यू अशोक नगर की तरफ तीन किलोमीटर लंबी दो टनल बनाने के लिए सुदर्शन टनल बोरिंग मशीन काम कर रही है। एक मशीन से डेढ़ किलोमीटर और दूसरी मशीन ने करीब एक किलोमीटर की टनल बोर कर दी है। टनल का काम पूरा होने के बाद इन दोनों मशीनों को न्यू अशोक नगर स्टेशन के पास बाहर निकाला जाएगा। उधर, आनंद विहार से साहिबाबाद उप्र की तरफ करीब दो किलोमीटर लंबी टनल बनेगी, जो वैशाली मेट्रो स्टेशन के सामने समाप्त होगी। इसके निर्माण के लिए तीसरी सुदर्शन मशीन काम कर रही है। इसी साइट पर चौथी टनल मशीन भी जल्द लॉन्च होगी।

सौतेले पिता ने नाबालिग बेटी से किया रेप

जालौन। जालौन में एक सौतेले पिता ने अपनी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। घर पर बेटी अकेली थी उस समय आरोपी ने इस घटना को अंजाम दिया। इसके बारे में पीड़िता ने दादी को जानकारी दी। इस पर दादी ने तत्काल पुलिस को इस बारे में अवगत कराया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा पंजीकृत करते हुये आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसका मेडिकल कराने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया है। पूरा मामला जालौन के उरई कोतवाली क्षेत्र का है। चुर्खी थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक ने महिला के पति की मृत्यु के बाद उससे शादी कर ली थी। इसके बाद वह उसे और उसकी 14 वर्षीय बेटी के साथ उरई के एक मुहल्ले में किराये के मकान में रहने लगा था। युवक यहां रहकर मजदूरी करता था। नवरात्र पर उसकी पत्नी एक कार्यक्रम में भाग लेने गांव चली गई। जब युवक घर पहुंचा तो उसने अपनी सौतेली बेटी को अकेला देखकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

प्रयागराज में खुलेंगे दो सुपर स्पेशिलिटी स्वास्थ्य केंद्र

24 घंटे सेवा, फ्री दवा के साथ मिलेगी ये सुविधा

प्रयागराज। प्रयागराज के छावनी क्षेत्र में दो सुपर स्पेशिलिटी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खुलेंगे। स्वास्थ्य केंद्र में 24 घंटे इलाज की सुविधा मिलेगी। सुबह-शाम ओपीडी चलेगी। स्वास्थ्य केंद्र पर दवाइयां भी मुफ्त मिलेंगी। दावा है कि उत्तर प्रदेश में इस तरह का प्रयागराज पहला केंद्र होगा। दोनों स्वास्थ्य केंद्र जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से खोला जाएगा। नए छावनी क्षेत्र में सुपर स्पेशिलिटी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शुरू करने के लिए छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी मोहम्मद समीर इस्लाम ने मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी नानक सरन को पत्र भेजा है। इससे पहले इस प्रस्ताव की छावनी बोर्ड से स्वीकृति ली गई। मुख्य अधिशासी अधिकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग से मिलने वाली दवाइयां मरीजों को निशुल्क वितरित होंगी। अन्य दवाइयां 50 फीसदी रियायत पर मिलेंगी। छावनी बोर्ड के नामिक सदस्य विनोद कुमार बाल्मीकि ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र पर हर महीने पांच लाख की दवा निशुल्क दी जाएगी। इनके अलावा 24 घंटे 108 एंबुलेंस सेवा उपलब्ध होगी।

कई रेलकर्मी डेंगू की चपेट में, यूनियन नेता डीआरएम से मिले

रेलवे अस्पताल में भी डेंगू के कई मरीज भर्ती हुए हैं। रेलकर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों के डेंगू की चपेट में आने का मामला तूल पकड़ने लगा है। डेंगू के बढ़ते प्रकोप पर रेलवे यूनियन नेताओं में नाराजगी है। यूनियन पदाधिकारियों का कहना है कि रेलवे कॉलोनी में गंदगी फैलने और साफ सफाई न होने से डेंगू फैला है। मामले में मंगलवार को नार्थ सेंट्रल रेलवे इंप्लाइज संघ के मंडल सचिव चंदन सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल डीआरएम मोहित चंद्रा से मिला। चंदन सिंह ने डीआरएम से शिकायत किया कि कॉलोनियों में साफ सफाई, दवाओं का छिड़काव नहीं किया गया है।

जिले में कोरोना के आठ नए संक्रमित मिले

जिले में मंगलवार को 2726 लोगों के कोरोना टेस्ट में आठ नए संक्रमित मिले। इस दिन सात संक्रमित स्वस्थ भी हुए। जिसके बाद जिले में सक्रिय मरीजों की संख्या 29 पहुंच गई है।

डेंगू के सात नए मरीज मिले

जिले में मंगलवार को डेंगू के सात नए मरीज मिले हैं। इसमें भगवतपुर, मऊआइमा, दरियाबाद, कटरा और अशोक नगर से एक-एक मरीज तथा नैनी से दो पीड़ित मिले हैं। जिले में अभी तक डेंगू संक्रमित 140 लोग मिल चुके हैं। 26 लोगों का इलाज अभी भी अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है।

फिरोजाबाद : पास्को के दोषी को 10 वर्ष का कठोर कारावास

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद की स्थानीय न्यायालय ने एक बच्ची के यौन शोषण के आरोपी को पॉक्सो कानून के तहत दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है।

मुख्य अभियोजन अधिकारी ने बुधवार को बताया कि न्यायालय ने दोषी को 10 साल के कारावास और 30 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाते हुए कहा कि अर्थ दंड न देने पर उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इस मामले में शहर के थाना उत्तर क्षेत्र निवासी दंपति 8 मार्च 2015 को सब्जी लेने गए थे। उनकी 9 वर्षीय बेटी घर पर अकेली थी। उसी दौरान उनका आगरा निवासी रिश्तेदार लाल सिंह पुत्र श्यामलाल घर पर आ गया।

बच्ची को अकेला देख लाल सिंह ने दरवाजे बंद कर उसके साथ बलात्कार का प्रयास किया। बच्ची के चिल्लाने पर पड़ोसी वहां पर पहुंच गए। इसके बाद लाल सिंह वहां से भाग गया। बालिका के माता-पिता घर लौट कर आए तो उन्हें सारी घटना का पता चला। उन्होंने लाल सिंह के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने पॉक्सो के तहत मुकदमा दर्ज किया। बाद में लाल सिंह ने फोन पर बालिका के परिजनों को धमकी भी दी।

पुलिस ने विवेचना कर उसके खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। मुकदमा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (विशेष न्यायाधीश पोक्सो) अवधेश कुमार सिंह की अदालत में चला। अभियोजन पक्ष की तरफ से मुकदमे की पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजक संजीव शर्मा ने बताया कि मुकदमे के दौरान कई गवाहों ने गवाही दी। कई साक्ष्य न्यायालय के सामने प्रस्तुत किए गए।

गवाहों की गवाही तथा साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने लाल सिंह को दोषी माना।

झांसी में युवाओं को नहीं मिल रहा अभ्युदय योजना से लाभ

झांसी। उत्तर प्रदेश सरकार की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को नि: शुल्क कोचिंग मुहैया कराने के लिए शुरू की गयी महत्वाकांक्षी अभ्युदय योजना झांसी में पटरी से उतरती नजर आ रही है। कोचिंग में पढ़ने के लिए आ रहे छात्रों की संख्या में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।

कोचिंग में पढ़ाई के लगातार गिरते स्तर को लेकर कुछ युवक और युवतियां बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद के पास शिकायत लेकर पहुंचे। एक छात्र सुमित अग्रवाल ने बताया कि यहां राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) में चल रही अभ्युदय कोचिंग में पढ़ाई को लेकर काफी अनियमितताएं आ रहीं हैं और इस संबंध में कई बार राजपत्रित अधिकारियों को अवगत कराया गया और अधिकारियों को लिखित में भी इसकी जानकारी देने की कोशिश की गयी। अभी तक कोई प्रभावी परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं। इसी से परेशान होकर छात्र मुख्य विकास अधिकारी के समक्ष आज फिर अपनी परेशानियों को लेकर आये हैं। अन्य छात्रों ने बताया कि कक्षाओं को लेकर शिक्षकों का रवैया भी खासा खराब है। कक्षाओं के लिए कोई निर्धारित शैड्यूल नहीं है। कोई भी कभी भी पढ़ाने आ जाता है। जो टेस्ट सीरिज छात्रों को दी जाती है अकसर उनकी उत्तर तालिका भी मुहैया नहीं करायी जाती है ऐसे में छात्रों को अपने टेस्ट का मूल्यांकन और सही उत्तर पता करने में समस्याएं आती हैं।

निर्दयी मां ने प्रेमी से करा डाली अपने बेटे की हत्या

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं में एक मां द्वारा अपने प्रेमी से बेटे की हत्या कराने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी मां और हत्यारोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। युवक की लाश सोमवार को जरीफनगर क्षेत्र में मिला था।

बदायूं में एक महिला का दो महीने का इश्क ऐसा परवान चढ़ा कि अपने प्रेमी से बेटे की हत्या कर डाली। बेटा दोनों के प्यार में रोड़ा बन रहा था। प्रेमी ने दामाद के साथ मिलकर हिंमाशु की हत्या कर दी गई। इसके बाद उसकी लाश को गन्ने के खेत में छिपा दिया।

एसएसपी सिद्धार्थ वर्मा ने बताया, उझानी कोतवाली इलाके के गांव बुर्रा फरीदपुर निवासी नत्थू का बेटा हिमांशु ई रिक्शा चलाता था। 25 सितंबर को हिमांशु लापता हो गया। मामले की जानकारी पर दूसरे दिन पुलिस ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कर ली। अगले दिन शाम को जरीफनगर थाना क्षेत्र के बांद्रा गांव के जंगल में हिमांशु का अर्द्ध नग्न शव पड़ा मिला। परिजनों ने किसी से रंजिश की बात से इंकार किया था।

किराएदार बनकर आया था ब्रह्मपाल

पुलिस ने ममता समेत जरीफनगर थाना क्षेत्र के दुर्गपुर गांव निवासी ब्रह्मपाल को गिरफ्तार कर लिया। ब्रह्मपाल ने कबूला कि वह दो महीने से नत्थू के घर में बतौर किराएदार रह रहा था। इसी बीच ममता से उसके संबंध हो गए थे। हिमांशु को इसकी भनक लग गई थी। ऐसे में वह अक्सर इन दोनों से झगड़ा करता था। विवाद बढ़ने पर मामला खुलने के डर से दोनों चुप रहते थे। ब्रह्मपाल ने यह भी कबूला कि ममता उसके साथ रहने को राजी थी लेकिन उसकी शर्त थी कि पहले हिमांशु को रास्ते से हटाया जाए। इसलिए उसका ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के बहाने ई रिक्शा से उसे अपने साथ सहसवान ले गया। वहां ब्रह्मपाल का दामाद राजू बाइक से मिल गया। यहां से तीनों दहगवां पहुंचे और शराब पी। उन्होंने हिमांशु को ज्यादा शराब पिला दी गई। नशा ज्यादा होने पर दोनों उसे बाइक से अजीजपुर गांव के रास्ते बांद्रा ले गया और वहां दोनों ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। शव की शिनाख्त न हो, इस लिहाज से कपड़े उतारकर दूसरे खेत में छिपा दिया था।

इस मामले को पुलिस समेत एसओजी टीम ने अपने स्तर से पड़ताल शुरू की तो सामने आया कि हिमांशु की किसी से व्यक्तिगत भी कोई रंजिश नहीं थी। कहीं से कोई झगड़ा या प्रेम प्रसंग की बात भी सामने नहीं आई। ऐसे में जब परिजनों की कुंडली खंगलाना शुरू की तो सामने आया कि इस घटना को उसकी मां ममता के इशारे पर अंजाम दिया गया था।

करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले भाइयों पर चला प्रशासन का डंडा, ढाई करोड़ की संपत्ति कुर्क

कौशाम्बी। कौशाम्बी में करोड़ों रुपये हड़पने वाले तीन भाइयों की संपत्ति को प्रशासन ने कुर्क कर दिया। पुलिस ने 2 करोड 65 लाख रुपये संपत्ति को अपने कब्जे में ले लिया। इससे पहले भाइयों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई भी हो चुकी है।

जिले के सदर कोतवाली के कोरई का रहने वाला रघुराज सिंह ने भाई शिवराज सिंह और धनराज सिंह के साथ मिलकर एक चिटफंड कंपनी खोली थी। इस कंपनी का ऑफिस प्रयागराज में खोला गया था। कंपनी के मालिकों ने पैसे एफडी और आरडी कराने के नाम पर पैसे वसूले थे। तीनों भाई लोगों को पैसे दोगुना होने का लालच देते थे। कंपनी के लोकलुभाव ऑफर के लालच में आकर कई लोगों ने लाखों रुपये जमा किया था। धोखाधड़ी करकेर वसूले गए पैसे से तीनो भाइयों ने कोरई गांव में आलीशान घर बनवा लिया इसके एक स्कूल भी खोल लिया। पैसे जमा करने वाले लोगों ने अपने साथ हुई धोखाधड़ी पर पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने तीनों भाइयों पर धोखाधड़ी का केस दर्ज की। जिसके बाद गैंगस्टर के तहत कार्रवाई की गई।

अर्श से फर्श तक का सफर

कोरई गांव के लोगों के मुताबिक तीनों भाइयों की जिंदगी अचानक से बदल गई। देखते ही देखते उनके पास घर, जमीन और महंगी-महंगी गाड़ियां हो गई। कंपनी में निवेश के नाम पर तीनों भाइयों ने गलत तरीके से लोगों से पैसे लिए। हालांकि जब भाइयों पर एफआईआर दर्ज हुई तब से उनकी नींद उड़ गई।

मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए शिकंजा

बलरामपुर। बलरामपुर में नेपाल सीमा पार से होने वाली मादक पदार्थों की अवैध तस्करी, मानव तस्करी आदि पर शिकंजा कसने के लिये पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में समीक्षा बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी नगर श्री दरवेश कुमार ने की। जिसमें विभिन्न विभागों और संस्थाओं के प्रमुखों ने भाग लिया। समीक्षा बैठक में नेपाल सीमा पार से होने वाली मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, बाल अपराध रोकने और युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए उपायों पर व्यापक चर्चा की गई।

ट्रक खाई में जाकर पलटा, डूबने से ड्राइवर की मौत

झांसी। झांसी में मंगलवार देर रात भीषण हादसे में ट्रक ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि कंडेक्टर बाल-बाल बच गया। ट्रक मुंबई से माल लेकर कानपुर जा रहा था। रास्ते में पूंछ बाइपास पर नींद की झपकी आने से ट्रक असंतुलित होकर पानी से भरी खाई में जाकर पलट गया। डूबने से ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि लोगों ने कंडेक्टर को बचा लिया। फरुखाबाद के ईशापुर गांव निवासी सुम्मन हुसैन (50) पुत्र एहसान अली ट्रक ड्राइवर था। वह गांव के सेठ का कई सालों से ट्रक चला रहा था। दो दिन पहले ट्रक में मुंबई से किराना का माल लोड करके वह कानपुर के लिए रवाना हुआ था। उसके साथ एक कंडेक्टर था। रास्ते में पूंछ बाइपास के पास नींद की झपकी आने से ट्रक संतुलित होकर पानी से भरी खाई में जाकर पलट गया। इसमें सुम्मन हुसैन की मौत हो गई। बुधवार को सुम्मन के शव का मेडिकल कॉलेज के मुर्दाघर में पोस्टमार्टम हुआ। पोस्टमार्टम में सुम्मन की डूबने से मौत होने की पुष्टि हुई है। उसके शरीर पर कोई गंभीर चोट नहीं मिली है। परिजन शव को लेकर फर्रुखाबाद के लिए रवाना हो गए हैं। सुम्मन के भाई ने बताया कि देर रात दो बजे उनको हादसे की जानकारी हुई। इसके बाद वे झांसी के लिए रवाना हो गए। हादसे की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। सुम्मन के सात बेटे हैं।

हरदोई : तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से तीन युवकों की मौत

एजेंसी

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में बीती देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने दो बाइक पर सवार होकर घर जा रहे तीन युवकों को पीछे से टक्कर मारकर कुचल दिया, जिससे तीनो की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह हादसा संडीला मल्लावां रोड पर स्थित नानकखेड़ा गांव के पास देर रात हुआ।

इस घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंच कर मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिये भिजवाये। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान दिहाड़ी मजदूर टिमरुख गांव के निवासी लोकेश (20), अनूप (21) और जमसारा गांव निवासी जयप्रकाश के रूप में की गयी है। ये लोग हलवाई खेड़ा गांव से मजदूरी कर लौअ रहे थे। लोकेश और अनूप के साथ दूसरी बाइक पर सवार जयप्रकाश के साथ सण्डीला से अपने घर जा रहे थे। तभी पीछे से एक तेज रफ्तार ट्रक ने दोनों बाइक को रौंद दिया। जिससे तीनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भाग निकला। रास्ते में उसे गौसगंज में जेसीबी लगाकर पुलिस ने रोकने का प्रयास किया लेकिन जेसीबी को टक्कर मारते हुए वह भाग निकला। अंत में पुलिस ने कस्बा मल्लावां में घेराबंदी कर ट्रक को रुकवा कर चालक को हिरासत में लिया।

सिविल इंजीनियर से 5.25 लाख की ठगी

बरेली। लॉक डाउन के बाद से बेरोजगार चल रहे एक सिविल इंजीनियर से साइबर ठगों ने टाटा प्रोजेक्ट में नौकरी लगवाने के नाम पर 5.25 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित को जब ठगी का एहसास हुआ तो उसने एसएसपी से मामले की शिकायत की तो कप्तान के आदेश पर बरेली साइबर सेल ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इज्जतनगर के मिनी बाईपास जीएन सिटी कॉलोनी में रहने वाले सिविल इंजीनियर अमित कुमार माथुर ने बताया कि वह सिविल इंजीनियर थे। लॉकडाउन से पहले वह एक प्रतिष्ठित कंपनी में नौकरी कर रह थे लेकिन लॉकडाउन में उनकी नौकरी छूट गई थी। अमित माथुर ने बताया कि उन्हें नौकरी की तलाश थी, जिसके लिए उन्होंने नौकरी डॉट कॉम वेबसाइट पर अपनी प्रोफाइल बनाई थी।

अग्निवीर भर्ती के नाम पर ठगी करने वाला सेना का जवान गिरफ्तार, गिरोह कर चुका 35 लाख की ठगी

मेरठ। मेरठ में एसटीएफ ने अग्निवीर भर्ती कराने के नाम पर ठगी करने वाला सेना का जवान गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से भर्ती से संबंधित दस्तावेज बरामद हुए हैं। आरोपी अपने भाई और एक अन्य के साथ मिलकर गिरोह चला रहा था और 2018 से सक्रिय था।

पूर्व में भी कुछ लोगों को इसी तरह से ठग चुका है। एसटीएफ अन्य आरोपियों की तलाश में लगी है।

एटीएस को गौतमबुद्धनगर के दादरी थाने के गांव लुहारली निवासी एक युवक ने इनपुट दिया था। बताया कि उसका भाई मुजफ्फरनगर में अग्निवीर भर्ती में शामिल हुआ है। इस दौरान उसका परिचय संदीप नाम के युवक से हुआ था, जिसने सेना में अग्निवीर भर्ती कराने का दावा किया। पांच लाख रुपये में भर्ती कराने की बात तय की गई। संदीप ने तनुज से मुलाकात कराई, जिसका भाई नरेश सेना में जवान है। इसके बाद भर्ती के लिए ढाई लाख रुपये की रकम एडवांस में दे दी गई। बताया कि मंगलवार को अभ्यर्थी का मेडिकल मेरठ के आर्मी अस्पताल में होना है। यहीं पर बाकी कर रकम नरेश को दी जानी है।

एसटीएफ ने इसी सूचना पर घेराबंदी करते हुए नरेश को दबोच लिया, जबकि बाकी आरोपी निकल भागे। आरोपी सेना के जवान नरेश कुमार निवासी गांव मसौता, थाना मसूरी गाजियाबाद को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से एसटीएफ ने एक मोबाइल फोन, सेना का आईकार्ड, अग्निवीर भर्ती से संबंधित दस्तावेज बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ सदर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी जवान नरेश कुमार की तैनाती फिलहाल हेड क्वार्टर-3 ईडब्लू-ब्रिगेड पुणे में हेड कांस्टेबल के पद पर है। वर्ष 2009 में सेना में भर्ती हुआ था और वर्तमान में सिग्नल कोर में है।

अब तक कर चुका 35 लाख की ठगी

आरोपी के फोन से मिली जानकारी के अनुसार वह पिछले चार वर्ष से यह काम कर रहा है। इस समय उसने पांच लोगों से भर्ती की डील कर रखी थी। पांचवे अभ्यर्थी से उसकी डील ढाई लाख रुपये में हुई थी। पुलिस के अनुसार नरेश अब तक तकरीबन 35 लााख रुपये की ठगी भर्ती के नाम पर कर चुका है।

सपा का दो दिवसीय सम्मेलन शुरु, नरेश उत्तम बने प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) का दो दिवसीय सम्मेलन बुधवार को यहां पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में शुरु हो गया। सम्मेलन के पहले दिन नौवें प्रांतीय सम्मेलन में पार्टी के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम को फिर से सपा की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष बनाया गया।

इसके पहले अखिलेश ने ध्वजारोहण के साथ सपा के सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता किरणमय नंदा, रामगोपाल यादव और उदय प्रताप सिंह सहित सभी जिला इकाईयों के पदाधिकारी उपस्थित थे। सम्मेलन के दूसरे दिन गुरुवार को सपा का राष्ट्रीय सम्मेलन होगा।

प्रांतीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में नरेश उत्तम को फिर से सपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने का प्रस्ताव पेश किया गया। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार करने के बाद आर्थिक प्रस्ताव पेश किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण प्रदेश में लगातार बढ़ रही बेरोजगारी, मंहगाई और कृषि संकट सहित अन्य समस्याओं का जिक्र किया गया है।

सपा के 9वें प्रांतीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि सपा का सपना है समाज को बाटने वाली ताकतों को सत्ता से बाहर करेंगे। इसके लिये सपा ने हर स्तर पर यथासंभव त्याग किया। उन्होंने कहा कि सपा ने पिछले लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक फैसला करते हुए बहुजन समाज की ताकत को एक मंच पर लाने का प्रयास किया था। हर स्तर पर त्याग करके डा अंबेडकर और डा लोहिया के सपने को साकार करने की कोशिश की थी।

तीन और महिला पीएसी बटालियन की होगी स्थापना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर तीन और महिला पीएसी बटालियन स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बुधवार को दी गयी जानकारी के अनुसार जालौन, बलरामपुर और मिर्जापुर में महिला पीएसी बटालियन सथापित करने के लिए जमीन को चिन्हित कर लिया गया है। इसकी रिपोर्ट का प्रस्ताव बनाकर पुलिस मुख्यालय को भेज दिया गया है। अतिरिक्त महानिदेशक (पीएसी) केएस प्रताप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में तीन और महिला पीएसी बटालियन की स्थापना करने का आदेश दिया था। इसी के तहत प्रदेश में झांसी और जालौन में से एक जनपद, बलरामपुर, मिर्जापुर और भदोही में से एक जनपद में महिला पीएसी बटालियन की स्थापना के लिए आदेश दिया गया था। ऐसे में जालौन के उरई तहसील के ग्राम ऐर थाना डकोर के तहत ग्राम समाज की 17.150 हेक्टेयर भूमि को चिन्हित किया गया है। यह भूमि पहले से ही 33 वीं वाहिनी पीएसी झांसी के कब्जे में है। इस महिला पीएसी बटालियन का नाम रानी लक्ष्मी बाई बटालियन रखा जाएगा। इस आशय का प्रस्ताव बनाकर पुलिस मुख्यालय को बनाकर भेज दिया गया है। इसी तरह बलरामपुर में ग्राम गिधरैया, तहसील बलरामपुर सदर में 20.381 हेक्टेयर भूमि को चिन्हित किया गया है।

शार्ट न्यूज

रुपया अबतक के नए रिकॉर्ड निचले स्तर 81.93 पर

मुंबई। दुनिया पर आर्थिक मंदी का खतरा मंडराने से निवेशकों के इक्विटी से पूंजी निकालकर डॉलर में निवेश करने की बदौलत अमेरिकी मुद्रा के बीस साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 40 पैसे लुढ़ककर अबतक के रिकॉर्ड निचले स्तर 81.93 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया। वहीं, पिछले कारोबारी दिवस रुपया 14 पैसे उछलकर 81.53 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया 37 पैसे की गिरावट लेकर 81.90 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और लिवाली के दबाव में 82.02 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि बिकवाली होने से यह 81.81 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले दिवस के 81.53 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 40 पैसे की गिरावट लेकर 81.93 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया।

आईएसडी इंटरनेट कॉल को मोबाइल या वायरलाइन पर भेजने वाले 30 एक्सचेंजों का भंडाफोड़

नयी दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने ऐसे 30 एक्सचेंजों का भंडाफोड़ किया है जो इंटरनेट के माध्यम से आने वाले विदेशी कॉल को घरेलू स्तर पर मोबाइल या वायरलाइन ग्राहकों तक पहुंचा रहे थे। दूरसंचार विभाग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि पिछले चार महीने में इस तरह के 30 एक्सचेंजों का पता चला है जो लगातार इंटरनेट से आने वाले आईएसडी कॉल को घरेलू स्तर पर मोबाइल या लैंडलाइन उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है। इसमें विदेशी कॉल के लिए इंटरनेट का उपयोग किया जाता है और फिर घरेलू स्तर पर मोबाइल या लैंडलाइन का उपयोग किया जाता है जिसकी देश में अनुमति नहीं है। इस तरह का अवैध एक्सचेंज न्न सिर्फ सुरक्षा के लिए खतरा है बल्कि इससे सरकार को राजस्व का भी नुकसान होता है। दूरसंचार विभाग ने लोगों से इस तरह के अवैध एक्सचेंजों के कॉल से बचने की अपील की है। इस तरह के कॉल मिलने पर शिकायत करने के लिए कॉल नंबर जारी किया गया है। उपभोक्ता 1800110420/ 1963 पर कॉल इसकी शिकायत कर सकते हैं।

होममेड टेस्टी मसाला के साथ मसाला बाजार में उतरा डाबर

नयी दिल्ली। प्रमुख एफएमसीजी कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने आज डाबर होममेड टेस्टी मसाला के लॉन्च के साथ अपने होममेड फूड्स पोर्टफोलियो के विस्तार की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह कदम मसाला बाजार में प्रवेश का प्रतीक है और उपभोक्ताओं को स्वाद और प्राकृतिक सामग्री दोनों का संयोजन प्रदान करता है। कंपनी के कैटेगरी हेड-फूड्स डिवीजन- विनीत जैन ने कहा डाबर होममेड टेस्टी मसाला एक सर्व-उद्देशीय मसाला है जो आपकी पकवान को सही स्वाद और सुगंध देने के लिए सबसे ताज़े और सबसे अच्छे 11 मसालों से बनाया जाता है जो भुने हुए होते हैं और पूरे तरह से पीसते हैं। गुणवत्ता और शुद्धता के आश्वासन के साथ डाबर का होममेड टेस्टी मसाला, जैसा कि नाम से पता चलता है, हर खाद्य पदार्थ के स्वाद को बढ़ाता है। इसे कई व्यंजनों पर छिड़का जा सकता है जैसे कि रायता की सब्जियां, करी और दाल की तैयारी। उन्होंने कहा कि इसके लॉंच कि साथ ही उनकी कंपनी उपभोक्ताओं के दैनिक व्यंजनों के स्वाद को बेहतर बनाने के लिए सर्वोत्तम विकल्प प्रदान कर रही है।

हार्ट2हार्ट वॉक के लिए एस्टर डीएम फाउंडेशन का अभियान

नयी दिल्ली। हेल्थकेयर क्षेत्र की कंपनी एस्टर डीएम हेल्थकेयर के एस्टर वालंटियर्स हार्ट2हार्ट वॉक सीएसआर पहल के दूसरे संस्करण में एक व्यक्ति द्वारा एक दिन में चलने वाले प्रत्येक 10,000 कदमों के लिए एस्टर डीएम फाउंडेशन द्वारा सुविधा से वंचित बच्चों के लिए पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी के वास्ते 100 रुपये का दान दिया जाएगा। कंपनी द्वारा आज शुरू की गई इस पहल का समापन 16 अक्टूबर को होगा जिसमें बेंगलुरु के लोग एक साथ आएंगे और उस दिन सबसे अधिक कदमों को पूरा करने वालों को पुरस्कार दिया जाएगा। इसमें भाग लेने के इच्छुक लोगों को हार्ट2हार्टडॉटएस्टरवालंटियर्सडॉटकॉम पर ऑनलाइन पंजीयन करना होगा। अभियान अवधि के 2 सप्ताह तक प्रतिदिन न्यूनतम 10,000 कदम चल सकते हैं। भाग लेने वाले व्यक्तियों के संयुक्त प्रयासों से, एस्टर डीएम फाउंडेशन भारत में एस्टर वालंटियर्स ट्रीटमेंट एड प्रोग्राम के माध्यम से वंचित बच्चों के लिए पीडियाट्रिक कार्डिएक सर्जरी के लिए, प्रतिदिन न्यूनतम 10,000 कदमों के लिए 10 रुपये का दान करेगा। भारत में एस्टर डीएम हेल्थकेयर के प्रत्येक क्लस्टर में 16 अक्टूबर को एक मेगा इवेंट के साथ इस पहल का समापन होगा, जहां सबसे अधिक कदम चलने वाले वाले लोगों को पुरस्कार दिया जाएगा। विश्व हृदय दिवस 2021 पर शुरू की गई इस पहल के पहले संस्करण में दिखा रहे और जीसीसी की बड़ी भागीदारी देखी गई, जिसने इस उद्देश्य के लिए 22 लाख 60 हजार रुपये का योगदान दिया।

ताइवान एक्सपो इंडिया 2022 का मुंबई में शुभारंभ

मुंबई। ताइवान एक्सपो इंडिया के तीन दिवसीय छठे संस्करण का मुंबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में शुभारंभ हुआ जिसमें वहां की कंपनियां अपनी प्रौद्योगिकी और उत्पादों का प्रदर्शन कर रही है। ताइपे इकोनॉमिक एण्ड कल्चर सेंटर-इंडिया के इकोनॉमिक डिविजन की कार्यकारी निदेशक एस्टेला चेन ने शुभारंभ किया और उनके साथ-साथ ताइवान से वर्चुअल तरीके से ताइवान एक्सटर्नल ट्रेड डेवलपमेंट काउंसिल (टीएआईटीआरए) के अध्यक्ष जेम्स हुआंग भी शामिल हुये। ट्रगेदर टुवर्ड्स टुमॉरो'' के कॉन्सेप्ट पर आधारित थीम के साथ ताइवान एक्सपो 2022 रुचिकर ताइवानी ब्राण्डों के लिये अपने आप में अनोखा और काफी प्रासंगिक प्लेटफॉर्म देता है, ताकि वे भारतीय बाजार में कदम रख सकें। इससे लिये उन्हें नये और मौजूदा ग्राहकों के साथ नेटवर्किंग के बेजोड़ मौके दिये जाते हैं। ताइवान एक्सटर्नल ट्रेड डेवलपमेंट काउंसिल (टीएआईटीआरए) के इस प्रमुख आयोजन में 26 मशहूर ब्राण्डों 4 थीमों के पविलियंस में 52 नये उत्पाद प्रदर्शनी में दिखा रहे हैं और वर्चुअल पविलियन में लगभग 100 प्रदर्शक हैं। मल्टीमॉडल फॉर्मेट होने से विजिटर इसमें भौतिक अथवा वर्चुअल तरीके से भाग ले सकते हैं। इस एक्सपो ने 500 से ज्यादा भारतीय व्यवसायों का ध्यान खींचा है और इस साल अब तक बी2बी ऑनलाइन मीटिंग्स के लिये 500 से ज्यादा रजिस्ट्रेशंस हो चुके हैं।

आरआईएनएल ने 57 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 28215 करोड़ का किया कारोबार

नयी दिल्ली। सरकार की नवरत्न कंपनी राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने वित्त वर्ष 2021-22 में 57 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 28,215 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस अवधि में कंपनी ने छह वर्षों में पहली बार कर पूर्व लाभ अर्जित किया। आरआईएनएल ने बुधवार को विशाखापट्टनम में कंपनी की 40वीं वार्षिक आम बैठक का आयोजन किया। शेयरहॉल्डरों को संबोधित करते हुए कंपनी के सीएमडी अतुल भट्ट ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में परिचालन लाभ (एबिटडा) वार्षिक आधार पर 148 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3,469 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान आरआईएनएल ने 1,923 करोड़ रुपये का नगद लाभ प्राप्त किया। भट्ट ने कहा कि कोकिंग कोल संकट के कारण चौथी तिमाही में परिचालन में कटौती के बावजूद सभी प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में वित्त वर्ष के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया गया। वर्ष के दौरान 57.7 लाख टन हॉट मेटल का उत्पादन किया गया जो देश में सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्र की किसी एक इकाई के लिए सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने ऑटोमोबाइल सेक्टर के सेमीकंडक्टर चिप्स की कमी से प्रभावित रहने के बावजूद घरेलू बिक्री में 28 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पादन में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की।

बैटरी निर्माण क्षेत्र में वर्ष 2030 तक करना होगा 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश

नयी दिल्ली। देश को लिथियम-आयन बैटरी की केवल घरेलू बाजार में मांग को पूरा करने के लिए 2030 तक 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करने की आवश्यकता है। इस निवेश से सेल निर्माण और कच्चे माल के शोधन को बढ़ावा मिलेगा और 10 लाख से अधिक नयी नौकरियों का सृजन होगा।

आर्थर डी. लिटिल (एडीएल) की यहां बुधवार को जारी ई-मोबिलिटी-सेल मैन्युफैकचरिंग इन इंडिया रिपोर्ट में कहा गया कि देश को बैटरी निर्माण क्षेत्र में बड़े कदम उठाने की आवश्यकता है जिससे घरेलू और वैश्विक स्तर पर देश इस बाजार के लिए खुद को तैयार कर सके।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की लिथियम-आयन बैटरी की मांग वर्तमान के 3 जीडब्ल्यूएच (गीगावॉट घण्टा) से बढ़कर 2026 तक 20 जीडब्ल्यूएच और 2030 तक 70 जीडब्ल्यूएच हो जाएगी जिसकी वर्तमान में 70 प्रतिशत आवश्यकता पूरी करने के लिए चीन और हांगकांग से आयात किया जाता है।

बैटरी उत्पादन से जुड़े क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर चीन एक मजबूत खिलाड़ी है जिसमें खनन में उसका 23 प्रतिशत हिस्सा है जबकि शोधन में वह 80 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है। चीन की सेल उत्पादन में 73 प्रतिशत हिस्सेदारी है और उत्पादन में वह 20 प्रतिशत बैटरियों का निर्माता है।

बैटरी उत्पादन प्रक्रिया में सबसे पहले खनन और उसके बाद खनिजों का शोधन किया जाता है। इसके कैथोड उत्पादन के बाद सेल का उत्पादन किया जाता है। इसके बाद बैटरी का उत्पादन होता है।

वर्ष 2021 में चीन का निर्यात 78 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 28 अरब

डॉलर का रहा जो एक वर्ष पूर्व 16 अरब डॉलर का था। इसी तरह उत्पादन 23 प्रतिशत बढ़कर 23 अरब डॉलर पर पहुंच गया जो 2020 में 19 अरब डॉलर का था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-मोबिलिटी वैल्यू चेन का सबसे महत्वपूर्ण घटक ई-सेल है। भारतीय ईवी उद्योग आयात, सीमित स्थानीय विनिर्माण, कच्चे माल तक सीमित पहुंच और शोधन क्षमताओं पर अत्यधिक निर्भरता से ग्रस्त है।अनुसंधान एवं विकास में बड़े निवेश, सहायक सरकारी नीतियां, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह और भौगोलिक क्षेत्रों में कच्चे माल के संसाधनों के जबरदस्त अधिग्रहण से भारत को लिथियम-आयन बैटरी में आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद मिल सकती है।

सरकार को बैटरी के लिए आपूर्ति श्रृंखला को स्थानीय बनाने के लिए कई मोर्चों पर काम करना होगा, जिससे घरेलू निर्माताओं के लिए लिथियम, कोबाल्ट, मैंगनीज और निकल जैसे कच्चे माल की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर रिपोर्ट के लेखक बर्निक चित्रन मैत्रा (एडीएल के भारत में प्रबंधन साझीदार), फैबियन सेम्फ और प्राथमेश चौधरी के साथ डॉ एन्ड्रेस सीओसर के पैनल ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों में 40 प्रतिशत कीमत का हिस्सा बैटरी का होता है जिससे वर्तमान में उनकी कीमत अधिक है। बैटरी उत्पादन क्षेत्र में सही कदम उठाने के बाद इसकी कीमत आगामी 5-10 वर्ष में आधी हो सकती है। देश के लिए आगामी तीन से चार साल इस क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है।

सरकार और उद्योग पारिस्थितिकी तंत्र को स्थापित बैटरी निर्माताओं, ओईएम, एवं स्टार्ट-अप के साथ सहयोग करना होगा, लगातार शोध एवं अनुसंधान में निवेश करना होगा, साझेदारियां करनी होंगी और वैश्विक गठबंधन बनाने होंगे ताकि मजबूत आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण किया जा सके। ग्राहकों की मांग के साथ यह भारत को वैश्विक ईवी में बड़ी शक्ति में बदल सकता है।

पैनल के अनुसार फेम एक और दो नीतियों जैसे सरकारी प्रयास और ओईएम में वृद्धि, परंपरागत कंपनियां, आधुनिक स्टार्ट-अप्स द्वारा बैटरी निर्माण की शुरुआत जोर पकड़ रहा है लेकिन ये बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकते हैं। मशहूर ब्रांड प्रतिष्ठा हासिल करने के लिए भारतीय कंपनियों के लिए बेहतर गुणवत्ता और पर्यावरण मानकों हेतु प्रयास करना अनिवार्य है, जिससे भारत को सेल्स में आत्मनिर्भर बनने और इसे वैश्विक निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

ग्रेटर नॉएडा में शुरू हुआ तीन दिवसीय आरईआई एक्सपो

ग्रेटर नोएडा। नवीनीकरण ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े हितधारकों को एक मंच प्रदान करने वाला रिन्यूएबल एनर्जी इंडिया एक्सपो 2022 आज से यहा एक्सपो मार्ट में शुरू हो गया।

एशिया के इस सबसे बड़े एक्सपो का आयोजन इन्फोर्मा मार्केट द्वारा किया जा रहा है। इसमें 500 से अधिक एग्जीबीटरों ने 750 से अधिक ब्रांडों को प्रदर्शित किया है।

इस एक्सपो का केंद्रीय नवीनीकरण ऊर्जा राज्य मंत्री भगवंत खुबा ने शुभारंभ किया। आरईआई एक्सपो को इंडियन बायो गैस एसोसिएशन (आईबीए); ब्लूमबर्ग न्यू एनर्जी फाइनेंस (बीएनईएफ); नेशनल हाईवे ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (एनएचईवी); वर्ल्ड बिजनेस काउंसिल ऑफ सस्टेनेबल डेवलपमेंट (डब्ल्यूबीसीएसडी); काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) और ब्रिज टू इंडिया (बीटीआई) से अच्छा सपोर्ट मिला है। अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी में यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट, इंडो लैटिन अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स, क्लीनटेक बिजनेस क्लब और इंडो जर्मन एनर्जी फोरम शामिल हुए।

इस एक्सपो के 15वें संस्करण के आकर्षण को बढ़ाने के लिए आरईआई एक्सपो में विक्रम सोलर, क्लीनटेक सोलर, अदानी सोलर, विक्रम सोलर, हुआवेई, सात्विक, हैवेल्स, वारी, प्रीमियर एनर्जी, सनग्रो और गोल्डी सोलर जैसे उद्योग के दिग्गजों ने भाग लिया।

श्री खुबा न कहा कि सरकार ने आने वाले वर्षों में भारत को कार्बन उत्सर्जन मुक्त बनाने का लक्ष्य पहले ही निर्धारित कर लिया है और उद्योग भी उतनी ही कुशलता से जिम्मेदारी ले रहे हैं। निश्चित रूप से हम लक्ष्य को जल्द पूरा कर लेंगे। रिन्यूएबल एनर्जी एक्सपो ने ऊर्जा संसाधनों के नए खंड पेश किए हैं और स्थापित विशेषज्ञों की भागीदारी निस्संदेह हमारे देश को एक बेहतर दिशा में ले जाएगी। यह प्रदर्शनी उद्योगों के लिए बड़े पैमाने पर निवेश के अवसर पैदा करेगी, विदेशी निवेश को बढ़ावा देगी और उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करेगी। भारत रिन्यूएबल एनर्जी और वैकल्पिक स्रोतों, सौर, पवन और विद्युत ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है। सरकार हरित हाइड्रोजन उत्पादन की मात्रा बढ़ाने के उपाय भी कर रही है और उद्योगपतियों का समर्थन इस क्षेत्र को तेज गति देगा है।

इस अवसर पर इंफॉर्मा मार्केट्स के प्रबंध निदेशक योगेश मुद्रास ने कहा, आरईआई एक्सपो भारत में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में यह विचारों और दृष्टिकोणों पर चर्चा करने के लिए एक उपयुक्त मंच है जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अक्षय ऊर्जा विकास के भविष्य को आकार देगा। कई कंपनियां और हितधारक इस वर्ष अपने नवीनतम उत्पादों और इनोवेशन को बढ़ावा देंगे। अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां खुद ब खुद बयां करती हैं। देश दुनिया में चौथी सबसे बड़ी स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता के रूप में उभरा है और दुनिया भर में आरई क्षमता वृद्धि में उच्चतम वृद्धि दर दर्ज की है।

इसके अलावा, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिबद्ध शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का 2070 लक्ष्य भारत की अर्थव्यवस्था को 4.7 प्रतिशत अधिक बढ़ा सकता है और 2032 तक दो करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित कर सकता है। आरईआई एक्सपो विचार-विमर्श, मार्केट इंटेलिजेंस को साझा करने, बौद्धिक आदान-प्रदान करने, वैचारिक कूटनीति और समस्या-समाधान रणनीति के माध्यम से सक्षम बनाएगा।

सुरक्षित भुगतान के लिए लॉंच हुआ 100 पैसा पेमेंट ऐप

नयी दिल्ली। डिजिटल अर्थव्यवस्था और डिजिटल लेनदेन को मिल रहे बढ़ावा के बीच सुरक्षित भुगतान की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुये 100 पैसा पेमेंट ऐप लॉंच किया गया है।

लॉंच के अवसर पर कंपनी के संस्थापक धनन्जय कुमार पांडेय ने यहां कहा हमारा यह ऐप हर प्रकार के पेंमेंट के लिए बहुत सुरक्षित है। 100 पैसा पेमेंट ऐप के फीचर दुनिया के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले देश में बैंकों की दक्षता बढ़ाने में भी बड़ी भूमिका निभाएगा। यह ऐप यूपीआई का उपयोग करने वाले ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का विश्वास बनाने में मदद करेगी।100 पैसा पेमेंट ऐप कई देश के कई शहरों में सफल होगा और सभी हितधारकों, विशेष रूप से बैंकों को कोर बैंकिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर वेग को कम करने में लाभान्वित करेगा।

उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के जमाने में डिजिटल पेमेंट भी जमकर किया जा रहा है। यूपीआई आईडी के जरिए पेमेंट बेहद आसानी से हो जाता है। एक वक्त था, जब सामान खरीदने के लिए कैश ले जाने की जरूरत होती थी लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब मोबाइल में कई प्लेटफॉर्म मौजूद हैं, जिनकी मदद से बड़े से बड़ा ट्रांजेक्शन भी चुटकियों में हो जाता है।

पेमेंट ऐप की भीड़ की वजह से ढेर सारे यूपीआई आईडी भी बन जाते हैं। दरअसल, जितने ऐप को इस्तेमाल करेंगे वो आपके अकाउंट की उतने ही यूपीआई आईडी बनाते हैं। ऐसे में कई बार उन्हें इस्तेमाल करना भारी होने लगता है। इन्हीं समस्याओं के समाधान के लिए 100 पैसा पेमेंट ऐप लॉंच किया गया है।

आर्थिक मंदी के खतरे से सहमा शेयर बाजार

मुंबई । ऊंची ब्याज दर और ऊर्जा संकट से दुनिया के एक बार फिर आर्थिक मंदी की चपेट में आने के खतरे से वैश्विक बाजार के दो वर्ष के निचले स्तर तक लुढ़कने के दबाव में स्थानीय स्तर पर धातु, बैंकिंग, पावर और वित्तीय सेवाएं समेत चौदह समूहों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार लगातार छठे दिन भी गिरकर बंद हुआ। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 509.24 अंक यानी 0.89 प्रतिशत लुढ़ककर दो माह के निचले स्तर और 57 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 56598.28 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) 148.80 अंक अर्थात 0.87 टूटकर 17 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 16858.60 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.47 फीसदी उतरकर 24,437.61 अंक और स्मॉलकैप 0.43 फीसदी गिरकर 27,870.64 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में 3532 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2092 गिरावट जबकि 1335 में तेजी रही वहीं 105 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 35 कंपनियां लाल जबकि शेष 15 हरे निशान पर रही। विश्लेषकों के अनुसार, दुनिया भर में ऋण दरों में हो रही बढ़ोतरी और ऊर्जा संकट से एक बार फिर वैश्विक आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ता दिख रहा है। इससे सहमे निवेशकों के इक्विट से निवेश से निकालने से अंतर्राष्ट्रीय शेयर बाजार दो वर्ष के निचले स्तर पर आ गए। इसका दबाव घरेलू बाजार पर भी देखा जा रहा है। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 1.38, और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.58 प्रतिशत लुढ़क गया।

टाटा ने पेश की देश की पहली इलेक्ट्रिक हैचबैक टियागो ईवी

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने इलेक्ट्रिक वाहनों के सेंगमेंट में पहली हैचबैक कार टियागो ईवी को पेश कर दिया है। इसकी बुकिंग 10 अक्टूबर से शुरू होगी।

टाटा मोटर्स ने बुधवार को कहा कि टियागो ईवी की एक्स शोरूम कीमत 8.49 लाख रुपये से शुरू होकर टॉप वेरिएंट की कीमत 11.79 लाख रुपये है। ग्राहक कंपनी की अधिकृत डीलरशिप या वेबसाइट पर 21 हजार रुपये की बुकिंग राशि देकर कार बुक करा सकते हैं जिसकी डिलीवरी जनवरी 2023 से मिलेगी।

टियागो ईवी जिपट्रॉन तकनीक पर आधारित है जो देश की अनोखी ड्राइविंग और मौसम की स्थिति के

अनुकूल दुनिया भर में प्रतिस्पर्धी हाईवोल्टेज इंफ्रास्ट्रक्चर के आधार पर टाटा मोटर्स द्वारा विकसित की गई है। इसे दो चार्जिंग विकल्पों 24 और 19.2 किलोवॉट बैटरी पैक के साथ पेश किया गया है जिसकी रेंज क्रमश: 315 और 250 किलोमीटर है। कंपनी बैटरी और मोटर पर 8 साल या एक लाख 60 हजार किलोमीटर की वॉरंटी दे रही है। हैचबैक कार चार्जिंग के चार समाधानों के साथ आती है जिसकी कीमत अलग-अलग रखी गयी है। इसमें सबसे खास डीसी फास्ट चार्जिंग है जो महज 30 मिनट की चार्जिंग में 110 किमी की रेंज के लिए चार्ज कर देती है। इसकी मदद से कार को 57 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है।

टाटा ने कार में कॉन्ट्रस्ट रूफ, पूरी तरह ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, प्रोजेक्टर हेडलैंप और क्रूज कंट्रोल जैसे फिचर्स दिए हैं। इसके साथ ही इसमें रेन-सेंसिंग वाइपर्स, ऑटो हेड लैम्प, इलेक्ट्रिक ऑटो फोल्ड के साथ ओआरवीएम्स, पुश बटन स्टार्ट या स्टॉप की सुविधाएं दी गयी है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा,टाटा टियागो एक आदर्श हैचबैक है जो प्रमुख सुरक्षा और तकनीकी फीचर्स के साथ इकोफ्रेंडली यातायात का साधन प्रदान करती है। यह अपने सेग्मेंट में पहली कार होगी जो सभी ट्रिम्स में स्टैण्डर्ड तौर पर श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ कनेक्टेड फीचर्स की पेशकश करती है। रोमांचक, आसान ड्राइविंग और शानदार इंटीरियर के साथ इस कार के परिवार के सभी लोगों का पसंदीदा वाहन बनने की संभावना है।

उन्होंने कहा,हम ऑटो उत्सर्जन से कार्बन फुटप्रिंट में कटौती के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने में अपनी भूमिका पर पूरा ध्यान केंद्रित करेंगे और 2026 तक 10 ईवी के पोर्टफोलियो के साथ उपभोक्ताओं को ज्यादा विकल्प प्रदान करेंगे।

सेल ने पहली बार एक लाख करोड़ का कारोबार किया : मंडल

नयी दिल्ली। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की अध्यक्ष सोमा मंडल ने आज कहा कि वर्ष 2021-22 में उनकी कंपनी ने पहली बार एक लाख करोड़ रुपये का कारोबार करने का रिकार्ड बनाया है।

श्रीमती मंडल ने आज कंपनी के मुख्यालय में 50वीं वार्षिक आम बैठक को वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से शेयरधारकों को संबोधित करते हुये यह बात कही। उन्होंने कंपनी की भविष्य की योजना को रेखांकित करते हुए कहा कि सेल ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 18.733 मिलियन टन (एमटी) हॉट मेटल और 17.366 एमटी कच्चे स्टील का उत्पादन कर अपने सर्वश्रेष्ठ उत्पादन का प्रदर्शन किया है।

कंपनी ने पहली बार भारतीय कंपनियों के एलीट क्लब में प्रवेश किया, जिसका टर्नओवर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1.03 लाख करोड़ रुपये का कारोबार कर पिछले वित्त वर्ष 2020-2021 के दौरान 68452 करोड़ रुपए के सर्वश्रेष्ठ कारोबार की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हासिल की है।

बेहतर प्रचालानिक प्रदर्शन ने टर्नओवर में वृद्धि करने के साथ ही कंपनी को लाभप्रदता के मामले में अब तक के उच्चतम आंकड़े हासिल करने में मदद की। सेल अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2022, देश के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है और भारत ने आजादी के 75 गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं।

उन्होंने कहा कि यह आधुनिक भारत की यात्रा में एक असाधारण मील का पत्थर है जो भारत 2.0 में आगे बढ़ने के लिए भारत की तैयारी के आलोक में और अधिक महत्व रखता है। सेल अपने आंतरिक शक्ति और उपलब्ध संसाधनों का लाभ उठाकर भारत की इस विकास गाथा में योगदान करने के लिए तैयार है।उन्होंने कहा कि सेल एक जिम्मेदार तथा नैतिक कॉर्पोरेट के रूप में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है और उसने अपने ईएसजी लक्ष्यों को पूरा करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है।

आने वाले समय में, सेल वैश्विक मानकों को पूरा करने के लिए कार्बन उत्सर्जन के संबंध में कई और पहल करेगा। सस्टेनेबिलिटी पर समुचित जोर देने के साथ, कंपनी भविष्य के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप का निर्माण करते हुए अपनी प्रक्रियाओं, उत्पाद रेंज, नीतियों में लगातार सुधार कर रही है।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार में लगभग दो सप्ताह से गिर रही कच्चे तेल की कीमतों के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम बुधवार को भी स्थिर रहे। कच्चे तेल की कीमत पिछले आठ महीनों के न्यूनतम स्तर पर हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर गयी हैं। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.50 प्रतिशत गिरकर 84.98 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड भी 1.48 प्रतिशत के दबाव से 77.34 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में पिछले चार महीने से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

आगामी तिमाहियों में डॉलर, कच्चे तेल पर नजर बनाए रखने की आवश्यकता

मुंबई। एमके वेल्थ मैनेजमेंट के शोध प्रमुख डॉ जोसेफ के थॉमस ने कहा कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के लिए मुद्रास्फीति चिंता का विषय बन गयी है और केंद्रीय बैंक आक्रामक दरों में बढ़ोतरी का सहारा ले रहे हैं। यह कदम मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ा सकता है जो अल्पावधि में प्रतिकूल साबित हो सकता है। अगली कुछ तिमाहियों में डॉलर सूचकांक और कच्चा तेल दो प्रमुख संकेतक है जिनपर नजर रखने की आवश्यकता है। एमके वेल्थ मैनेजमेंट ने बुधवार को संपत्ति आवंटन के महत्व, बढ़ती ब्याज दर परिदृश्य में निश्चित कमायी एवं कर्ज फंड में बढ़ते अवसर पर 'मीडियास्केप क्यू2' वेबिनार का आयोजन किया। कंपनी के निश्चित आय के प्रमुख विशाल अमरनानी ने कहा,हम बढ़ती दरों के कारण निश्चित आय और ऋण के लिए धन प्रवाह देख रहे हैं और विश्वास है कि दर यहां से अधिक होगी। सिस्टम की तरलता में 21,800 करोड़ रुपये से अधिक की कमी है। इसके साथ-साथ वैश्विक बॉन्ड इंडेक्स में भारतीय बॉन्ड को शामिल करने में देरी के कारण सरकारी प्रतिभूतियों की पैदावार में भी वृद्धि हुई है। उम्मीद के मुताबिक बेंचमार्क यील्ड 7.40-7.50 के स्तर पर वापस आ गई है। वेबिनार में कहा गया कि महामारी के बाद के वर्षों में वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा मुख्य रूप से आसान मौद्रिक नीतियों के कारण विश्व बाजार में एक निरंतरता देखी गयी। इसके विपरीत वर्ष 2022 की दूसरी छमाही में पश्चिम में तेज सुधार देखा गया जो भारतीय बाजारों के लिए अपेक्षित सुधार से कम था। आसान मौद्रिक नीति के कारण मुद्रास्फीति उस स्तर तक बढ़ गई जो दशकों में कभी नहीं देखी गई इसके परिणामस्वरूप दरों में वृद्धि हुई और अतिरिक्त तरलता का उलटफेर हुआ।

देश के पहले 3000एफ हाई पावर सुपरकैपेसिटर का निर्माण

नयी दिल्ली। स्वदेशी प्रौद्योगिकी से लिथियम-आयन सेल्स बनाने हेतु बीआईएस प्रमाणन प्राप्त करने वाली पहली भारतीय कंपनी गोदी इंडिया ने अब अपने हैदराबाद संयंत्र में भारत के पहले 3000 एफ उच्च शक्ति सुपरकैपेसिटर का निर्माण करने की घोषणा की है।

कंपनीने आज यहां जारी बयान में कहा कि बैटरी पैक्स के साथ गोदी इंडिया के सुपरकैपेसिटर के एकीकरण से इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) और अक्षय ऊर्जा भंडारण प्रणाली (ईएसएस) अनुप्रयोगों में बैटरी लाइफ में कई गुना सुधार होगा। गोदी इंडिया सुपरकैपेसिटर के डिजाइन, विकास और प्रदर्शन का श्रेय डॉ मिलन जना और डॉ पुष्पेंद्र सिंह को जाता है।

कंपनी का दावा है कि उसने सुपरकैपेसिटर उत्पादों की श्रृंखला विकसित की है जो उच्च बिजली वितरण, न्यूनतम ईएसआर (इक्विवैलेंट सीरिज रेजिस्टेंस), उत्कृष्ट ऊर्जा घनत्व, बेहतर शॉक और कंपन सुरक्षा एवं लाखों चार्ज-डिस्चार्ज चक्र प्रदान करता है। सुपरकैपेसिटर का उपयोग पावर-स्मूथिंग, पिच-कंट्रोल, स्टार्ट-स्टॉप, रीजनरेटिव-ब्रेकिंग, स्मार्ट-ग्रिड, एक्टिव हीव कंपंसेशन और स्पेशियलिटी यूपीएस एप्लिकेशन में होता है। गोदी इंडिया के सुपरकैपेसिटर, वेस्ट टू वेल्थ कॉन्सेप्ट के उदाहरण हैं।

कंपनी के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश गोदी ने कहा, गोदी इंडिया जल-आधारित इलेक्ट्रोड प्रोसेसिंग का उपयोग करके किफायती और संयंत्र-आधारित कार्बन-कार्बन सुपरकैपेसिटर का उत्पादन कर रहा है। हमारे पास 3000एफ तक के विभिन्न प्रकार के सुपरकैपेसिटर उत्पाद हैं। वर्तमान में, हम हाई-वोल्टेज लिथियम-आयन कैपेसिटर भी विकसित करने की प्रक्रिया में हैं।

हम व्यापक तरह के अनुप्रयोगों की विस्तृत श्रृंखला में लेड-एसिड बैटरी के प्रतिस्थापन के लिए उच्च ऊर्जा घनत्व वाले हाइब्रिड कैपेसिटर पर भी काम कर रहे हैं। ये कैपेसिटर पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ, हरे और स्वच्छ हैं, और ये काफी रिसाइक्लेबल हैं।

सुपरकैपेसिटर के वैश्विक बाजार का आकार वर्ष 2030 तक 25 अरब डॉलर होने का अनुमान है। भारत को चौथा सबसे बड़ा ऑटोमोटिव निर्माता और दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता मानते हुए और तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ते कदम के साथ, यह अनुमान है कि सुपरकैपेसिटर बाजार में अगले पांच वर्षों में 5 अरब डॉलर के बाजार आकार के साथ 16 प्रतिशत से अधिक दर से वृद्धि होगी। भविष्य की योजना के बारे में उन्होंने कहा कि गोदी इंडिया विभिन्न स्थानीय आवश्यकताओं और निर्यात बाजारों की जरूरतें पूरा करने के लिए 200 किलोवाट घंटा वाले सुपरकैपेसिटर के उत्पादन हेतु संयंत्र शुरू करने की योजना बना रहा है।

गोदी इंडिया महत्वपूर्ण खंडों की आवश्यकताओं के अनुसार विशिष्ट जरूरतों के अनुरूप डिज़ाइन किए गए सुपरकैपेसिटर उत्पादों को विकसित करने पर जोर दे रहा है और इसका लक्ष्य अगले एक वर्ष में सुपरकैपेसिटर निर्माण की 100 प्रतिशत आपूर्ति श्रृंखला को स्थानीयकरण करना है।

नई दिल्ली
गुरुवार 29 सितंबर 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

सिग्नेचर की जीत में भगवती, अनुष्का की तिकड़ी

नयी दिल्ली। सिग्नेचर एफसी ने प्लेयर ऑफ द मैच भगवती चौहान और अनुष्का की तिकड़ियों की मदद से जगुआर एफसी को नौ गोलों से परास्त कर खेलो इंडिया प्रीमियर लीग में बड़ी जीत दर्ज की। दिन के पहले मैच में रॉयल रेंजर्स ने कियोको एलिजाबेथ के दो दर्शनीय गोलों से ईव्स को 4-0 से हराया। सिग्नेचर की स्टार खिलाड़ी भगवती के सभी गोल शानदार रहे। उन्होंने कप्तान स्वाति रावत के सधे हुए पासों का भरपूर उपयोग किया। अंतरराष्ट्रीय अनुष्का सैमुएल के गोल भी उच्च स्तरीय थे। हॉप्स एफसी अपने सभी मैच जीत कर खिताब के करीब पहुंच गयी है। दूसरे स्थान की होड़ में सिग्नेचर और गढ़वाल शामिल हैं।

ओलंपियन अन्नू रानी होंगी राष्ट्रीय खेलों में यूपी की ध्वज वाहक

लखनऊ। गुजरात में 29 सितम्बर से शुरू होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेलों में ओलंपियन जेवलिन थ्रोअर एथलीट अन्नू रानी उत्तर प्रदेश के 415 सदस्यीय दल की ध्वजवाहक होंगी। राष्ट्रीय खेलों में उत्तर प्रदेश 26 खेलों में हिस्सा ले रहा है। इन खेलों में उत्तर प्रदेश का 415 सदस्यीय दल शामिल होगा। आगामी 29 सितंबर से 12 अक्टूबर तक होने वाले राष्ट्रीय खेलों के लिये उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन ने बुधवार को खिलाड़ियों और आफिशियल की अंतिम सूची जारी कर दी। उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने यहां पत्रकारों को बताया कि नेशनल गेम्स के लिये यूपी के खिलाड़ियों ने पुख्ता तैयारी की है। खेल निदेशालय के समन्वय से खिलाड़ियों के ट्रेनिंग कैंप विभिन्न शहरों में आयोजित किये गये थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के दल में कुल 307 खिलाड़ी (187 पुरुष, 120 महिला) शामिल है। हालांकि राष्ट्रीय खेलों में टेबल टेनिस की स्पर्धाएं हो चुकी है जिसके चलते उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी 25 खेलों में पदकों के लिए दावेदारी करने उतरेंगे वहीं किन्हीं कारण वश हैंडबॉल को नेशनल गेम्स में जगह नहीं मिल सकी है। इससे पूर्व केरल में 31 जनवरी से 15 फरवरी 2015 तक आयोजित 35वें राष्ट्रीय खेल-2015 में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने सात स्वर्ण, 31 रजत व 30 कांस्य पदक सहित कुल 68 पदक अपने नाम किए थे।

कोविड-19 से उबरे मोहम्मद शमी

नयी दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कोरोना से उबर गये हैं। शमी ने अपनी कोविड-19 रिपोर्ट बुधवार को इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए इसकी घोषणा की। शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 शृंखला से पहले कोरोना संक्रमित हो गये थे और वायरस से समय पर न उबर पाने के कारण दक्षिण अफ्रीका टी20 शृंखला से भी बाहर हो गये। चयनकर्ता समिति ने दोनों शृंखलाओं के लिये शमी की जगह उमेश यादव को टीम में शामिल किया। शमी को ऑस्ट्रेलिया में अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिये बतौर अतिरिक्त खिलाड़ी टीम में शामिल किया गया है, हालांकि उन्होंने नवंबर 2021 के बाद से एक भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है।

नसीम शाह अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

लाहौर। पाकिस्तान के युवा तेज गेंदबाज नसीम शाह को वायरल बुखार के कारण यहां अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बताया कि नसीम बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पांचवें टी20 में हिस्सा लेने वाले थे लेकिन सेहत बिगड़ने के बाद मंगलवार को देर रात उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत अब बेहतर है लेकिन सात मैचों की शृंखला के बाकी दो मैचों में उनके खेलने पर संशय है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक बयान में कहा, उन्हें वायरल बुखार के साथ अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन अब वह बेहतर महसूस कर रहे हैं। बयान में कहा गया है, वह आज रात नहीं खेलेंगे और बाकी मैच खेलने पर कोई फैसला मेडिकल पैनल की सलाह पर लिया जाएगा। नसीम ने पिछले तीन मैचों में बाहर बैठने से पहले शृंखला का पहला मैच खेला था। घुटने की चोट के कारण टीम से बाहर शाहीन अफरीदी की गैरमौजूदगी में 21 वर्षीय नसीम पाकिस्तान के महत्वपूर्ण गेंदबाज रहे हैं। शाहीन और नसीम दोनों को पाकिस्तान की टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया है।

भारतीय प्रशंसकों से मिलेंगे मैनचेस्टर यूनाइटेड के ब्राउन, सिल्वेस्ट्रे

कोलकाता/मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब (एमयूएफसी) के दिग्गज खिलाड़ी वेस ब्राउन और मिकेल सिल्वेस्ट्रे रविवार, 16 अक्टूबर को कोलकाता में भारतीय प्रशंसकों से मुलाकात करेंगे। क्लब ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि वेस और ब्राउन आई लव युनाइटेड आयोजन में प्रशंसकों से मुलाकात करेंगे, जिसके लिये कोलकाता को चुना गया है। यह आयोजन पिछले साल फरवरी में होना था लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। आई लव युनाइटेड कोलकाता के बिग लॉन निक्को पार्क में शाम चार बजे से लाइव मैच की स्क्रीनिंग के साथ होगा जहां यूनाइटेड के दिग्गज ब्राउन और सिल्वेस्ट्रे पूरे दिन प्रशंसकों से मिलेंगे। ब्राउन और सिल्वेस्ट्रे यूनाइटेड में शानदार करियर का आनंद ले चुके हैं। प्रत्येक ने पांच प्रीमियर लीग खिताबों के अलावा यूरोप की बड़ी फुटबॉल लीग यूईएफए चैंपियंस लीग भी जीती है। फुटबॉल से सन्यास लेने से पहले वह भारत में क्रमश: केरल ब्लास्टर्स और चेन्नईयिन के साथ खेल चुके हैं। एमयूएफसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी, संधी एवं साझेदारी, विक्टोरिया टिम्पसन ने कहा, हम भारतीय प्रशंसकों से मिलना पसंद करते हैं, पिछले साल फरवरी में नियोजित आई लव यूनाइटेड कार्यक्रम को महामारी के कारण स्थगित करना काफी निराशाजनक था, लेकिन इससे हमें भारत में अपने प्रशंसकों से पूछ कर भारत में इस आयोजन के लिए अगला मेजबान शहर तय करने का मौका प्राप्त हुआ जिससे हम उन्हें दिखा पाए कि हम उनके समर्थन और राय को कितना महत्व देते हैं।

झारखंड ने 61वां सुब्रतो कप अंडर-17 महिला खिताब जीता

नयी दिल्ली। सेंट पैट्रिक स्कूल (झारखंड) ने 61वें सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबाल टूर्नामेंट के फाइनल में बुधवार को वुंगाई हायर सेकेंडरी स्कूल (मणिपुर) को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में खेले गये मैच में झारखंड के गोल अनीता डुंगडुंग (पांचवां मिनट) और एलफा केंडुलना (69वां, 71वां मिनट) ने जमाये। मणिपुर का एकलौता गोल टीएच रेमी (52वां मिनट) ने किया। अनीता ने झारखंड को शानदार शुरुआत दिलाते हुए मुकाबले के 5वें मिनट में ही पहला गोल दाग दिया। टीएच रेमी ने मैच में रोमांच भरते हुए 52वें मिनट में मणिपुर के लिए गोल करके मुकाबले को 1-1 से बराबर किया, लेकिन अतिरिक्त समय में एलफा के दो गोलों ने झारखंड की जीत सुनिश्चित की। इंडियन एयर फोर्स के वाइस चीफ, एयर मार्शल संदीप सिंह और ओलंपियन साक्षी मलिक ने झारखंड को पुरस्कार से नवाजकर खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। एयर मार्शल सिंह ने विजेता टीम की तारीफ करते हुए कहा, राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने के लिये सुब्रतो कप एक बेहतरीन माध्यम है। यह स्कूली महिला खिलाड़ियों के करियर का पहला कदम होगा। मैं ना सिर्फ विजेता खिलाड़ियों को बल्कि कोच और अन्य सहयोगियों को बधाई देना चाहता हूं, जिन्होने इन खिलाड़ियों को ऐसी प्रतियोगिता जीतने के काबिल बनाया। मैं सभी को बेहतरीन भविष्य के लिये शुभकामनाएं देता हूं। साक्षी मलिक ने कहा, यह काफी खुशी की बात है कि भारतीय वायुसेना इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन कर रही है जो जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को बढ़ने में काफी सहायता करेगी। मैं आशा करती हूं कि इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन लगातार होता रहे। 61वां सुब्रतो कप अब अंडर-17 पुरूष प्रतियोगिता की तरफ बढ़ेगा जिसका आयोजन तीन से 13 अक्टूबर के बीच होना है।

टी20 रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे सूर्यकुमार

एजेंसी

दुबई। भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 शृंखला में शानदार प्रदर्शन की बदौलत आईसीसी टी20 रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।

आईसीसी की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार सूर्यकुमार टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक पायदान चढ़कर 801 रेटिंग पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गये। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिज़्वान पहले स्थान पर बरकरार हैं।

सूर्यकुमार ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में 36 गेंदों पर 69 रन की पारी खेलकर भारत को 187 रन के लक्ष्य का पीछा करने में मदद की थी।

वह पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म (तीसरा स्थान) और दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करम से आगे (चौथा स्थान) रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं, लेकिन शीर्ष पर विराजमान रिज़्वान से 60 पॉइंट पीछे हैं।

रिज़्वान ने पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच जारी टी20 शृंखला में इस सप्ताह हुए तीन मैचों में 184 रन जोड़े हैं, और 861 रेटिंग पॉइंट के साथ पहले स्थान पर कायम हैं। इसी बीच, ऑस्ट्रेलियाई शृंखला में सर्वाधिक आठ विकेट लेने वाले अक्षर पटेल गेंदबाजों की टी20 रैंकिंग में 15 पायदान की बड़ी छलांग लगाकर 18वें स्थान पर आ गये हैं। दूसरी ओर, डेथ ओवरों में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण भुवनेश्वर कुमार एक पायदान फिसलकर 10वीं रैंकिंग पर आ गये हैं। हार्दिक पांड्या हरफनमौलाओं की टी20 रैंकिंग में श्रीलंका के वानिंदू हसरंगा के साथ संयुक्त रूप से चौथे पायदान पर हैं।

प्रीमियर लीग: विजेता तय, उपविजेता का फैसला बाकी

नयी दिल्ली। वाटिका एफसी ने पहली दिल्ली प्रीमियर लीग का खिताब जीत लिया है। वाटिका टूर्नामेंट के 20 मैचों में 44 अंक अर्जित करके 3.5 लाख के पहले पुरस्कार की हकदार बन चुकी है। अब दूसरे से दसवें स्थान की टीमों का फैसला होना बाकी है।

दूसरे-तीसरे स्थान के लिए दिल्ली एफसी, गढ़वाल हीरोज और सुदेवा एफसी के बीच होड़ जारी है, जिसका निपटारा 29 सितंबर को खेले जाने वाले मैचों से होगा। नेहरू स्टेडियम में खेला जाने वाला पहला मैच गढ़वाल एफसी और वायु सेना के बीच होगा, जबकि दूसरे मैच में दिल्ली एफसी और सुदेवा एफसी आमने-सामने होंगे। मुकाबले खत्म होने के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता, उपविजेता और अन्य को पुरस्कृत किया जाएगा। जुलाई 15 से शुरू हुई लीग में 110 मैच खेले गए, जिनमें नया क्लब वाटिका चैंपियन बना।

वापसी पर चमके अर्शदीप, भारत ने आठ विकेट से जीत दर्ज की

एजेंसी

तिरुवनन्तपुरम। भारत ने अर्शदीप सिंह (32/3) सिंह की घातक गेंदबाजी के बाद सूर्यकुमार यादव (50 नाबाद) और लोकेश राहुल (51 नाबाद) की अर्द्धशतकीय पारियों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को पहले टी20 मैच में बुधवार को आठ विकेट से मात दी।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत के सामने 20 ओवर में 107 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे भारत ने 16.4 ओवर में हासिल कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया टी20 शृंखला में टीम से बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले अर्शदीप सिंह ने अपनी स्विंग गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को लाजवाब किया और तीन विकेट झटककर जीत की नींव रखी। इसके बाद सूर्यकुमार और राहुल ने दूसरी पारी में तीसरे विकेट के लिये 93 रन की नाबाद साझेदारी करके भारत को जीत दिलाई।

दक्षिण अफ्रीका के लिये केशव महाराज ने 35 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की बदौलत 41 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन यह उनकी टीम को जीत दिलाने के लिये काफी नहीं था।

भारत ने 107 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत में संघर्ष किया। कागिसो रबाडा ने तीसरे ओवर में रोहित शर्मा को शून्य रन पर आउट किया और टीम पहले छह ओवरों में एक विकेट के नुकसान पर सिर्फ 17 रन बना सकी। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत का सबसे छोटा पावरप्ले स्कोर है।

पावरप्ले के बाद पहली ही गेंद पर विराट कोहली (03) भी आउट हो गये। इसके बाद सूर्यकुमार और राहुल ने भारतीय पारी को गति देते हुए तीसरे विकेट के लिये 63 गेंदों पर 93 रन की साझेदारी करके टीम को जीत तक पहुंचाया।

सूर्युकमार ने 33 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की बदौलत 50 रन बनाये। राहुल ने उनका साथ देते हुए दो चौकों और चार छक्कों के साथ 51 रन जोड़े, हालांकि उन्होंने इसके लिये 56 गेंदें खेलीं।

पारी की शुरुआत में संघर्ष कर रहे राहुल ने 36 गेंदों पर सिर्फ 15 रन बनाये थे, लेकिन 10वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जीवनदान मिलने के बाद उन्होंने पारी की रफ्तार बदली। सलामी बल्लेबाज ने अगली 20 गेंदों पर 36 रन जोड़े और छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से कागिसो रबाडा ने चार ओवर में एक मेडेन के साथ 16 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि नॉर्खिया ने तीन ओवर में 32 रन देकर एक विकेट चटकाया।

इससे पहले, कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और भारतीय गेंदबाजों ने उनके फैसले को सही ठहराते हुए 42 रन पर दक्षिण अफ्रीका के छह बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया।

चाहर ने कप्तान टेंबा बावुमा, और ट्रिस्टन स्टब्स को शून्य रन पर आउट किया जबकि अर्शदीप ने क्विंटन डी कॉक, राइली रूसो और डेविड मिलर को क्रमश: एक, शून्य, शून्य के स्कोर पर पवेलियन लौटाया।

एडेन मार्करम (25) ने हर्षल पटेल की गेंद पर पगबाधा होने से पहले वेन पार्नेल के साथ छठे विकेट के लिये 32 रन जोड़े।

यूपी की शगुन युगल खिताब के करीब, एकल में भी पहुंची सेमीफाइनल में

एजेंसी

लखनऊ। एशियन जूनियर टेनिस टूर्नामेंट के अंडर-16 मुकाबलों के तीसरे दिन बुधवार को उत्तर प्रदेश की शगुन कुमारी ने अपने शानदार खेल की बदौलत बालिका एकल वर्ग में न सिर्फ सेमीफाइनल में अपना स्थान सुरक्षित किया बल्कि अपनी जोड़ीदार जया कपूर के साथ युगल मुकाबले के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

विजयंतखंड स्टेडियम के कोर्ट पर खेली जा रही प्रतियोगिता में शगुन और जया कपूर की जोड़ी ने रूबानी कौर सिद्धू और शक्ति मिश्रा की जोड़ी को हराकर खिताब की तरफ कदम बढ़ा दिया है वहीं बालिका वर्ग के एकल मुकाबलों में शगुन के अलावा जया कपूर, ए.खोराकीवाला और रिधिमा सिंह भी सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं।

बालिका वर्ग के क्वार्टरफाइनल सिंगल्स मुकाबलों में आज यूपी की शगुन कुमारी ने जुफिशा खान को सीधे सेटों में 6-0,6-1 से हरा दिया। शगुन के शानदार ग्राउंड स्ट्रोक्स के सामने जुफिशा की एक नहीं चली। उधर प्रथम वरीयता प्राप्त जया कपूर ने प्रज्ञा यादव को बिना एक भी गेम गवाए 6-0,6-0 से हरा दिया वहीं चौथी वरीयता प्राप्त ए.खोराकीवाला ने अपनी प्रतिद्वंदी आर.कौर सिद्धू को आसानी से 6-2,6-1 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी बर्थ पक्की कर ली। बालिका वर्ग का आखिरी क्वार्टरफाइनल मुकाबला पूरा नहीं हो सका। इस मुकाबले में इशिता मिधा ने चोट के कारण मैच अधूरा छोड़ दिया। इस मैच में रिधिमा सिंह को विजेता घोषित किया गया।

बालक वर्ग के मुकाबले में उलटफेरों का दौर आज भी जारी रहा। टूर्नामेंट के सबसे बड़े उलटफेर के तहत प्रथम वरीयता प्राप्त नमिष शर्मा को हार का सामना करना पड़ा। उन्हें पांचवी वरीयता प्राप्त आदित्य मोर ने आसानी से 6-2,6-2 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। अन्य मुकाबलों में तीसरी वरीयता प्राप्त दक्ष कपूर ने रुद्र बाथम को कड़े संघर्ष के बाद 3-6,6-3,6-3 से हारकर उनकी चुनौती एकल में समाप्त कर दी। बालक वर्ग के एक और क्वार्टरफाइनल में आराध्य क्षितिज ने चौथी वरीयता प्राप्त प्रनिल शर्मा को 6-3,6-3 से सीधे सेटों में पराजित कर दिया। आखिरी क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त ऐश्वर्य मेहरा ने अद्वित तिवारी को 6-2,6-4 से हराकर इस टूनार्मेंट में उनकी दावेदारी को खत्म कर दिया।

एशियन जूनियर टेनिस के तीसरे दिन युगल मुकाबलों के सेमीफाइनल खेले गए। बालिका वर्ग के युगल मुकाबलों में शगुन कुमारी और जया कपूर की जोड़ी अब खिताब से एक कदम दूर है। उन्होंने अपना मुकाबला 7-6(6), 6-2 से जीत लिया। उनका फाइनल में मुकाबला सिधक कौर और रिधिमा सिंह की जोड़ी से होगा। दूसरे सेमीफाइल मुकाबले में सिधक कौर और रिधिमा सिंह की जोड़ी ने सताक्षिका सहायक और परिज्ञा यादव की जोड़ी को 6-4,6-3 से हरा दिया। बालक वर्ग के सेमीफाइनल में आदित्य मोर और प्रनिल शर्मा की जोड़ी ने दक्ष कपूर और आराध्य क्षितिज की जोड़ी को 6-2,6-4 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है।

दुनिया भर में अवैध पुलिस स्टेशन खोल रहा चीन, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देश भी दे रहे ड्रैगन का साथ!

बीजिंग। चीनी सरकार ने दुनिया भर में कई अवैध पुलिस स्टेशन खोले हैं। ये खबरें ऐसे समय में सामने आई हैं जब पश्चिमी देश अमेरिका के साथ मिलकर चीन पर शिकंजा कसने का प्रयास कर रहे हैं। रिपोर्टों में कहा गया है कि चीन ने कनाडा और आयरलैंड में भी अवैध पुलिस स्टेशन खोले हैं। विदेशी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीन द्वारा पुलिस स्टेशन खोलने से मानवाधिकार प्रचारकों में चिंता पैदा हो गई है। इंवेस्टिगेटिव जर्नलिज्म रिपोर्टिका ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि सार्वजनिक सुरक्षा ब्यूरो से संबद्ध कई अवैध पुलिस सर्विस स्टेशन पूरे कनाडा में फैले हैं। इन पुलिस स्टेशनों को चीन के विरोधियों को दबाने के लिए स्थापित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से कम से कम तीन स्टेशन केवल ग्रेटर टोरंटो एरिया में स्थित हैं।

इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिज्म रिपोर्टिका के अनुसार, चीन इन अवैध पुलिस स्टेशनों के माध्यम से कुछ देशों में चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन, फ्रांस, स्पेन, जर्मनी और यूके जैसे देशों में भी चीनी पुलिस थानों के लिए ऐसी व्यवस्था बनाई गई है। ये स्टेशन अवैध तरीके से काम कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, फूजौ (चीनी शहर) पुलिस का कहना है कि उसने पहले ही 21 देशों में ऐसे 30 स्टेशन खोले हैं। मजे की बात ये है कि यूक्रेन, फ्रांस, स्पेन, जर्मनी और यूके जैसे देशों में चीनी पुलिस थानों के लिए ऐसी व्यवस्था है और इनमें से अधिकांश देशों के नेता सार्वजनिक मंचों पर चीन के उदय और उसके बिगड़ते मानवाधिकार रिकॉर्ड पर सवाल उठाते हैं। लेकिन दूसरी तरफ खुद चीन को उसके विरोधियों को दबाने का मौका दे रहे हैं।

मानवाधिकार प्रचारकों ने चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी पर सुरक्षा के नाम पर देश भर में व्यापक दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है, जिसमें लोगों को नजरबंदी शिविरों में कैद करना, परिवारों को जबरन अलग करना और जबरन नसबंदी करना शामिल है।

आरोपों पर चीन ने कहा है कि ये फैसिलिटी व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण केंद्र हैं जो अतिवाद का काउंटर करने और आजीविका में सुधार करने के लिए जरूरी हैं।

स्पेन ने विरोध प्रदर्शनों के बीच ईरानी राजदूत को किया तलब

मैड्रिड। स्पेन के विदेश मंत्रालय ने ईरान में प्रदर्शनों के दमन पर विरोध व्यक्त करने के लिए ईरानी राजदूत हसन घाशघवी को तलब किया है। यूरोपा प्रेस समाचार एजेंसी ने बुधवार को यह जानकारी दी। स्पेनिश विदेश मंत्रालय ने 'प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा' की निंदा व्यक्त करते हुए एक प्रेस बयान प्रकाशित किया और ईरान से अपने नागरिकों का सम्मान करने और उन्हें सुरक्षा प्रदान करने का आह्वान किया। बयान में कहा गया,स्पेन की सरकार ईरान के इस्लामी गणराज्य के विभिन्न हिस्सों में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हुई हिंसा की कड़ी निंदा करती है। साथ ही मांग करती है कि देश के अधिकारी सभी नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करें और पूरी तरह से खुद को व्यक्त करने, स्वतंत्र रूप से तथा शांति से प्रदर्शन करने की गारंटी दें। गौरतलब है कि 'अनुचित' हिजाब पर विवाद को लेकर पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद 16 सितंबर को 22 वर्षीय महसा अमिनी की मौत के कारण पिछले हफ्ते ईरान में बड़े पैमाने पर दंगे शुरू हुए।

यूक्रेन के 15 फीसदी हिस्से को कब्जाएगा रूस, बोला- सर्वे में 99 फीसदी तक लोग राजी

कीव। रूस पड़ोसी देश यूक्रेन के उन हिस्सों को औपचारिक रूप से अपने क्षेत्र में मिलाना चाहता है जहां उसका सैन्य नियंत्रण है। खबरों के अनुसार, इन इलाकों में रहने वाले लोगों ने जनमत संग्रह में मॉस्को के शासन का समर्थन किया है। हालांकि जनमत संग्रह की व्यापक रूप से आलोचना हुई है और रूस पर अपने पड़ोसी देश पर हमले को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बना हुआ है।

दक्षिण और पूर्वी यूक्रेन के रूस के कब्जे वाले चारों क्षेत्रों के मॉस्को समर्थक प्रशासन ने मंगलवार रात कहा कि उनके नागरिकों ने रूस द्वारा पांच दिन तक कराये गये जनमत संग्रह में रूस में शामिल होने के लिए मतदान किया है।

क्या कहता है सर्वे

रूस के निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, जापोरिज्जिया में 93 प्रतिशत मतदान विलय के समर्थन में हुआ, वहीं खेरसॉन में 87 प्रतिशत, लुहांस्क में 98 प्रतिशत और दोनेत्स्क में 99 प्रतिशत लोगों ने इन हिस्सों के रूस में विलय का समर्थन किया।

अभी भी स्थिति अस्पष्ट

इन कब्जे वाले क्षेत्रों में रूसी अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि वे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से इन इलाकों को रूस में मिलाने को कहेंगे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि प्रशासनिक प्रक्रिया किस दिशा में बढ़ेगी।

पश्चिम ने खारिज किया जनमत संग्रह

हालांकि, पश्चिमी देशों ने जनमत संग्रह को खारिज कर दिया है। उनका कहना है कि यूक्रेन पर 24 फरवरी को शुरू हुए रूस के हमले को वैधता प्रदान करने की कोशिश में मॉस्को यह निरर्थक कवायद कर रहा है। यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसफ बोरेल ने बुधवार को जनमत संग्रह को अवैध करार दिया।

कीव बोला- रूस का दुष्प्रचार नाटक

कीव में यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने जनमत संग्रह पर निशाना साधते हुए इसे दुष्प्रचार का नाटक करार दिया। हालांकि इससे उलट आलोचनाओं के बीच क्रेमलिन पर कोई असर पड़ता नहीं दिखा। बहरहाल, उसके प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस बहुत कम समय के भीतर पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र से यूक्रेन के बलों को बाहर करना चाहता है जहां मॉस्को के सैनिकों और अलगाववादी तत्वों ने क्षेत्र के करीब 60 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा जमा रखा है।

पाकिस्तान के नए वित्त मंत्री बने इशाक डार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सांसद इशाक डार सांसद के रूप में शपथ ग्रहण करने के एक दिन बाद बुधवार को देश के 42वें वित्त मंत्री पद की शपथ ग्रहण की। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने उन्हें वित्त मंत्री के रूप में शपथ दिलाई। डार अपनी ही पार्टी के नेता मिफ्ता इस्माइल के स्थान पर वित्त मंत्री बने है, जिन्होंने पांच माह तक इस पद पर रहने के बाद प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को अपना इस्तीफा सौंपा था। शपथ ग्रहण करने से पहले मीडिया से बातचीत करते हुए डार ने कहा कि पाकिस्तान आर्थिक संकट का सामना कर रहा है और वह इनसे निपटने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे।

आग की चपेट में आकर 17 लोगों की मौत

चांगचुन। चीन के जिलिन प्रांत की राजधानी चांगचुन में एक रेस्तरां में आग लगने से करीब 17 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग दोपहर करीब 12 बजकर 40 मिनट पर चांगचुन हाई-टेक औद्योगिक विकास क्षेत्र में लगी और इसकी चपेट में आकर करीब 17 लोगों की मौत हो गई। बचाव एवं दमकल कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया और घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

वॉल स्ट्रीट कंपनियों पर लगा 1. 8 बिलियन डॉलर का जुर्माना

वाशिंगटन। अमेरिका में वित्तीय लेन देन पर नजर रखने वाली संस्था ने वॉल स्ट्रीट की बड़ी कंपनियों पर 1.8 बिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। बीबीसी की ओर से बुधवार को प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) के हवाले से यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि बर्कलेज़, यूबीएस और गोल्डमैने सैश के नाम 16 नियामकों में शामिल हैं। इस मामले में एसईसी की ओर से अलग से जारी एक बयान में1 1 बिलियन डॉलर के जुर्माने की घोषणा की गयी। इसके साथ ही वस्तु वायदा बाजार आयोग ने 710 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाये जाने की घोषणा की है। एसईसी के अध्यक्ष गैरी गेंस्लर के हवाले से बीबीसी ने कहा पैसे का कारोबार विश्वास पर चलता है । जो कंपनियां अपने रिकॉर्ड और बाकी कागजी दस्तावेजों की सही जानकारी रखकर मिलने वाले सम्मान को नहीं बचा सकीं और इसीलिए आज ऐसा न कर पाने वाली कंपनियों के खिलाफ हमने यह कदम उठाया है। नियामकों ने जारी बयान में कहा कि जनवरी 2018 से लेकर सितंबर 2021 के बीच बैंक कर्मचारी लगातार व्यापार से जुड़े मामलों को लेकर अपने साथियों , ग्राहकों और तीसरे पक्ष के साथ अपने अपने निजी फोन से लिखित संदेशों और व्हॉट्सएप के माध्यम से बातचीत करते रहे। इतना ही नहीं इन कंपनियों ने इनमें से अधिकतर हुई बातचीत को संभाल कर भी नहीं रखा जो संघीय नियमों का खुला उल्लंघन है।

श्रीलंका को पहले आईएमएफ को अपनाना चाहिए था : मंत्री

कोलंबो। श्रीलंका के वित्त मंत्री रंजीत सियाम्बलपतिया ने कहा है कि पिछली सरकारों ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ समझौतों का पालन किया होता तो देश को घोर आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ता। 'द आइलैंड' अखबार में बुधवार को यहां प्रकाशित अपने लेख ने श्री सियाम्बलपतिया स्वीकार किया कि देश सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने साथ ही, चेतावनी दी कि सरकार इस बार आईएमएफ की जांच के दायरे में होगी। पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के कार्यकाल के दौरान मंत्री रहे सियाम्बलपतिया ने कहा कि पिछली सरकारें आईएमएफ के साथ ईमानदार नहीं रही हैं।उन्होंने कहा, हम आसानी से भूल गए कि आईएमएफ को दो किश्तों के बाद क्या वादा किया गया था। आईएमएफ अब सतर्क रहेगा। मंत्री ने कहा कि जनवरी 2023 में 40 करोड़ डॉलर की पहली किश्त की उम्मीद है। श्रीलंका को इससे पहले 16 मौकों पर भी आईएमएफ से ऋण मिला है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

नैनीताल जा रहे हैं तो ये 5 जगह देखना न भूलें

बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। नैनी शब्द का अर्थ है आंखें और 'ताल' का अर्थ है झील। यहां आकर आपको शांत और प्रकृति के पास होने जैसा महसूस होगा। यहां चारों ओर खूबसूरती बिखरी है। सैर-सपाटे के लिए दर्जनों जगहें हैं, जहां जाकर पर्यटक हैरान रह जाते हैं और प्राकृतिक नजारों को बस देखते ही रहते हैं। आओ जानते हैं यहां के प्रमुख स्पॉट।

नैनीताल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून

1. नैनिताल नैना झील :
यहां कि प्रसिद्ध झील नैना झील है जिसे ताल भी कहा जाता है। ताल में बत्तखों के झुंड, रंग-बिरंगी नावें और ऊपर से बहती ठंडी हवा यहां एक अदभुत नजारा पेश करते हैं। ताल का पानी गर्मियों में हरा, बरसात में मटमैला और सर्दियों में हल्का नीला दिखाई देता है। एक समय में नैनीताल जिले में 60 से ज्यादा झीलें हुआ करती थीं।
2. नैना देवी मंदिर :
इसे नैनीताल इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर ऊंचे पहाड़ पर नैना देवी का एक मंदिर है।
3. हिल स्टेशन :
बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। यहां टॉप पर नैना चोटी, स्नो व्यू और टिफिन टॉप है। स्नो व्यूप पर आप रोपवे से जा सकते हैं।
4. प्राणी उद्यान नैनिताल :
पंडित जीबी पंत प्राणी उद्यान यहां के प्रसिद्द स्थल है। गोविंद बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान नैनीताल बस स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
5. हनुमानगढ़ी नैनिताल :
यह यहां का धार्मिक स्थल है जो मुख्य शहर से करीब 4 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर है।
इसके अलावा गर्वनर हाउस है और शॉपिंग के लिए आप मार्केट मॉलरोड जा सकते हैं।

अल्मोड़ा एक बहुत ही सुंदर नगर

अल्मोड़ा जाना चाहते हैं तो पहले इसे पढ़ें

अल्मोड़ा भारत के उत्तराखंड राज्य का एक बहुत ही सुंदर नगर है। इसके पूर्व में पिथौरागढ़ व चम्पावत, पश्चिम में पौड़ी, उत्तर में बागेश्वर, दक्षिण में नैनीताल स्थित है। अल्मोड़ा में मनोरम पहाड़ी और घाटियां है जो आपका दिल मोह लेगी। यदि आप यहां जाने का प्लान कर रहे है तो जान लें इस क्षेत्र के बारे में दिलचस्प जानकारी।

अल्मोड़ा हिल स्टेशन

1. अल्मोड़ा में कई मंदिर है। दूनागिरी मंदिर, कसार देवी मंदिर, चितई गोलू मंदिर, नंदादेवी मंदिर, कटारमल सूर्य मंदिर, जागेश्वर धाम मंदिर आदि कई बहुत ही सुंदर और चैतन्य मंदिर है। यहां अंग्रेजों के काल का बोडेन मेमोरियल मेथोडिस्ट चर्च भी है।
2. अल्मोड़ा में घूमने लायक जगह जीरो पाइंट बहुत ही अद्भुत है जो बिनसर अभ्यारण्य में बहुत ऊंचाई पर स्थित है। यहां से आसमान को देखना बहुत ही रोमांचित कर देगा साथ ही यहां से केदारनाथ और नंदादेवी की चोटी को देखना तो आपके आश्चर्य और रोमांच को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। यहां से हिमालय की वादियों का दृश्य आपको स्वर्ग में होने का अहसास देगा।
3. अल्मोड़ा से 30 किलोमीटर दूर जलना एक छोटासा पहाड़ी गांव है जहां से आप प्रकृति और एकांत का आंनद ले सकते है। यहां पर 480 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां, वनस्पतियों की एक विस्तृत श्रृंखला और तितली संग्रह से भरे जंगल पाए जाते हैं।
4. अल्मोड़ा से 3 किमी दूर स्थित, ब्राइट एंड कॉर्नर पाइंट से आप सूर्यास्त और सूर्योदय के लुभावने दृश्य देखकर रोमांचित हो उठेंगे। यह एक विशेष बिंदु है जहां से हिमालय के अविश्वसनीय दृश्य देख सकते हैं। हिमालयी चोटियों में जैसे त्रिशूल I, त्रिशूल II, त्रिशूल III, नंदादेवी, नंदकोट, पंचाचूली इत्यादि को देख सकते हैं।
5. अल्मोड़ा कुमाऊं पर्वत श्रृंखला में स्थित है और यह माउंटेन बाइकिंग के लिए भारत में सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक है। और यदि यदि आप रिवर राफ्टिंग का आनंद लेना चाहते हैं तो काली शारदा नदी जाना होगा।
6. अल्मोड़ा का बिनसर अभ्यारण्य भी बहुत ही रोमांच से भरा है। अल्मोड़ा हिल स्टेशन से लगभग 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बिनसर पर्यटन स्थल एक छोटा सा गांव हैं। जोकि देवदार के पेड़ों के हरे-भरे जंगल, घास के मैदान और खूबसूरत मंदिरों के लिए जाना जाता हैं।
7. अल्मोड़ा का डियर पार्क अल्मोड़ा से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। डियर पार्क प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए शानदार डेस्टिनेशन है। डियर पार्क का सबसे प्रमुख आकर्षण देवदार के हरे-भरे वृक्ष है और उनके बीच घुमते हुए हिरण, तेंदुआ और काले भालू जैसे जानवर इसकी खूबसूरती को देखने लायक बना देते हैं।
8. अल्मोड़ा भारत में कुछ बेहतरीन हस्तशिल्प और सजावटी वस्तुओं के संग्रह के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर द्वाराहाट, रानीखेत, चौखुटिया और शीतलाखेत भी घूमने लायक बहुत ही सुंदर स्थान है।
9. अल्मोड़ा से करीब 53 किलोमीटर उत्तर दिशा में स्थित है कौसानी नामक हिल स्टेशन जो प्राकृतिक छटा से भरपूर है। यहां देवदार के सघन वन हैं जिनके एक ओर सोमेश्वर घाटी और दूसरी ओर गरुड़ व बैजनाथ घाटी स्थित है।
10. अल्मोड़ा तो किसी भी मौसम में जा सकते हैं लेकिन सबसे अच्छा समय मार्च से अप्रैल का महीना होता है क्योंकि यहां पर शांत वातावरण मिलता है। पंतनगर निकटतम हवाई अड्डा है जहां से अल्मोड़ा 120 किलोमीटर दूर है, काठगोदाम रेलवे स्टेशन यहां से 80 किलोमीटर दूर है। हरिद्वार, नैनीताल, देहरादून और लखनऊ के सड़कमार्ग से अल्मोड़ा जुड़ा हुआ है।

देश की 10 रोमांटिक जगह जरूर जाना चाहिए

रोमांटिक जगह पर घूमने जाना चाहते है तो भारत में ऐसी सैकड़ों रोमांटिक जगहें हैं जहां पर आप जाकर अपने पार्टनर के साथ संबंधों की नई ऊंचाइयों को छू सकते हो। इसके लिए हम लाएं है भारत के टॉप 10 रोमांटिकऔर ब्यूटीफुल जगहों की जानकारी।

भारत की टॉप 10 रोमांटिक जगहें

1. गोवा :
समुद्र के किनारे बसा गोवा बहुत ही रोमांटिक जगह है। हनीमून मनाने वालों को भी खूब आकर्षित करता है। रोमांटिक स्थलों में यह सबसे टॉप पर माना जाता है।
2. चंबा :
उत्तराखंड के मसूरी से मात्र 13 घंटे की दूरी पर बसा है चंबा। चंबा की सीढ़ीनुमा सड़कें और ऊंचे-ऊंचे वृक्षों से लदी घुमावदार घाटियां, झुरमुटों में छुपे छोटे-छोटे घर आपके मन को मोह लेंगे।
3. दार्जिलिंग :
'क्वीन ऑफ हिल्स' के नाम से मशहूर दार्जिलिंग हमेशा से एक बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन रहा है। यह बहुत ही रोमांटिक स्थल है। दूर-दूर तक फैले हरी चाय के खेत मानो धरती पर हरी चादर बिछी हो। सिर्फ चाय बागान नहीं हैं बल्कि यहां की वादियां भी बेहद मनोहारी है। बर्फ से ढंके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कलकल करते झरने सबका मन मोह लेते हैं।
4. शिमला :
शिमला जाएं या मनाली दोनों ही हिमाचल में स्थित है। दोनों ही हनीमून के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थल है। यहां घाटी और चारों ओर हिमालय पर्वत की चोटियों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। चारों ओर से पहाड़ों से घिरे शिमला और मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है।
5. ऊटी :
तमिलनाडु का विश्व प्रसिद्ध शहर ऊटी हनीमून के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। इसे पहाड़ों की रानी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको मंत्रमुग्ध कर देंगी।
6. लक्षद्वीप :
32 किलोमीटर लंबी भूमि 36 से अधिक छोट-छोटे टापूनुमा द्वीपों में बंटी हुई है, जिसे लक्षद्वीप कहा जाता है। यह दुनिया के सर्वाधिक विहंगम उष्ण कटिबंधी द्वीपों में से एक है। यहां सुंदर सकरें और लंबे लैगून (समुद्र तल, कच्छ या खाड़ी) है। यहां जाकर मन रोमांचित हो उठता है।
7. उदयपुर :
उदयपुर में भी आप कभी भी जा सकते हैं। यहां आप झीलों का मजा ले सकते हैं। यहां की हवेलियों और महलों की भव्यता को देखकर दुनिया भर के पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।
8. पचमढ़ी :
होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है।
9. लोनावाला :
महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 96 किलोमीटर और खंडाला से लगभग 5 कीलोमीटर दूर स्थित है लोनावाला (लोणावळा) हिल स्टेशन। पूणे से मात्र 2 घंटे का रास्ता है। इसे झीलों का जिला कहते हैं। मुंबई और पूना वासियों के लिए यह उनका फेवरिट डेस्टिनेशन है।
10. श्रीनगर :
कश्मीर को पहले सतीसर कहा जाता था और श्रीनगर जिसका पुराना नाम प्रवर पुर है। श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां सुंदर झीलों के साथ ही बर्फ से ढके खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। यह वृक्ष समूचे कश्मीर की शोभा बढ़ाते हैं।

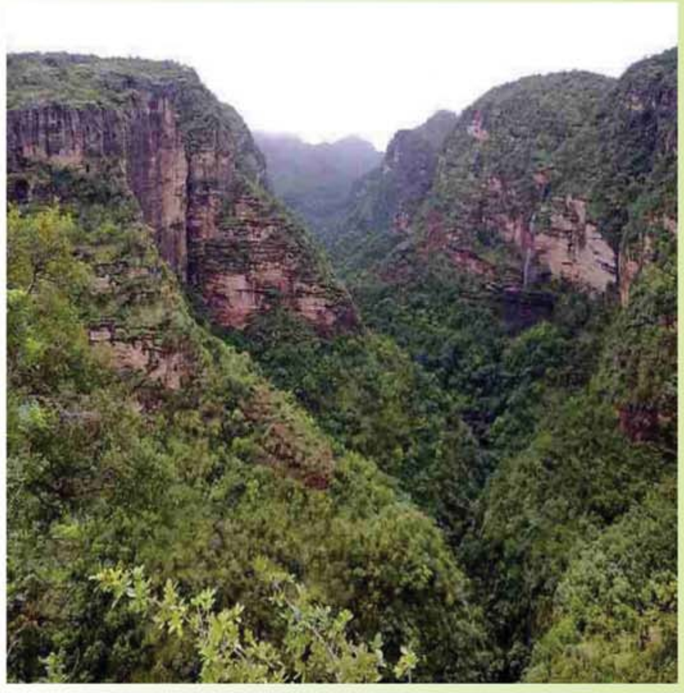

रोमांच और खतरों से भरी मां नंदादेवी की अद्भुत यात्रा

उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के तपोवन क्षेत्र में नंदा देवी का सबसे ऊंचा पहाड़ है। नंदादेवी के दोनों ओर ग्लेशियर यानी हिमनद है। इन हिमनदों की बर्फ पिघलकर एक नदी का रूप ले लेती है। यहां दो बड़े ग्लेशियर है- नंदादेवी नॉर्थ और नंदा देवी साउथ। दोनों की लंबाई 19 किलोमीटर है। इनकी शुरुआत नंदा देवी की चोटी से ही हो जाती है जो नीचे घाटी तक आती है। आओ जानते हैं नंदा देवी की ऐतिहासिक यात्रा की 10 खास बातें।

1. **माता पार्वती है नंदा देवी :** उत्तराखंड के लोग नंदादेवी को अपनी अधिष्ठात्री देवी मानते है और यहां की लोककथाओं में उन्हें हिमालय की पुत्री कहा गया है, अर्थात वे माता पार्वती हैं।
2. **गढ़वाल-कुमाऊं का मिलन :** नंदा देवी गढ़वाल के साथ साथ कुमाऊं कत्युरी राजवंश की ईष्टदेवी थीं और वे उत्तराखंड की बेटी हैं, वह इस यात्रा के माध्यम से अपने ससुराल यानी कैलाश पर्वत जाती हैं। इस ऐतिहासिक यात्रा को गढ़वाल-कुमाऊं के सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी माना जाता है।
3. **सबसे ऊंची चोटी :** नंदा देवी पर्वत भारत की दूसरी एवं विश्व की 23वीं सर्वोच्च चोटी है। इस चोटी को उत्तरांचल राज्य में मुख्य देवी के रूप में पूजा जाता है। इससे ऊंची व देश में सर्वोच्च चोटी कंचनजंघा है। नंदा देवी पर्वत लगभग 25,643 फीट ऊंचा है।
4. **12 वर्ष में एक बार यात्रा :** नंदा देवी की चढ़ाई अत्यधिक कठिन मानी जाती है। नंदा देवी की कुल ऊंचाई 7816 मीटर यानी 25,643 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए प्रत्येक 12 वर्ष में एक धार्मिक यात्रा का आयोजन होता है प्रतिवर्ष भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में नंदादेवी मेला प्रारंभ होता है।
5. **हिमालयी कुंभ :** चूंकि इस यात्रा का आयोजन कुंभ की तरह हर बारह वर्ष के बाद होता है, इसलिए इसे हिमालयी कुंभ के नाम से भी जाना जाता है।
6. **आदि शंकराचार्य ने की थी यात्रा की शुरुआत :** नंदा देवी राजजात यात्रा को विश्व की सबसे लम्बी पैदल और धार्मिक यात्रा माना जाता है। इस पहाड़ पर चढ़कर माता के दर्शन करना बहुत ही कठिन होता है। इस यात्रा की शुरुआत आदि शंकराचार्य ने ईसा पूर्व की थी।
7. **यात्रा का प्रारंभ और अंत :** नंदादेवी की यह ऐतिहासिक यात्रा चमोली जनपद के नौटी गांव से शुरू होती है जो रूपकुंड होकर हेमकुंड तक जाती है जो 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित है।
8. **रोमांच और खतरों से भरी होती है ये यात्रा :** इस 280 किमी की धार्मिक यात्रा के दौरान रास्ते में घने जंगल, पथरीले मार्गों व दुर्गम चोटियों और बर्फीले पहाड़ों को पार करना पड़ता है। नंदादेवी चोटी के नीचे पूर्वी तरफ नंदा देवी अभयारण्य है। यहां कई प्रजातियों के जीव-जंतु रहते हैं। इसकी सीमाएं चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों से जुड़ती हैं।
9. **19 दिन लगते है यात्रा पूर्ण होने में :** इस यात्रा को पूरा करने में 19 दिन का समय लग जाता है। इस यात्रा के 19 पड़ाव है। रास्ते में विभिन्न पड़ावों से होकर गुजरने वाली यह यात्रा में भिन्न-भिन्न पड़ावों पर लोग इस यात्रा में मिलकर इस यात्रा का हिस्सा बनते हैं। इस यात्रा का आयोजन नंदादेवी राजजात समिति द्वारा किया जाता है।
10. **यात्रा का आकर्षण चौसिंगा खाड़ू :** इस यात्रा का मुख्य आकर्षण चौसिंगा खाड़ू (चार सींगों वाला भेड़) होता है, जो कि स्थानीय क्षेत्र में राजजात यात्रा शुरू होने से पहले पैदा हो जाता है। उसकी पीठ में दो तरफ थैले में श्रद्धालु गहने, श्रृंगार सामग्री व अन्य भेंट देवी के लिए रखते हैं, जो कि हेमकुंड में पूजा होने के बाद आगे हिमालय की ओर प्रस्थान करता है। यात्रा में जाने वाले लोगों का मानना है कि यह चौसिंगा खाड़ू आगे विकट हिमालय में जाकर विलुप्त हो जाता है। माना जाता है कि यह नंदादेवी के क्षेत्र कैलाश में प्रवेश कर जाता है, जो आज भी अपने आप में एक रहस्य बना हुआ है।